धनबाद
शनिवार 08.03.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-17 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-9
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

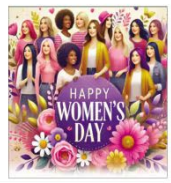

हमने गरीबों को 32 लाख करोड़ दिए, हमें गाली देने वालों को यह नहीं पता कि 32 लाख में कितने जीरो होते हैं:पीएम

सूरत (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। अपने पहले कार्यक्रम में वे सिलवासा पहुंचे, जहां ४५० बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन और ६५० बिस्तरों की क्षमता वाले दूसरे चरण का शिलान्यास किया। यहां से पीएम सूरत पहुंचे। एयरपोर्ट से लिंबायत तक उनका करीब ३ किमी लंबा रोड शो हुआ। इस दौरान उनके स्वागत के लिए हर १०० मीटर पर ३० मंच बनाए गए थे। इसके बाद लिंबायत के नीलगिरी ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर उन्होंने कई लोगों को ऑटोग्राफ भी दिया। पीएम सूरत में ही रात्रि विश्राम करेंगे और कल सुबह नवसारी जाएंगे।

सूरत की जनसभा में पीएम ने मुद्रा योजना को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा- हमने मुद्रा योजना के तहत गरीबों को बिना किसी गारंटी के ३२ लाख करोड़ रुपए दिए। जिन लोगों ने हमें गाली दी, उन्हें तो यह भी नहीं पता कि ३२ लाख में कितने जीरे होते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पहले ऐसे लोगों के भी राशन कार्ड बनाए जा रहे थे जो पैदा भी नहीं हुए थे। हमने सिस्टम से पांच करोड़ फर्जी नाम हटाए। पूरी व्यवस्था को आधार कार्ड से जोड़कर राशन कार्ड से जुड़ी एक बड़ी समस्या का समाधान किया। अन्य राज्यों से आए लोग यहां बड़ी संख्या में काम करते हैं। पहले एक स्थान का राशन कार्ड दूसरे स्थान पर मान्य नहीं होता था। हमने इस समस्या का समाधान किया और वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड कहीं का भी हो, लाभार्थी को देश के हर शहर में इसका लाभ मिलता है। पीएम ने कहा कि रोटी-कपड़ा और मकान से अधिक महत्वपूर्ण कोई चीज नहीं। मुझे किसी किताब में पढने की जरूरत नहीं है कि रोटी के लिए परेशान एक गरीब व्यक्ति का दर्द क्या होता है। मैं इसे अनुभव कर सकता हूं। इसलिए हमारी सरकार ने जरूरतमंदों के भोजन का ध्यान रखा है। भारत अब यह स्वीकार नहीं करता कि गरीबों के घर में चूल्हा न जले और उनके बच्चे आंसुओं के साथ सोएं।

पीएम ने आगे कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज देश और गुजरात की जनता ने मुझे तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है और उसके बाद सूरत की यह मेरी पहली यात्रा है। गुजरात ने जो भी बनाया, देश ने उसे प्यार से अपनाया है। स्वच्छता अभियान की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा- जब देश में स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा होती है तो सूरत शहर पहले या दूसरे नंबर पर होता है। इसका श्रेय सूरतवासियो को जाता है।

महिला विधायकों ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात, सीएम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की दी शुभकामनाएं

रांची (ससे): झारखंड की महिला विधायकों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिला विधायकों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी उपस्थिति नारी शक्ति को मजबूती देती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी के बिना देश, राज्य और समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर झारखंड की महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की बेटियों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर झारखंड का नाम रोशन किया है। सरकार उनके उत्थान और सहयोग के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस दौरान मंत्री दीपिका पांडेय, शिल्पी नेहा तिर्की, कल्पना सोरेन, डॉ. नीरा यादव, लुइस मरांडी, सविता महतो, रागिनी सिंह, ममता देवी, पूर्णिमा दास साहू, श्वेता सिंह और मंजू कुमारी उपस्थित रहीं। ▶▶ 8

राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का स्मारक

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर ही बनेगा। इसे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्मारक के पास बनाया जाएगा। बताया जाता है कि पूर्व पीएम के परिवार ने स्मारक को लेकर सहमति जता दी है। बताया जाता है कि मनमोहन सिंह के परिजनों ने आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर प्रस्तावित स्थल को मंजूरी दे दी है। परिवार ने विभाग को स्वीकृति पत्र भेज दिया है। स्मारक बनने से पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की याद में ट्रस्ट बनाया जाएगा।

होली से पहले केंद्र सरकार कर्मचारियों और पेंशनर्स को दे सकती है तोहफा, बढ़ाएगी डीए

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार अगले सप्ताह होली से पहले सरकार कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी कर सकती है। अगर ऐलान होता है तो १.२ करोड़ सेंट्रल गवर्नमेंट कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका लाभ मिलेगा। सरकार केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए जनवरी और जुलाई दो बार महंगाई भत्ते में इजाफा करती है। होली से पहले महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी होती है तो यह जनवरी से लागू होगी। यह भी देखा गया है कि मार्च में होली के आसपास महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में इजाफा किया जाता है ताकि त्योहार से पहले कर्मचारियों को राहत मिल सके। दूसरी ओर जुलाई में बढ़ोतरी की घोषणा आमतौर पर हर साल अक्टूबर या नवंबर में दीपावली के आसपास की जाती है। गौरतलब है कि ५ मार्च, २०२५ को बैठक में मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार

के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी पर चर्चा नहीं की थी। डीए में सबसे हालिया बढ़ोतरी जुलाई २०२४ में हुई थी, जब यह ५० फीसदी से बढ़कर ५३ फीसदी हो गया था। ७ मार्च २०२४ को कैबिनेट ने डीए को ४६ फीसदी की पिछली दर से बढ़ाकर मूल वेतन का ५० फीसदी कर दिया था। यह ऐलान होली से कुछ दिन पहले २५ मार्च २०२४ को की थी। १६ अक्टूबर २०२४ को कैबिनेट ने ▶▶ 8

हरियाणा में सेना का फाइटर जेट जगुआर क्रैश

दूर तक बिखरे टुकड़े, वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

पंचकूला (ईएमएस): हरियाणा के पंचकूला में मोरनी के नजदीक स्थित बालदवाला गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक फाइटर जेट अचानक आ गिरा। इस दुर्घटना के बाद इलाके में डर और चिंता का माहौल बन गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, जेट का पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित नीचे उतरने में सफल रहा। तुरंत जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इस हादसे की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम भी भेज दी गई है।

हादसा इतना खौफनाक था कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टुकड़े बिखर गए और काफी दूर तक नजर आए। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, यह जगुआर फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट ने विमान को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने से पहले इसे किसी घनी आबादी से दूर ले जाने में सफलता पाई। वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, भारतीय वायुसेना के एक जगुआर विमान के क्रैश का कारण सिस्टम में खराबी थी। इस घटना ▶▶ 8

आज से मंईयां सम्मान की जाएगी राशि खाते में :हेमंत सोरेन

रांची (ससे): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा में शुक्रवार को बताया कि कल महिला दिवस भी है साथ ही रमजान का पर्व चल रहा है। होली भी है इसलिए पर्व त्योहार पर महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान हो, मंईयां सम्मान की राशि उनके खाते में जानी शुरू हो जाएगी। होली से पहले सभी महिलाओं के खाते में राशि चली जाएगी। सीएम ने बताया कि इससे संबंधित त्रुटियां दूर कर ली गई है। इससे पूर्व कई विधायकों ने सदन में सरकार से यह बताने का आग्रह किया था कि महिला सम्मान योजना की राशि कब तक महिलाओं के खाते में जाएगी।

प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों,

आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज इस शुभ अवसर पर मैं अपने प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों को राज्य के प्रति आपकी समर्पित सेवा के लिए दिल से सराहना करने के साथ-साथ अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मुख्य थीम Accelerate Action रखा गया है, जिसका मुख्य भाव महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता तथा सम्पूर्ण विकास को तेज गति देने पर जोर देता है। हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ एवं सहायिका बहनों के द्वारा इस थीम को पूर्ण रूप से सार्थक करते हुए तन-मन से राज्य हित में कार्य किया जा रहा है। आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से समुदाय की सेवा में आपके अटूट, सम्पूर्ण और निरंतर प्रयासों के लिए अबुआ सरकार आपका आभारी है।

हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अन्तर्गत कुल- 37876 सेविकाएँ, 34941 सहायिकाएँ एवं 679 महिला पर्यवेक्षिकाएँ क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता के रूप में समाज में समान अवसर का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण देते हुए निरंतर कार्यरत हैं।

आज आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जाँच, वृद्धि निगरानी, टीकाकरण तथा कुपोषण प्रबंधन के माध्यम से मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है, जो काफी गौरवान्वित करता है। पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषय को जन आंदोलन का रूप देकर कुपोषण मुक्त झारखण्ड की कल्पना को साकार करने की यात्रा में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि आज झारखण्ड राज्य में 154186 गर्भवती महिलाओं, 121655 धात्री माताओं तथा 1323217 छः माह से तीन वर्ष के बच्चों को पोषक तत्व से भरपूर शिशु आहार, पौष्टिक मीठा दलिया एवं नमकीन दलिया नियमित रूप से आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म ताजा पका हुआ भोजन के साथ-साथ अण्डा भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि बच्चों का विकास सही ढ़ग से हो सके तथा वे राज्य निर्माण में अपना सम्पूर्ण योगदान दे सकें।

आज के Digital युग में हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए जल्द ही उन्हें Smart Phone उपलब्ध कराया जाएगा।

आपके द्वारा कई महत्पूर्ण योजनाओं यथा-सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना, पोषण अभियान योजना, पेंशन योजना, निःशक्त कल्याणार्थ योजना, सामुहिक कुरीति निवारण योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे कि जनसमुदाय को इन योजनाओं का लाभ समय मिल सके। साथ ही, बी.एल.ओ. के रूप में आपके अथक प्रयासों के कारण राज्य भर में मतदाताओं का समावेशीकरण हुआ है एवं चुनाव पर्व में लोगो ने बढ़-चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

आज इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपकी मेहनत और लगन के साथ-साथ महिलाओं के सम्पूर्ण विकास, सशक्तिकरण तथा समान अवसर दिलाने की दिशा में आईए मिल कर हमसब प्रयास करें ताकि **अबुआ झारखण्ड-स्वस्थ और सुपोषित झारखण्ड बन सके।**

आपका आभार और धन्यवाद !

शुभकामनाओं सहित

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR 348116 (Women, Child Development & Social Security) 24-25

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR 348063 (IPRD) 24-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

अवैध कोयला खनन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टॉस्क फोर्स की बैठक हुई। जिसमें उपायुक्त ने कहा कि खनन से संबंधित विधिब्यवस्था का मुद्दा कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी संयुक्त रूप से जवाबदेही होंगे।

बीसीसीएल भी सतर्क रहे और यह सुनिश्चित करें कि अवैध खनन को लेकर जिले में विधि व्यवस्था बनी रहे। अवैध खनन रोकने में थाना और अंचल को सहयोग करें। अवैध खनन के कारण होने वाली घटना की जांच करें। जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई करें।

उपायुक्त ने कहा कि कुछ लोग जीएसटी का दुरुपयोग कर अवैध खनन को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस कारण सरकार को राजस्व की हानि होती है। इस दिशा में सभी सतर्क रहे। बीसीसीएल भी इसमें सक्रिय रुप से सहभागिता सुनिश्चित करें।

वहीं उपायुक्त ने हर महीने स्थानीय स्तर पर थाना, अंचल, बीसीसीएल तथा सीआइएसएफ को बैठक कर क्षेत्र के ज्वलंत मामलों पर चर्चा कर समाधान करने का निर्देश दिये। साथ ही अवैध खनन में संलिप्त के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा इंटेलिजेंस फैलियर न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि कोयले का खनन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। विधिब्यवस्था बिगाड़ने के लिए कई असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

साथ ही खनन क्षेत्र में वैध एवं अवैध रूप से रह रहे लोगों की जानकारी प्राप्त कर उनके संबंध में रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा। जिससे लोगों को खनन क्षेत्र से सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने की दिशा में कार्य किया जा सके तथा भविष्य में किसी तरह के हादसे से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापामारी अभियान जारी रखने, इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया।

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि खनन स्थल पर टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका पर त्वरित धारा १६३ भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का आवेदन दें। आवेदन नहीं देना घोर लापरवाही मानी जाएगी।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने खनिजों के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध खनन कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

बैठक में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) एम.के. रमैया ने कोयले के अवैध खनन के विरुद्ध की गई छापामारी, अवैध खनन के हॉटस्पॉट, अवैध खनन स्थल पर की गई डोजरिंग पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि खनन स्थल पर ड्रोन द्वारा तथा सभी काटा घरों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है।

बैठक में सीआईएसएफ के कमांडेंट तपन पोद्दार, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी मुख्यालय २ धीरेन्द्र नारायण बंका, एसडीपीओ निरसा रजत मानेक बाखला के अलावा सभी अंचल के अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के विभिन्न एरिया के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सुनी लोगों की फरियाद

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में बरवाअड्डा की एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके दोनों बेटे और बहुएं जबरन मकान उनके नाम कर देने के लिए दबाव बना रहे हैं। मना करने पर दोनों बेटे और बहुएं उनको विभिन्न तरह से प्रताड़ित करते हैं। महिला ने उपायुक्त से उनकी हरकतों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई।

वहीं एक बुजुर्ग ने उपायुक्त को बताया कि वह कुसुम विहार के एक अपार्टमेंट में काम करते थे। परंतु अपार्टमेंट वालों के आपसी विवाद के कारण उन्हें कई महिनों से भुगतान नहीं किया है। उन्होंने भुगतान करा देने तथा वृद्धा पेंशन दिलाने का अनुरोध किया। जनता दरबार में गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा करने, अंचल कार्यालय द्वारा म्यूटेशन नहीं करने, काम कराकर मजदूरी नहीं देने, जमीन पर अवैध सड़क निर्माण करने, बीसीसीएल के एरिया नंबर १० अंतर्गत चल रहे ओपन कास्ट परियोजना में जबरन जमीन पर कैंजा करने, पानी, बिजली की समस्या सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

जोरिया नदी के अस्तित्व पर संकट के बादल

कतरास (ससे) : जोरिया नदी का अस्तित्व खतरे में है। नदी का जलस्तर दिनप्रतिदिन घटता जा रहा है और बगल में चल रहे अवैध खनन के कारण नदी का पानी वहीं पर अवशोषित हो रहा है। यह नदी काफी पुरानी है और इसके बगल में श्मशान घाट स्थित है, जहां लोग दाह संस्कार के लिए आते हैं। नदी आगे जाकर दामोदर नदी में मिल जाती थी। आरसीएमयू के पप्पू खान ने कहा कि नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए पहले भी बीसीसीएल प्रबंधन एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित किया गया था, लेकिन अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई जा रही है, जिससे नदी का अस्तित्व संकट में है। उन्होंने कहा, हम किसी भी कीमत पर जोरिया नदी के अस्तित्व को समाप्त नहीं होने देंगे। अगर प्रबंधन द्वारा उचित कदम नहीं उठाए गए, तो हम उग्र आंदोलन करेंगे। यह लड़ाई संयुक्त रूप से लड़ी जाएगी।
नदी के अस्तित्व की रक्षा के लिए अब तक प्रशासनिक और स्थानीय स्तर पर कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। नागरिक समिति और आरसीएमयू ने प्रशासन से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि नदी की बहाली सुनिश्चित हो सके और स्थानीय लोगों के जीवन पर इसका बुरा असर न पड़े।

महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : महिलाएं अपनी शक्ति पहचाने। वे अजेय हैं। अगर मातापिता धनी है तो महिलाओं को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अपने जीवन का निर्णय स्वयं ले सकेगी।

उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। पुरुष और महिला में लैंगिक समानता होनी चाहिए। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। लाखों महिलाओं ने बुलंदियों को छुआ है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सर्वोच्च पद हासिल किया है। परंतु समाज में ऐसी भी महिलाएं हैं जो समानता के लिए संघर्ष कर रही है।

महिलाओं को संघर्ष नहीं करना पड़े इसलिए बच्चियों को शिक्षा देना जरूरी है। उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी तो अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। जब वह कोई मुकाम हासिल कर लेगी तो बाजी पलट सकती है। महिलाएं जिस क्षेत्र में है वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि मेरी माँ मेरे जीवन का सबसे बड़ा और मजबूत स्तंभ है। मेरे पिता मेरी प्रेरणा हैं। उन्होंने सभी महिलाओं को अपनी बच्चियों को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।
समारोह को सिम्फर के निदेशक प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ जेके पांडेय, डॉ वी. अंगुसेल्वी, डॉ सीमा टोपनो ने भी संबोधित किया। मौके पर डॉ पल्लवी दास, डॉ आरती साहू, डॉ मोनालिसा गंगोपाध्याय, डॉ मौसमी मल्लिक सहित संस्थान के अन्य महिला एवं पुरुष वैज्ञानिक उपस्थित थे।

बीसीसीएल धनबाद को राजभाषा का राष्ट्रीय पुरस्कार

धनबाद (ससे) : राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुवाहाटी में आयोजित पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के संयुक्त राजभाषा सम्मेलन सह पुरस्कार वितरण समारोह में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की अध्यक्षता में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) धनबाद को पूर्वी क्षेत्र में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नराकास धनबाद के अध्यक्ष कार्यालय बीसीसीएल की ओर से नराकास सचिव दिलीप कुमार सिंह, प्रबंधक (राजभाषा) ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के हाथों यह सम्मान प्राप्त किया। दिलीप कुमार सिंह को उनके विशेष योगदान के लिए इस अवसर पर एक प्रशस्ति प्रत्र भी दिया गया। निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया के साथ दिलीप कुमार सिंह ने आज यह सम्मान अध्यक्षसहप्रबंध निदेशक (सीएमडी) समीरन दत्ता को उनके कक्ष में सौंपा। अवसर पर सीएमडी सचिवालय सेक्रेटरी एस.के. चटर्जी के साथ जनसंपर्क विभाग के प्रमुख उदयवीर सिंह भी उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि बीसीसीएल नराकास का अध्यक्ष कार्यालय है और सीएमडी इसके अध्यक्ष हैं। बीसीसीएल की इस उपलब्धि पर सभी कर्मचारियों को गर्व है और यह सम्मान उनके समर्पण और मेहनत का परिणाम है। समीरन दत्ता ने इस अवसर पर सभी को बधाई दी और भविष्य में राजभाषा और कंपनी द्वारा संचालित अन्य गतिविधियों में भी इसी प्रकार की उत्कृष्टता बनाए रखने की आशा व्यक्त की।

हाड़ी समिति के सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेवारी

धनबाद (कासं) : गुरुवार को हीरापुर पुलिस लाइन के समीप सामाजिक संस्था हाड़ी जाति समाज सुधार की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से धनबाद जिला हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें किशोर हाड़ी जिला अध्यक्ष, कार्तिक हाड़ी जिला कार्यकारी अध्यक्ष, पुनीत हाड़ी जिला प्रवक्ता, चतुर हाड़ी संगठन सचिव, विनोद हाड़ी युवा अध्यक्ष, अमित किशोर संरक्षक एवं शिबू हाड़ी संरक्षक सह मीडिया प्रभारी पद के लिए मनोनीत किए गए। पदाधिकारियों को बैठक में सदस्यों ने बधाई दी। जिलाध्यक्ष ने समिति को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी को आश्वस्त किया। मुख्य रूप से उपाध्यक्ष बच्चन हाड़ी, सागर हाड़ी, महासचिव बुच्चू हाड़ी, रक्षा मंत्री भोला हाड़ी, सूचना मंत्री रंजीत हाड़ी, उपसंगठन सचिव संजय हाड़ी व बादल हाड़ी, महासचिव अजय हाड़ी, उपाध्यक्ष मनोज हाड़ी रंजीत हाड़ी, सचिव दिनेश हाड़ी, संगठन सचिव भरत हाड़ी, सूचना मंत्री श्रवण हाड़ी, कार्यकारणी सदस्य संतोष हाड़ी, किशोर हाड़ी, विकास हाड़ी, झरिया प्रखंड उपाध्यक्ष रमन हाड़ी, कोषाध्यक्ष शिबू हाड़ी समेत सभी सदस्य उपस्थित थे।

महिला दिवस नारी शक्ति का उत्सव है : अनिता अग्रवाल

धनबाद (कासं) : नारी तू नारायणी, यह सिर्फ एक कहावत नहीं, बल्कि हमारे समाज की सच्चाई होनी चाहिए। हर वर्ष ८ मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं का सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता केवल एक दिन की बात नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर दिन की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

आज की महिलाएं हर क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। चाहे वह विज्ञान हो, राजनीति हो, शिक्षा हो या फिर खेल। वे सिर्फ घर तक सीमित नहीं, बल्कि देश के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही है, लेकिन यह भी सच है कि समाज में अभी भी कई जगहों पर महिलाओं को समान अवसर और सम्मान नहीं मिलता। जब भी महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की बात आती है, तो कई लोग पीछे हट जाते हैं। यह सोच हमें बदलनी होगी। एक आत्मनिर्भर महिला सिर्फ खुद को ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी आगे बढ़ाने का काम करती है। जब एक

महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह अगली पीढ़ी को भी सही दिशा देती है। पहला कदम में हमारा उद्देश्य भी यही है कि हम हर महिला और विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और सशक्तिकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने में मदद करें। सिर्फ कानून और नीतियां बना देने से महिलाओं की स्थिति नहीं बदलेगी, जब तक कि समाज की मानसिकता नहीं बदलेगी। हर महिला को समान अवसर, समान वेतन और एक सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। जब एक महिला का सम्मान किया जाता है, तो पूरा समाज आगे बढ़ता है।

महिला दिवस के इस अवसर पर पहला कदम की ओर से हम यह संकल्प लेते हैं कि हम हर महिला को सम्मान देंगे, उनकी शक्ति को पहचानेंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करेंगे। समाज की हर लड़की और महिला को यह विश्वास दिलाएंगे कि वह किसी से कम नहीं।

आइए, इस महिला दिवस पर यह प्रण लें कि हम हर महिला को समानता और सम्मान की दृष्टि से देखेंगे। उसे आगे बढ़ने के अवसर देंगे। क्योंकि जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

दो फरार अभियुक्त गिरफ्तार

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय के नेतृत्व में छापामारी कर रणधीर वर्मा चौक के समीप से दो फरार नामजद अपराधी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त कांड संख्या ९६/२४, ८०/२३ के अलावा पुटकी थाना कांड संख्या २३/२४, २४/२४ में भी वांछित अपराधी था। मनीष यादव उर्फ डाबला संख्या ९६/२४ तथा पुटकी थाना कांड संख्या २३/२४, २४/२४ में वांछित अपराधी था। उक्त दोनों अपराधी काफी दिनों से फरार चल रहे थे। छापामारी अभियान में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रमोद पांडे, एस आई धीरज कुमार मिश्रा, एएसआई नवल किशोर सिंह, एएसआई रविरंजन कुमार, एएसआई जनक देव सिंह, अगंरक्षक निताई चंद्र महथा शामिल थे।

नाली की बदबू से लोगों का जीना हुआ दुभर

कतरास (ससे) : नगर निगम कतरास अंचल के वार्ड संख्या ४ के अंगारपथरा क्षेत्र स्थित मुख्य मार्ग से गुजरने वाली नाली से अत्यधिक बदबू आ रही है, जिससे यहां रहने वाले लोगों का जीना मोहाल हो गया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस समस्या से निजात पाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। जिस कारण यहां की आबादी को नारकीय जीवन जीने को बाध्य है। वार्ड संख्या ४ का भावी पार्षद उम्मीदवार वंदना सिन्हा ने इस समस्या पर अपनी चिंता जताते हुए कही कि अंगारपथरा में पिछले १० सालों में निगम द्वारा कोई भी योजना नहीं किया गया है। वर्तमान पार्षद ने सिर्फ अपनी जेब भरने का काम किया है, जबकि इलाके की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। वहीं, इस क्षेत्र के मौजूदा पार्षद राममूर्ति सिंह उर्फ छोटू सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने हमेशा अपनी जिम्मेदारी निभाई है और क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाएं भी शुरू की हैं। नाली की सफाई और सुधार के लिए नए नाली का निर्माण किया जा रहा है। ५ वर्ष से चुनाव नहीं हुए हैं। जिसके कारण यह सब समस्या उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोग चाहते हैं कि निगम इस समस्या का जल्द समाधान निकाले ताकि उनकी परेशानी का अंत हो सके और क्षेत्र का विकास हो।

अवैध कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों ने किया थाना पर प्रदर्शन

कतरास (ससे) : बाघमारा अनुमंडल क्षेत्र के तेतुलमारी थाना में अवैध कोयला कारोबार को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। पूर्व मुखिया के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने थाना पहुंचकर अपनी समस्याओं से पुलिस को अवगत कराया। इन ग्रामीणों ने बताया कि अवैध कोयला कारोबार से क्षेत्र के लोग परेशान हैं और उनकी जिंदगी मुश्किल हो गई है। इसके बाद, पुलिस ने घायल युवक से फर्द बयान लेने के लिए अस्पताल भी पहुंची। जहां जख्मी प्रेम कुमार रवानी के फद बयान में पुलिस को बताया गया है कि वेस्ट मोदीडीह चालिस नंबर निवासी, सकलदेव यादव, मधु यादव, शंकर यादव, चुनचुन यादव, रंजीत यादव, नीरज यादव के अलावा अज्ञात आठ के खिलाफ सोने का अंगूठी चेन के अलावा तीन हजार छीनकर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है।

सूत्रों के मुताबिक, गाड़ी स्क्रैच को लेकर विवाद मारपीट में तब्दील हो गया था, इसके बाद अवैध कोयले कारोबार चलाने वाले गुर्गे के द्वारा मारपीट की गई, जिसको लेकर मामला थाना पहुंचा। मौजूद लोगों ने बताया कि गांडुआ उत्क्रमित विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते में कोयले के बोरियां रखी जाती हैं, जिससे बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कतें होती हैं। बच्चों ने अपने अभिभावकों को स्कूल नहीं जाने का अल्टीमेटम भी दे दिया है। इस कारण अभिभावकों में मानसिक तनाव भी बढ़ा हुआ है। इतना ही नहीं, इलाके में स्थित कंपनी के सीआईसी पेच के अंदर रात के समय दर्जनों मोटरसाइकिल सवार लोग २ बजे से लेकर सुबह ५ बजे तक ७०० रुपए की नजरानगी देकर कोयला लेकर निकल जाते हैं। इसके बाद, यह कोयला अन्य कोयला भट्टों में भेज दिया जाता है, जिससे अवैध कारोबार और भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में यह और भी बढ़ सकता है। पुलिस से उन्हें उम्मीद है कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

माँ ही हमारी पहली गुरु होती है : श्रीश्री रविशंकर

धनबाद (कासं) : भारतीय संस्कृति में महिलाओं के सशक्तिकरण के सिद्धांत को लाखों वर्षों से अपनाया गया है। हमारी पौराणिक कथाओं को देखें, तो सभी महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ महिलाओं को दी गई हैं। देवी पुराण और देवी भागवतम में कई निदर्शन मिलते हैं, रक्षा मंत्रालय दुर्गा, वित्त मंत्रालय लक्ष्मी और शिक्षा मंत्रालय सरस्वती को सौंपा गया है। हम अपने देश को 'भारत माता' कहते हैं, दुनिया में कोई अन्य राष्ट्र अपने देश को 'माता' नहीं कहता।

महिलाएँ हमें इस संसार में लाती हैं और हमें जीने की शिक्षा देती हैं। एक माँ ही हमारी पहली गुरु होती है, जो हमें जीवन का पहला पाठ सिखाती है। महिला समाज में कई रूपों में अपनी भूमिका निभाती है, एक पिता के लिए बेटी, भाई के लिए बहन, पुत्र के लिए माता होती है। जब माताएँ अपने बच्चों को डाँटती हैं, तो वे अक्सर ग्लानि महसूस करती करती हैं। आप सोचती हैं, 'मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए' लेकिन यह समझने की आवश्यकता है कि बच्चों को डांटना गलत नहीं है। यह लगभग टीकाकरण की तरह है; यह आपके बच्चों को मजबूत बनाता है। यदि वे घर में कोई डांट नहीं सुनते हैं तो बाहर थोड़ा भी विरोध होने पर बिखर जाते हैं।

आपकी माँ आपकी पहली गुरु होती हैं। महिलाएँ अपने भाइयों, बेटों, पिताओं को सिखाती हैं। इस अर्थ में, हर महिला एक शिक्षक है। आज, कई महिलाएँ स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षक के रूप में काम कर रही हैं क्योंकि उन्हें स्वाभाविक रूप से बच्चों से प्रेम होता है और वे उन्हें संभालना जानती हैं।

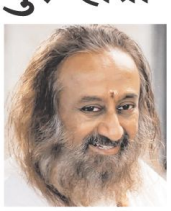

यदि हम महिलाओं की भूमिका को देखें, तो यह कहना कठिन होगा कि वे क्याक्या करती हैं, बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि वे क्या नहीं करतीं। महिलाएँ समाज की रीढ़ होती हैं।

आज महिलाएँ घर, समाज और राष्ट्र की विभिन्न भूमिकाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। लेकिन इन सब के बीच उन्हें अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रखना चाहिए।

अक्सर महिलाएँ अपनी भलाई की उपेक्षा कर देती हैं और अपनी जिम्मेदारियों में इतना खो जाती हैं कि वे स्वयं को ही भूल जाती हैं। इसका सीधा प्रभाव उनकी भावनात्मक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे तनाव, अवसाद का शिकार हो सकती हैं। इसलिए, हर महिला को चाहिए कि वह अपने लिए भी समय निकाले, अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे, और स्वयं को केवल एक जिम्मेदारी निभाने वाली नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और खुशहाल व्यक्ति के रूप में देखे।

महिलाओं को स्वयं में सशक्त महसूस करना चाहिए और कभी भी स्वयं को पीड़ित नहीं समझना चाहिए। जब आप स्वयं को पीड़ित महसूस करती हैं, तो आप अपनी ऊर्जा, उत्साह और शक्ति खो देती हैं और एक संकुचित सोच में बंध जाती हैं। यदि आप स्वयं को अपराधी मानती हैं, तो आप कर्ता होने के अपराध बोध में फंस जाती हैं।

आध्यात्मिक मार्ग वह है, जहाँ आप पीड़ित मानसिकता और अपराधी मानसिकता, दोनों से छुटकारा पा सकती हैं। इसलिए, खुद को दोष देना बंद करें और अपनी प्रशंसा करना शुरू करें, क्योंकि प्रशंसा करना एक ईश्वरीय गुण है। समाज में महिलाओं के हित में कुछ बदलाव लाने की आवश्यकता है लेकिन यह मत सोचें कि मैं एक महिला हूँ, इसलिए मेरे साथ भेदभाव हो रहा है। आप इसे बिना स्वयं को पीड़ित महसूस किए भी कर सकती हैं। यदि आपको ऐसा कहीं अन्याय लगता है और आप खड़ी होती हैं, तो कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आपके पास इतनी शक्ति है कि आप अपने अधिकारों को स्थापित कर सकती हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर बीसीसीएल में कार्यक्रम

धनबाद (ससे) : महिलाओं की मुख्य उपस्थिति एवं गतिविधि संचालन के बीच अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा कोयला नगर स्थित सामुदायिक भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य रूप से बीसीसीएल की महिला कर्मियों, अधिकारी, पदाधिकारी, वरिष्ठपदाधिकारी, निदेशकमंडल सहित ३०० से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजित कार्यक्रम में बीसीसीएल सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत प्रायोजित गतिविधियों के लाभार्थियों ने भी भाग लिया जिसमें मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीच्यूट (एमएसडीआई), बेलगरिया, धनबाद की ५० महिला उद्यमियों सह-लाभार्थियों (फैशन उद्यमी-फैशनप्रेन्योर), मेडिकल उपकरण तकनीकी प्रशिक्षण की ७० लाभार्थियों, डीएवी कोयला नगर, कुसुंडा, अलकुशा, महुदा एवं अन्य स्कूलों की सौ से अधिक छात्राओं के साथ धनबाद के भिन्न संस्थानोंआईएसएम, सीएमआरआई, डीजीएमएस, सीएमपीएफ, सीआईएमएफआर के ५० से अधिक कार्यकारी, गैरकार्यकारी सदस्य प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

मुख्य अतिथि के रूप में सेल दुर्गापुर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुष्मिता रॉय तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर दीक्षा महिला मंडल की पदाधिकारी मिली दत्ता (अध्यक्ष), पूर्बिता रमैया (उपाध्यक्ष) तथा अर्चना अग्रवाल (सचिव) कार्यक्रम में शामिल हुईं।

ज्ञात हो कि कोयला मंत्रालय के दिशानिर्देशन कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा दिसम्बर (२०२४) महीने से ही प्रत्येक माह विषयगत (थिमेटिक) आयोजन किये जा रहे है इसी के तहत चौथी कड़ी में आज के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसकी अध्यक्षता सेंट्रल कोल-फील्ड लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा रांची मुख्यालय से सीएसआर फॉर एम्पॉवरिंग वीमेन ऐज एंट्रेप्रेंयूर्स कार्यक्रम के तहत की गई जिसमें कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव मनप्रीत बरार सहित, कोलइंडिया सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, अनुषंगी कंपनियों के सीएमडी, निदेशक मंडल, वरिष्ठ पदाधिकारी, कर्मी सहित अन्य मौजूद थे रांची में आयोजित मुख्य कार्यक्रम (जिससे बीसीसीएल सहित सभी अनुषंगी कंपनियां जुड़ी हुईं थी) उसकी अध्यक्षता झारखण्ड की 'लेडी टार्जन' के नाम से विख्यात पद्मश्री चामू मुर्मु ने की। रांची से कार्यक्रम के समापन एवं डीलरिंकिंग के पश्चात धनबाद स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम को विधिवत प्रारंभ किया गया। अध्यक्ष सुष्मिता रॉय तथा दीक्षा महिला मंडल की पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्वागत संबोधन निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने की अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्त्री हर रूप में पूज्यनीय है, तथा श्रृष्टि के संचालन का मुख्य केंद्र अतः किसी भी सभ्य समाज की कल्पना महिलाओं के उत्थान एवं प्रगति के बिना नहीं की जा सकती उन्होंने आयोजित विशेष कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों, महिला कर्मियों, स्कूली बच्चियों को अपनी शुभकामनाये दी मुख्य अतिथि सुष्मिता रॉय ने कहा कि महिलाओं को हमेशा खुद पर गर्व करना चाहिए उन्हें हीन भावना से दूर रहते हुए सदैव यह विश्वास रखना चाहिए की उनकी क्षमताएं असीमित है। महिला हमेशा के एमपॉवर्ड है, यह विश्वास सभी महिलाओं में होना चाहिए जिससे वह हर बाधा आसानी से पार कर सकती हैं। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि यदि हम महिलाओं को प्रगति के समान अवसर देंगे, तो पूरा राष्ट्र सशक्त होगा।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम 'एक्सेलरेटेड एक्शंस' है, जो महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की प्रगति एवं उत्थान को गति देने और उनके विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर केंद्रित है। साथ ही, भारत सरकार द्वारा इस वर्ष महिला दिवस को 'नारी शक्ति से विकसित भारत' की थीम के तहत मनाया जा रहा है, जो राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने का संदेश देता है।

बीसीसीएल, जो अपने आदर्श वाक्य 'सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र' को आत्मसात करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए सतत् प्रयासरत है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने संकल्प को और दृढ़ता से दोहराया। संगठन ने अपने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को 'महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर सजग एवं प्रगतिशील' रखते हुए इस विशेष आयोजन की परिकल्पना की।

आयोजित कार्यक्रम की अन्य गतिविधियों में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पोश) पर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बीसीसीएल प्रबंधक डॉ. प्रिया सिंह ने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। प्रबंधक रूपल भार्गव ने एमएसडीआई पर बनी एक शार्ट फिल्म के जरिए बीसीसीएल में चल रहे सीएसआर गतिविधियों की जानकारी दी। विसुअल माध्यम से प्रेषित सफल महिला उद्यमियों की कहानियों ने उपस्थित महिला प्रशिक्षणार्थियों एवं प्रतिभागियों को प्रेरित किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में बीसीसीएल द्वारा संचालित भिन्न सीएसआर गतिविधियों के लाभार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मंच संचालन प्रबंधक संगीता डेका एवं देवान्शी जैन ने किया।

साईं बाबा की निकाली गई पालकी शोभायात्रा

सिंदरी (ससे) : सिंदरी साईं बाबा मंदिर की १७ वीं स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतार लगी हुई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह ५ बजे कांकड़ आरती धार्मिक पूजन अनुष्ठान द्वारा हुआ। ७ बजे महाआरती, हवन पूजन एवं परिक्रमा अनुष्ठान किया गया। लोकसभा सांसद ढुलू महतो, धनबाद एसएसपीपी जनार्दन साईं के चरणों में आशीर्वाद लेने पहुंचे। मंदिर के मुख्य द्वार पर कमिटी के सदस्यों ने उनका स्वागत बुके देकर किया।

मंदिर पुजारी विकाश ठाकुर, सरखेल अमित द्वारा एसएसपी को शॉल ओढ़ाकर एवं वैदिक मंत्रोच्चारण कर मंदिर का महाप्रसाद भोग दिया। १० बजे मंदिर परिसर से भव्य साईं बाबा की पालकी शोभायात्रा निकाली गई। पालकी को कंधा देते हुए एसएसपी पी जनार्दन ने पालकी शोभा यात्रा का शुभारंभ किया। गाजेबाजे एवं साईं के भक्ति गीतों के साथ नगर भ्रमण के लिए निकली पालकी शोभायात्रा में सैकड़ों स्त्रीपुरुष साईं निशान लेकर जयकारे लगाते हुए कतारबद्ध होकर चल रहे थे। शोभायात्रा के समापन के बाद सभी भक्तजनों के बीच खिचड़ी महा प्रसाद भोग वितरण किया गया। कार्यक्रम आयोजकों में वीरेंद्र प्रसाद सिंह, रेणु सिंह, नेहा ठाकुर, हेमा शर्मा, उषा सिंह, रानी सिंह, राखी चावड़ा, डीके सिंह, सतीश सिंह, अशोक सिंह, मृत्युंजय सिंह, राजू पडिय, उमाशंकर सिंह, पवन शर्मा एवं जनप्रतिनिधियों में मुकेश सिंह, दिनेश सिंह, रंजीत कुमार, बृजेश सिंह, विदेशी सिंह के साथ सैकड़ों श्रद्धालु मौके पर मौजूद थे।

ट्रांसपोर्टिंग को अनिश्चितकालीन ठप करेगा असंगठित मजदूर

जोड़ापोखर (ससे) : जीनागोरा लोडिंग प्वाइंट के असंगठित मजदूरों ने शुक्रवार को लोदना महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा कर २५ मार्च से लोदना क्षेत्र की ट्रांसपोर्टिंग व कांटा घर को अनिश्चितकालीन ठप करने की घोषणा की है। कहा कि लगभग एक वर्ष से भी ज्यादा समय से लोग भूखे मरने को विवश है। इस संबंध में हमलोगों ने कई आंदोलन किये एवं प्रबंधक को हमेशा सहयोग दिया, किंतु दुःख के साथ कहना पर रहा है कि आज तक लोडिंग प्वाइंट को चालू कर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे हम अपने परिवारसंग भूखों मरने को विवश है। पत्रांक सं०बी.सी.सी.एल-ना०सा०ति/२०२४/११०३ दिनांक२९.११.२०२४ के माध्यम से अश्वासन दिया गया था कि ३ या ४ दिसम्बर तक लोडिंग प्वाइंट को चालू एवं एमडीओ डी.ओ का वैधता (वेलीटी) की तारीख बढ़ा देंगे। जिससे मजदूरों को कोई दिक्कत नहीं होगी। किंतु प्रबंधक के आश्वासन कोरा साबित हुआ। जिससे परेशान होकर दोबारा मजदूरों ने आंदोलन का नोटिस दिया। नोटिस मिलने पर पुनः प्रबंधक ने दिनांक २७.१२.२०२४ को पत्रांक सं० बी.सी.सी.एल / जीगोको/२०२४/११६५ के माध्यम से मजदूर नेताओं को संतुष्ट किया कि प्रबंधन पुराना डी०ओ० को मंगा कर एवं नये ऑफर दिसम्बर २०२४ का भेजा जायेगा एवं नये डी०ओ० आयेगा जिससे मजदूरों को लगातार काम मिलेगा। प्रबंधन के आंश्वासन पर आंदोलन स्थगित किया गया। परन्तु प्रबंधन दोहरी नीति अपना रहे हैं। मजदूरों ने पत्रांक के द्वारा प्रबन्धन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगें पूरा नहीं हुई तो २५ मार्च से लोदना एरिया १० का पूरा ट्रांसपोर्टिंग और काटा अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया जायेगा।

डिगवाडीह क्लब में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जोड़ापोखर (ससे) : शुक्रवार को टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने डिगवाडीह क्लब में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सुनीता राजोरिया और लक्ष्मी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर दिव्या ठाकुर, मिली सिंह, सोनिया अमन, श्रीपर्णा सामंता और श्वेता मिश्रा (हेड, एडमिनिस्ट्रेशन, झरिया डिवीजन) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सांस्कृतिक एकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक शानदार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें विविध परंपराओं, रीतिरिवाजों और कला रूपों को प्रस्तुत करने और उनका जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

इस विशेष आयोजन में महिला कर्मचारियों ने आकर्षक समूह नृत्य और गीतों की मधुर प्रस्तुति से समा बांध दिया। एक प्रभावशाली नाटक के माध्यम से महिलाओं की दोहरी भूमिकामां और पेशेवर महिलाको जीवंत रूप से दर्शाया गया, जिससे उनके बहुमूल्य योगदान और जीवन में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

इसके अलावा, प्रतिभागियों ने प्रेरणादायक संबोधन के जरिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को रेखांकित किया, महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी भूमिका की सराहना करते हुए सभी को प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम १०० से अधिक महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन लजीज रात्रिभोज के साथ हुआ। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक्सेलरेट एक्शन है।

टाटा स्टील एक विविधतापूर्ण और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारी प्रगति इस दिशा में किए गए सतत और सुनियोजित प्रयासों को दर्शाती है।

हमारा यह सफर २०१५ में मोजेक फ्रेमवर्क की स्थापना के साथ शुरू हुआ, जिसने विविधता, समानता और समावेशन की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तब से, हमने नियुक्ति, विकास, बुनियादी अवसंरचना, संवेदनशीलता और कार्यक्रमों पर केंद्रित कई पहलें लागू की हैं। फ्लेम्स ऑफ़ चेंज, तेजस्विनी और वीमेन माइंस जैसी विशेष अभियानों के माध्यम से हमने पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया है, जिनमें फायरफाइटर, एचईएमएम ऑपरेटर, कोक प्लांट संचालन और खदानों में कार्यरत भूमिकाएं शामिल हैं।

हमने अपने कार्यस्थल को अधिक समावेशी और सहयोगी बनाने के लिए अपनी नीतियों को लगातार सशक्त किया है। इसमें मासिक धर्म अवकाश, विस्तारित मातृत्वसपितृत्व लाभ, घर से काम (वर्कफ्रॉमहोम) जैसी लचीली कार्य व्यवस्थाओं के साथ पांचदिवसीय कार्य सप्ताह की सुविधा शामिल है।

इसके अलावा, हमने सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनों की स्थापना, कामकाजी माताओं के लिए बेहतर सुविधाएं, और सम्पन्न बुनियादी संरचना में सुधार जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

हमारा लक्ष्य एक ऐसा कार्यस्थल बनाना है, जो समाज की विविधता को पूरी तरह दर्शाए और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने, सशक्त होने और अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुंचने का अवसर मिले।

मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा

बेंगलुरु (ईएमएस) : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को राज्य का बजट पेश किया और इस दौरान महत्वपूर्ण घोषणा की कि अब सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों के लिए ४ प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। यह आरक्षण सरकारी विभागों, निगमों और संस्थाओं के तहत १ करोड़ रुपए तक के अनुबंधों में श्रेणी२ बी (जो मुसलमानों को संदर्भित करता है) के तहत होगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह भी बताया कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), श्रेणी१, श्रेणी२ ए और श्रेणी२ बी से संबंधित आपूर्तिकर्ताओं के लिए विभिन्न सरकारी खरीद में आरक्षण प्रदान किया जाएगा। बजट में मुसलमानों के लिए कई प्रावधानों का उल्लेख किया, जिनमें सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए आरक्षण, मुस्लिम लड़कियों के लिए आवासीय कॉलेज, मुस्लिम छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में वृद्धि, और मुस्लिम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए ५० लाख रुपए की राशि शामिल है।

लोहार विकास मंच की बैठक

धनबाद (छासं) : शुक्रवार को निरसा में विजय शर्मा की अध्यक्षता में उनके आवास पर लोहार विकास मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें चिरकुंडाकुमारडुबी टाउनशिप हाल में होने वाली होली सह पारिवारिक मिलन समारोह जो ९ मार्च दिन रविवार को सफल आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

इस मीटिंग में समाज के सदस्य सम्मिलित थे। मुख्य रूप से धनबाद जिला (अध्यक्ष) लकी शर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, अजय

शर्मा, राजेश शर्मा, धनंजय विश्वकर्मा, विजय शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, दयामोय कर्मकार, संजय शर्मा इत्यादि ने भाग लिया।

जेनेरिक दवाओं के कारण परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ : नड्डा

नई दिल्ली (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल ७ मार्च को जन औषधि दिवस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने स्वास्थ्य सेवा को बदलकर रख दिया है। इसका मूल मंत्र सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली किफायती दवाइयां उपलब्ध कराना है। नड्डा ने कहा कि देश भर में १५ हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के साथ, यह योजना रोजना १० लाख लोगों की मदद करती है। जन औषधि केंद्रों पर लोगों को दवाइयां बाजार से ५० से ९० प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं, इससे अब तक ३० हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे अनगिनत परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना में २,०४७ दवाइयां और ३०० सर्जिकल सामान शामिल हैं, जो अलगअलग स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच, सही खरीद प्रक्रिया और मजबूत आपूर्ति व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है, इस पूरे काम को पीएमबीआई संभालती है।

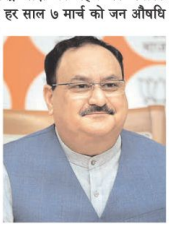

नड्डा ने बताया कि भारत से बाहर भी इसका विस्तार शुरू हो गया है। पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया। २०२७ तक २५ हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किफायती स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने नजदीकी जन औषधि केंद्र पर जाएं, वहां की दवाइयों को आजमाएं और उनकी गुणवत्ता व किफायती कीमत का अनुभव करें।

मथुरा के बरसाना में लड्डूमार होली शुरू

मथुरा (ईएमएस) : मथुरा में होली के त्योहार का आगाज हो चुका है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में थे। यहां उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या के कायाकल्प के बाद अब मथुरा और ब्रज भूमि के विकास का समय आ गया है। योगी ने आश्वासन दिया कि मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, नंदगांव, गोवर्धन और बलदेव सहित ब्रज क्षेत्र में अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज के परिवर्तन के समान तेजी से विकास होगा।

बरसाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्री लाडली जी महाराज मंदिर में दर्शनपूजन किया और फूलों एवं लड्डूमार होली के जरिए रंगोत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार साल से भारत की सनातन संस्कृति को ऊर्जा देने वाली यह ब्रज भूमि श्रद्धा एवं आस्था की धरा है। इसके कणकण में श्री राधा और श्री कृष्ण के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां काशी, अयोध्या और मथुरा, ये तीनों तीर्थ स्थल सनातन एकता का प्रतीक के रूप में मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास की नई परंपरा स्थापित हुई है, जिसका परिणाम हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के रूप में देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जो जितना सनातन धर्म के खिलाफ बोलता था, अफवाह फैलाता था और तर्कहीन बातें करता था, उन्हें सनातन धर्मावलंबियों ने महाकुम्भ के जरिए करारा जवाब दिया है। महाकुम्भ सनातन धर्म का दुर्लभतम क्षण बन गया है।

योगी ने होली को एकता का सूत्र बताते हुए कहा कि होली आपसी सद्भाव और दूरियों को मिटाने का त्योहार है। महाकुम्भ ने जहां दुनिया को एकता का संदेश दिया, वहीं होली इसे और मजबूत करती है। उन्होंने बरसाना की विश्व प्रसिद्ध हुमार होली और लड्डू मार होली का जिक्र करते हुए सनातन धर्म की अद्भुत परंपराओं की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट में ब्रज भूमि के विकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की योजनाओं के साथ बरसाना को विकास से जोड़ा जा रहा है। पहली बार बरसाना में रोपवे की सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ सकुशल सम्पन्न होने के बाद अब फुरसत मिली है। काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्यवासिनी धाम के विकास के उपरांत अब बारी इसी पुण्य भूमि की है। मथुरा, बरसाना, ब्रजभूमि के विकास के लिए कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह होली के अवसर पर श्री राधारानी जी के श्रीचरणों में इसी निवेदन के साथ पहुंचे हैं।

उन्होंने दिल्ली में राम भक्तों की सरकार आने का जिक्र करते हुए यमुना के संरक्षण का वादा दोहराते हुए कहा कि अब यमुना मइया भी गंगा मां की तरह निर्मल और अविरल होंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संतों का सम्मान किया और देशवुनिया से आए लोगों को होली व रंगोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बरसाना ब्रह्मा, नंदगांव शिव और गोवर्धन विष्णु जी का प्रतीक है। यह ब्रज भूमि हर सनातन धर्मावलंबी के लिए आशीर्वाद का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार सुरक्षा, विकास और समृद्धि की गारंटी है, होली के इस पावन अवसर पर ब्रज भूमि के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने इससे पहले श्री लाडली जी महाराज के मंदिर में दर्शन पूजन कर प्रदेश के कल्याण की कामना की।

अडानी ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली (ईएमएस) : अडानी ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने अडानी ग्रुप की धारावी पुनर्विकास परियोजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अडानी ग्रुप के सामने कुछ शर्तें जरूर रखी गई हैं। कोर्ट ने कहा कि अडानी ग्रुप को दिया गया प्रोजेक्ट अदालती आदेशों के अधीन है। सुप्रीम कोर्ट ने सेशेल्स की सेकलिंक ग्रुप की ओर से दाखिल एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। सेकलिंक ग्रुप ने धारावी पुनर्विकास परियोजना का कॉन्ट्रैक्स अडानी ग्रुप को दिए जाने की प्रक्रिया में कथित घोटाले का आरोप लगाया था। ग्रुप का दावा है कि अडानी ग्रुप को यह ठेका देने के लिए शर्तों में बदलाव किया गया।

याचिका में दावा किया गया था कि टेंडर की शर्तों को अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी प्रॉपर्टीज के पक्ष में बदल दिया गया था। सेकलिंक ने दावा किया कि अडानी प्रॉपर्टीज की बोली ५,०६९ करोड़ रुपये की थी, जबकि सेकलिंक की बोली ७,२०० करोड़ रुपये थी और वह बोली को आगे बढ़ाकर ८,६४० करोड़ रुपये करने को तैयार थी, फिर भी उसे ठेके से बाहर कर दिया गया। हालांकि, सेकलिंक ने २०१८ में काफी बड़ी राशि के साथ सबसे ऊंची बोली लगाई थी। ऐसे में कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा कि क्या राज्य सरकार, टेंडर को कैसिल करने की हकदार है और क्या सेकलिंक को बाहर करने के लिए शर्तों में फेरबदल किया गया था।

अडानी ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि धारावी पुनर्विकास का काम पहले ही शुरू हो चुका है। इस पर कोर्ट ने परियोजना को रोकने से इनकार कर दिया, लेकिन अडानी को सभी पेमेंट्स के लिए एक सिंगल एस्क्रो अकाउंट में बनाने को निर्देश दिया, जिसमें सभी इनवॉयसेस शामिल हों। कोर्ट ने कहा कि वह एस्क्रो अकाउंट खोलने का आदेश इसलिए दे रही है, ताकि अगर बाद में अडानी ग्रुप के खिलाफ फैसला आए या परियोजना को अमान्य माना जाए, तो वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया जा सके और अगर जरूरत हो तो उसे रद्द किया जा सके। सेकलिंक ग्रुप ने इस मामले में सबसे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन हाई कोर्ट ने दिसंबर २०२४ में अडानी प्रॉपर्टीज को प्रोजेक्ट दिए जाने के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद सेकलिंग ग्रुप ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

संपादकीय

करने गए समझौता और हो गई तकरार

आखिरकार अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। हालांकि इसके पीछे तर्क दिया गया है कि रोक अस्थायी है और यह समीक्षा करने के लिए लगाई गई है कि इससे रूस-यूक्रेन संघर्ष समाप्त हो पाएगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुरू से दावा करते आ रहे हैं कि वे इस युद्ध को रुकवा कर रहेंगे। इसके लिए उन्होंने यूक्रेन पर नकेल कसने का रास्ता अख्तियार किया। यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद रोकने की मंशा भी जाहिर कर दी थी। यहां तक कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कह दिया कि इस युद्ध में अमेरिका ने उन्हें जितना धन दिया है, वे उसकी वसूली करेंगे। इसके लिए यूक्रेन में खनिज निकालने पर समझौते का प्रस्ताव रखा, जिस पर हस्ताक्षर के लिए जेलेंस्की वाइट हाउस पहुंचे थे। मगर दोनों नेताओं के बीच बातचीत तल्ख बहस में बदल गई और सारी स्थिति पलटती नजर आने लगी। उसके बाद अमेरिका का यह कदम सामने आया है। स्वाभाविक ही, अब यूक्रेन के लिए रूस का सामना करना आसान नहीं होगा। यूक्रेन को सबसे अधिक धन और अत्याधुनिक हथियार अमेरिका से मिल रहे थे। उसी पर रोक लग गई है।

हालांकि ट्रंप के साथ जेलेंस्की की बहस के बाद यूरोपीय देश एकजुट होने लगे। उन्होंने सीधे तौर पर अमेरिका की निंदा नहीं की, पर यूक्रेन के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। मगर यूरोपीय देशों की भी अपनी सीमाएं हैं। उनकी मदद से यूक्रेन के लिए रूस का मुकाबला करना संभव नहीं होगा। यूरोपीय देश खुद आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं, इसलिए वे यूक्रेन की कितनी आर्थिक मदद कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। अभी तक वे जो आर्थिक मदद देते आ रहे हैं, वह कुल मिला कर अमेरिकी मदद की तुलना में आधे से भी कम है।

फिर, यूरोपीय देशों के पास ऐसे अत्याधुनिक हथियार नहीं हैं, जैसे अमेरिका के पास हैं, जो रूस का मुकाबला कर सकें। जो हथियार उनके पास हैं भी, उनमें से ज्यादातर के संचालन की तकनीक अमेरिका की उपलब्ध कराई हुई है। इस तरह अमेरिका उन्हें नियंत्रित कर सकता है। पर, असल चिंता की बात यह होगी कि यूरोपीय देश अमेरिका के खिलाफ कब तक खड़े रह सकते हैं। इसलिए यूक्रेन पर अमेरिका की शर्तें मानने का दबाव बढ़ गया है। पर डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी अपने इस कदम पर देर तक कायम रह पाना शायद संभव न हो, क्योंकि इसके खिलाफ अमेरिका में विरोध के स्वर उभरने लगे हैं।

अमेरिका सदा से लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा की दुहाई देता रहा है। इसके लिए वह कई देशों में अपने सैनिक भी उतारता रहा है। मगर ट्रंप ने इसके ठीक उलट कदम उठाया है। यह छिपी बात नहीं है कि यूक्रेन अपनी आजादी की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। रूस अपनी जिद के आगे उसे घुटने टेकने पर मजबूर करना चाहता है।

उसने खुल कर मानवाधिकारों का हनन किया है। ऐसे में ट्रंप ने अगर रूस से हाथ मिला लिया है और यूक्रेन के साथ लगभग वही व्यवहार कर रहे हैं, जो रूस करता आ रहा है, तो अमेरिकी नागरिक इस कदम को उचित नहीं ठहरा सकते। वैसे ही वहां ट्रंप के अनेक फैसलों को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसलिए रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते के तरीके पर शायद उन्हें पुनर्विचार करना पड़े।

केंद्र सरकार से बेवजह टकराव कर रहे मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। हिंदी भाषा को लेकर उनकी टिप्पणियां भी विवादित रही हैं। साफ है कि वे इन दोनों ही मुद्दों पर दक्षिणी राज्यों को एक पाले में करने की राजनीति कर रहे हैं, जिसे देश के संघीय ढांचे के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता। परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य चिंतित हैं, लेकिन तमिलनाडु अत्यधिक मुखर है। स्टालिन चाहते हैं कि वर्ष 1971 की जनगणना को 2026 से तीस वर्षों के लिए लोकसभा सीट के परिसीमन का आधार बनाया जाए। मगर उन्हें समझना चाहिए कि परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है। अब तक तीन बार हुए परिसीमन में राज्यों में आबादी के हिसाब से न्यायसंगत रूप से सीटों की संख्या निर्धारित हुई। दरअसल, अगले साल तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव है। यही वजह है कि क्षेत्रीय भावनाएं सुलगाने की मुहिम में स्टालिन जुटे हुए हैं। स्टालिन ने हाल में नवयुगलों को जल्दी परिवार की योजना बनाने का सुझाव दिया और इसे परिसीमन के मुद्दे से जोड़ दिया। जहां तक भाषा का सवाल है, तमिलनाडु में शुरू से तीन भाषा नीति का विरोध होता रहा है। तीन भाषा नीति का हालिया विरोध ऐसे वक्त में हो रहा है, जब दक्षिण के राज्य परिसीमन को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि परिसीमन होने पर लोकसभा में दक्षिण के राज्यों की सीटें कम हो सकती हैं, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर हो जाएगी। ऐसे में परिसीमन और हिंदी का विरोध एक साथ चल रहा है और दोनों एक-दूसरे को मजबूती दे रहे हैं। दरअसल, परिसीमन के बाद लोकसभा और विधानसभा की सीटों में बदलाव होगा। जनसंख्या के लिहाज से उत्तर भारत का पलड़ा भारी है। दक्षिण भारत के राज्यों को यही डर है कि जनसंख्या नियंत्रण पर बेहतर काम का उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। क्षेत्रीयता को हवा देना स्टालिन को राजनीति की आसान डगर लग सकती है, लेकिन इससे देश के संघीय ढांचे के बारे में सोचना चाहिए और इस मुद्दे पर केंद्र से बातचीत के जरिए राह निकालने की कोशिश करनी चाहिए।

आज का कार्टून

नीतीश कुमार की वजह से सीएम बने थे लालू यादव: केंद्रीय मंत्री

जंगलराज के नाम पर आठ बार मुख्यमंत्री बने आज पता चला वो आपकी वजह से था!

अब चार धाम यात्रा की तैयारी कीजिए...

उत्तरांचल सरकार को देखना है कि वह आने वाले चार धाम यात्रा के श्रद्धालुओं को कैसे संभालती है। अभी उसके पास यात्रा की तैयारी के लिए दो माह का समय है। मेरठ-पौड़ी नेशनल हाई-वे को फोर लेन करने का काम जारी है। उम्मीद है कि यात्रा की शुरूआत हरिद्वार और ऋषिकेश से कर उसकी वापसी पौड़ी मार्ग से होगी। ऐसा है तो उसे इस मार्ग का तैयार कराने के लिए केंद्र को अभी से दबाव देना होगा। राम मंदिर पारण प्रतिष्ठा के बाद देशवासी जिस तरह अपने तीर्थों की ओर दौड़ रहे हैं, उम्मीद है ऐसे ही श्रद्धालु चार धाम यात्रा में उमड़ेंगे। वे चार धाम यात्रा के लिए सरकारी साधन बस, ट्रेन और विमानों से आएंगे तो भारी तादाट में श्रद्धालु अपने वाहन और टैक्सियों से आएंगे। इन वाहनों कार, टैक्सियों और बसों को उत्तरांचल कैसे संभालेगा, उसे देखना है। प्रयागराज से तो इसलिए सब कुछ हो गया कि वहां आयोजन प्लेन में था। उत्तरांचल में तो सब कुछ पहाड़ों में है। वहां तो पार्किंग भी प्राय सड़क किनारे ही होती है। इस सब का प्रबंध कैसे हो, इसकी व्यवस्था अभी से बनानी होगी।

अशोक मधुप

कुंभ यात्रा लगभग बीत गई। इसके बाद 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा शुरू हो जाएगी। श्रद्धालुओं का जो काफिला कुंभ में दिखाई दिया, ऐसा ही कमोबेश चार धाम यात्रा में नजर आने की आशा है। कुंभ के सफल आयोजन की जिम्मेदारी जहां उत्तर प्रदेश सरकार और वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की थी। ऐसी ही जिम्मेदारी चार धाम यात्रा में उत्तरांचल की सरकार और यहां के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की होगी। पुष्कर सिंह धामी इस श्रद्धालुओं के रेले को किस तरह नियंत्रित करते हैं। इस यात्रा की किस तरह तैयारी करते है। इसकी योग्यता उन्हें प्रदर्शित करने का अवसर आ रहा है। हालांकि उत्तरांचल में भाजपा की सरकार है। केंद्र उन्हें इस आयोजन में पूरी मदद करेगा, हर संभव मदद करेगा, किंतु श्रद्धालुओं के रेले को तो उत्तरांचल सरकार को ही संभालना होगा। 26 फरवरी को महाकुंभ का अंतिम स्नान था। शिवरात्रि तक 66 करोड़ 21 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके। अभी ये चलेगा। एक तरह से फरवरी के बाद भी कुछ समय ये चलेगा। आयोजन की समाप्ति तक एक अनुमान के अनुसार कुंभ स्नान करने वालों की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी।

देश में दशकों के बाद सनातन ने करवट ली है। वह अपने आस्था स्थलों की ओर बेतहाशा दौड़ रहा है। राम मंदिर के निर्मित होते ही सनातन का ऐसा उदय हुआ जैसा कभी 1000 वर्ष पहले हुआ करता होगा। कुंभ आने का प्रचार पहली बार भारत से बाहर निकल दुनिया के तमाम देशों के टीवी चैनल्स तक पहुंच गया। अनेक देशों की सरकारों को निमंत्रण पत्र देने भारत के राजदूत गए। परिणाम स्वरूप, 60 करोड़ 21 लाख श्रद्धालु शिवरात्रि तक कुंभ स्नान चुके हैं। काशी-अयोध्या-चित्रकूट में जगह खाली नहीं थी। लोगों का जिस तरह प्रयागराज जाना लगातार चल रहा है उसे देखते हुए साफ हो जाता है कि कुंभ समापन तक 70 करोड़ श्रद्धालु संगम की डुबकी लगा चुके होंगे। इस रिकॉर्ड की मिसाल पूरी दुनिया में कभी नहीं मिलेगी।

ये महाकुंभ मार्च के प्रारंभ में समाप्त हो जाएगा। इसके बाद शुरू होगी चारधाम यात्रा। चार धाम यात्रा के दो धाम यमुनोत्री और गंगोत्री के पवित्र द्वार तीर्थयात्रियों के लिए अक्षय तृतीया के पवित्र दिन अर्थात 30 अप्रेल को खुलेंगे। यमुनोत्री और गंगोत्री के खुलने के कुछ ही दिनों बाद, मई के तीसरे या चौथे सप्ताह से अन्य दो मंदिर, केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थयात्रियों से भर जाएंगे। जबकि, श्रद्धालु विजय दशमी के शुभ दिन बद्रीनाथ धाम को विदा करते हैं, उसके बाद दीपों के त्योहार दिवाली पर गंगोत्री धाम को बंद कर दिया जाता है और केदारनाथ और यमुनोत्री धाम एक साथ यम द्वितीया/भाई दूज पर बंद कर दिए जाते हैं। चूंकि चारधाम यात्रा घड़ी की सुई की दिशा में चलती है, इसलिए पवित्र यात्रा यमुनोत्री से शुरू होती है। उसके बाद क्रमशः गंगोत्री और केदारनाथ से गुजरते हुए चार धाम की पवित्र यात्रा बद्रीनाथ पंहुचती है।

इसमें को शक नहीं कि कुंभ यात्रियों का ये रेला, सनातन धर्म के श्रद्धालु दो माह मार्च और अप्रैल आराम करके अब चार धाम यात्रा की ओर निकलेंगे। उत्तरखंड वासियों के लिए अतिथि भगवान होता है लेकिन यहां ये कुंभ जैसी भीड़ आई को कैसे संभालेगा, ये समय बताएगा। ये उत्तरांचल के बडी चुनौती होगा। श्रद्धालुओं को मुसीबत झेलनी पड़ सकती है। आज भी गर्मी के मौसम में कुछ साल से पहाड़ पूरी तरह पैक हो जाते हैं। लोगों को यहां न होटल में जगह मिलती है, न वाहन पार्किंग की व्यवस्था। यहां का भूगोल, मौसम और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी कई मोर्चे पर चुनौती पेश करती है। 2013 की केदारनाथ की दारुण आपदा को दुनिया देख-सुन चुकी हैं। इस बार उत्तराखंड सरकार और शासन को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। चारधाम की यात्रा सबके लिए सुरक्षित और सुखद रहे,ये सरकार की जिम्मेदारी और भीड़ प्रबंधन पर निर्भर करता है।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से शुरू हुआ कुंभ से उपजा सनातन का जोश और आस्था आजकल हिंदू समाज में हिलोरे ले रही है। कुंभ यात्रा के बावजूद इस बार शिवरात्रि पर कांवड़ियों की संख्या पर प्रभाव नहीं पड़ा। कुछ ज्यादा ही रहे। कांवड़ लाने वालों में इस बार महिलाएं और युवती भी ज्यादा नजर आई। कांवड़ सेवा शिविर भी पहले से काफी ज्यादा नजर आए। कांवड यात्रा के प्रत्येक सौ कदम पर अबकि बार शिविर लगे थे। उनमें स्त्री-पुरूष मिलकर सेवा कर रहे थे। कांवड यात्रा के मार्ग पर लोग कारों में फल और बिसलरी की पानी की बोलते भरे खड़े थे। वे आने वाले कांवड़ियों को फल और पानी की बोतल बांट रहे थे। लेखक का जनपद हरिद्वार से सटा है। यहां डाक कांवड़ और कलश की बहंगी में जल लाने का प्रचलन नही है, किंतु इस बार डाक कांवड काफी संख्या में दिखाई दी। कुंभ यात्रा और कांवड यात्रा का यह सनातन का रेला आने वाली चार धाम यात्रा में भी दीखने की पूरी उम्मीद है।

उत्तरांचल सरकार को देखना है कि वह आने वाले चार धाम यात्रा के श्रद्धालुओं को कैसे संभालती है। अभी उसके पास यात्रा की तैयारी के लिए दो माह का समय है। मेरठ-पौड़ी नेशनल हाई-वे को फोर लेन करने का काम जारी है। उम्मीद है कि यात्रा की शुरूआत हरिद्वार और ऋषिकेश से कर उसकी वापसी पौड़ी मार्ग से होगी। ऐसा है तो उसे इस मार्ग का तैयार कराने के लिए केंद्र को अभी से दबाव देना होगा। राम मंदिर पारण प्रतिष्ठा के बाद देशवासी जिस तरह अपने तीर्थों की ओर दौड़ रहे हैं, उम्मीद है ऐसे ही श्रद्धालु चार धाम यात्रा में उमड़ेंगे। वे चार धाम यात्रा के लिए सरकारी साधन बस, ट्रेन और विमानों से आएंगे तो भारी तादाद में श्रद्धालु अपने वाहन और टैक्सियों से आएंगे। इन वाहनों कार, टैक्सियों और बसों को उत्तरांचल कैसे संभालेगा, उसे देखना है। प्रयागराज से तो इसलिए सब कुछ हो गया कि वहां आयोजन प्लेन में था। उत्तरांचल में तो सब कुछ पहाड़ों में है। वहां तो पार्किंग भी प्राय सड़क किनारे ही होती है। इस सब का प्रबंध कैसे हो, इसकी व्यवस्था अभी से बनानी होगी।

दरअसल पिछले कुछ सालों देश में संपन्नता बढ़ी है। अब पंजाब, हरियाणा और दिल्ली एनसीआर के युवक रविवार और शनिवार का अवकाश देख शुक्रवार को शाम पिकनिक के लिए पहाड़ की ओर निकल जाते हैं। इसलिए पिछले कुछ साल में इन अवकाश के दिनों विशेषकर गर्मियों के मौसम में उत्तरांचल के होटल पूरी तरह भरे होते हैं। सड़कों पर वाहनों का रेला होता है। पहाडों के होटल भरे होने और सड़कें पर जाम की खबर अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं। ये ही गर्मी का मौसम चार धाम यात्रा का है। ऐसे में उत्तरांचल सरकार को प्रयास करना होगा कि ये सैलानी चार धाम यात्रा के स्थल गढ़वाल न आए। उन्हें कुमायूं और अन्य पर्वतीय प्रदेशों की ओर भेजना होगा। इसके लिए अभी से प्रचार करना होगा। जनता को जागरूक करना होगा और माहौल बनाना होगा।

अभी चार धाम यात्रा में दो माह का समय है। इसी समय में उत्तरांचल सरकार को तैयारी करनी है। भीड़ नियंत्रण का प्लान बनाना है। यात्रा के श्रद्धालु और उनके वाहन के पार्किंग की अभी से प्लानिंग करनी होगी। ये दो माह उसके लिए युद्धस्तर पर कार्य करने और व्यवस्था बनाने के लिए हैं। कुंभ यात्री के दौरान दिल्ली में हुए हादसे से रेलवे को सीख लेनी होगी। उसे भी बड़ी प्लानिंग करनी होगी।

हर बाधा के बावजूद आगे बढ़ते रहना है जीवन का नियम

जीवन एक बहती नदी की तरह है, जो अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए अनगिनत मोड़ों से गुजरती है। कभी धाराएं तेज हो जाती हैं, कभी रास्ते में चट्टान आ जाती है, लेकिन नदी कभी रुकती नहीं। वह अपनी धारा में आने वाली हर रुकावट को पार कर आगे बढ़ती रहती है, क्योंकि उसका अस्तित्व ही प्रवाह में है। इसी तरह, जीवन में भी अनेक अवरोध आते हैं। कभी परिस्थितियां कठिन होती हैं, तो कभी लक्ष्य दूर नजर आता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर व्यक्ति अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करता रहता है।

मुनीष भाटिया

कभी हालात के खिलाफ लड़ाई होती है, तो कभी समाज की बंदिशों से जूझना पड़ता है। यह सच है कि जीवनपर्यंत आपाधापी में अपने अस्तित्व को कायम रखना किसी चुनौती से कम नहीं, क्योंकि यहां हर कदम पर पर्वत से रास्ता बनाना पड़ता है।

कई बार जीवन में ऐसी परिस्थितियां आती हैं, जब सब कुछ हमारे खिलाफ लगता है। लेकिन जो व्यक्ति ठहराव को स्वीकार करने के बजाय आगे बढ़ने का संकल्प लेता है, वही सच्ची सफलता का अधिकारी बनता है। जब कोई बीज धरती में गिरता है, तो उसे अंधकार, मिट्टी और दबाव को सहन करना पड़ता है, लेकिन वह हार नहीं मानता। अपनी पूरी ताकत से वह मिट्टी को चीरकर ऊपर आता है और सूर्य की रोशनी को अपनाता है। यही जीवन का नियम है- हर बाधा के बावजूद आगे बढ़ते रहना। कई बार परिस्थितियां इतनी विकट हो जाती हैं कि आगे बढ़ने का हौसला टूटने लगता है। समाज की अपेक्षा, आर्थिक परेशानियां, रिश्तों में आई दरारें- यह सब मिलकर व्यक्ति को तोड़ने का प्रयास करती हैं। लेकिन जो इंसान अपने सपनों को जीवित रखता है, वही इन अवरोधों को पार कर आगे बढ़ता है। जीवन में आने वाले अवरोध कभी व्यक्तिगत होते हैं,

कभी आर्थिक तंगी के रूप में सामने आते हैं, तो कभी समाज की मान्यताएं हमारी राह को कठिन बना देती हैं। कई बार हमारी अपनी ही नकारात्मक सोच और असफलता का भय हमें आगे बढ़ने से रोकते हैं। इसके अलावा, आलस्य और टालमटोल की प्रवृत्ति भी जीवन के विकास को बाधित करती है। विपरीत परिस्थितियां कभी न कभी सभी के जीवन में आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति उसका सामना करने के लिए तैयार रहता है, वह सफल होता है, लेकिन जो व्यक्ति ठहराव को स्वीकार करने के बजाय आगे बढ़ने का संकल्प लेता है, वही सच्ची सफलता का अधिकारी बनता है।

अब्दुल कलाम एक साधारण परिवार में जन्मे, आर्थिक कठिनाइयों से घिरे होने के बावजूद उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की और अपनी मेहनत व लगन से भारत के 'मिसाइल मैन' बन गए। अगर वे अपने संघर्षों से हार मान लेते, तो शायद वे अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते। उनका जीवन यह दिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अगर संकल्प मजबूत हो तो कुछ भी असंभव नहीं।

जीवन में आने वाली चुनौतियां कोई रुकावट नहीं, बल्कि सीखने और निखारने का अवसर होती हैं। कई बार परिस्थितियां विपरीत होती हैं, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति हर कठिनाई को पार करने में सहायक होती है। असफलता का भय, नकारात्मक सोच और टालमटोल जैसी बाधाएं अक्सर राह में दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं, पर जब संकल्प अडिग हो, तो कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। आत्मविश्वास के साथ किए गए प्रयास सफलता की नींव रखते हैं। जब हम अपने भीतर 'मैं कर सकता हूं' का भाव जागृत करते हैं, तो कठिनाइयां भी आसान लगने लगती हैं।

लगातार प्रयास करना सफलता की कुंजी है, क्योंकि जो लोग अपने सपनों के लिए मेहनत करने से नहीं घबराते, वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं। इसके अलावा, सीखने की आदत डालना भी बेहद आवश्यक है। हर चुनौती से कुछ नया सीखने की प्रवृत्ति हमें और अधिक मजबूत बनाती है। गलतियों और असफलताओं से घबराने के बजाय उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाना चाहिए। सही सोच, अनुशासन और निरंतर प्रयास जीवन को एक नई दिशा देने में सक्षम होते हैं। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने इन बाधाओं को पार किया, वे ही दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सके।

दरअसल, कई बार पहली बार की कोशिश में जब असफलता हाथ लगती है, तब व्यक्ति निराश हो जाता है। जबकि उसे अपनी असफलता को मंजिल पर पहुंचने की पहली सीढ़ी मानना चाहिए। बिना सीढ़ियों का सफर किए सीधे छत पर नहीं जाया जा सकता और यही ठीक भी होता है। अचानक मिली उड़ान कुछ सुविधाएं दे सकती हैं, मगर जीवन-तत्त्व मिलना एक प्रक्रिया का ही हासिल हो सकता है। असफलताएं अंत नहीं होतीं, बल्कि वे आगे बढ़ने का संकेत होती हैं।

हर समस्या का समाधान होता है, बस सही दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सकारात्मक सोच अपनाने से रास्ते खुद-ब-खुद खुलने लगते हैं। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ता है, वही जीवन में सच्ची ऊंचाइयों को छूता है। धैर्य और आत्मसंयम के साथ किया गया हर प्रयास एक दिन सफलता की ओर ले जाता है। निरंतरता और समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहना ही जीवन का असली मंत्र है। चुनौतियों से डरने के बजाय उन्हें स्वीकार कर लेना चाहिए, क्योंकि यही अवरोध आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

अवमानना वाद व अन्य न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार आज दिनांक ०७ मार्च, २०२५ दिन गुरुवार को निदेशक डीपीएलआर मेनका की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अवमानना वाद एवं अन्य न्यायालयों में लंबित वादों की समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। मौके पर अपर समाहर्ता, मो मुमताज अंसारी, सहित अन्य उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई, जिसमें केटेंप अवमाननवाद याचिकाओं पर विचार विमर्श किया गया। मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक, जियाडा, सामान्य शाखा स्थापना शाखा, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक से संबंधित वाद पर चर्चा किया गया और शेष जिसमें एक सप्ताह के अंदर पुनः दायर करें। साथ ही सभी को निर्देश दिया गया।

बैठक में निदेशक, डीपीएलआर मेनका ने क्रमवार उच्च न्यायालय, झारखंड रांची में जिले के विभिन्न विभाग व पदाधिकारी से संबंधित लंबित वादों की जानकारी लिया तथा विभागवार सभी मामलों के अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा किया गया, संबंधित पदाधिकारियों को वादों से संबंधित तथ्य विवरणी विभाग द्वारा कार्यालय को ससमय समर्पित करने का निर्देश दिया। इसमें किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

वहीं अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी ने संबंधित अंचल अधिकारियों व अन्य पदाधिकारियों को तथ्य विवरणी में संबंधित एनेक्सचर का उल्लेख स्पष्ट रूप से करने का निर्देश दिया।

निदेशक, डीपीएलआर मेनका ने विभागवार कुल ११८ लंबित मामलों की प्रगति का समीक्षा किया। इसमें पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संबंधित ०५ मामले, वन प्रमंडल पदाधिकारी कार्यालय से संबंधित ०४, उप विकास आयुक्त सह सीईओ जिला परिषद से संबंधित एक, अपर समाहर्ता बोकारो से संबंधित ०१, क्षेत्रीय निदेशक जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र से ०१, अनुमंडल पदाधिकारी चास से संबंधित ०१, भूमि सुधार उपसमाहर्ता चास से संबंधित ०१, निदेशक परियोजना भूमि एवं पुनर्वास से संबंधित ०२, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम से संबंधित ०२, जिला भू अर्जन पदाधिकारी से संबंधित ०८, विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी से संबंधित ०२, स्थापना उप समाहर्ता से संबंधित ०४, जिला आपूर्ति पदाधिकारी से संबंधित ०१, जिला परिवहन पदाधिकारी से संबंधित ०२, जिला सामान्य शाखा से संबंधित १०, जिला शिक्षा पदाधिकारी से संबंधित ०२, जिला शिक्षा अधीक्षक बोकारो से संबंधित १६, चास बीडीओ से संबंधित ०१, चास सीओ से संबंधित १५, चंदनकियारी सीओ से संबंधित ०५, जरीडीह सीओ से संबंधित ०१ मामले की समीक्षा हुई। इसके अलावा कसमार सीओ से संबंधित ०५, बेरमो सीओ से संबंधित ०३, पेटरवार सीओ से संबंधित ०३ मामले, नावाडीह सीओ से संबंधित ०२, चंद्रपुरा सीओ से संबंधित ०३, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो से संबंधित ०५, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बोकारो से संबंधित ०१, कार्यपालक अभियंता, जिला जल एवं स्वच्छता समिति चास बोकारो से संबंधित ०१, जिला खनन पदाधिकारी से संबंधित ०६, जिला सहकारिता पदाधिकारी बोकारो से संबंधित ०१, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी चंदनकियारी से संबंधित ०२ मामले, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चास से संबंधित ०१ मामले शामिल थे।

समीक्षा बैठक में जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

वाहन का बीमा व रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है : डीटीओ

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार ७ मार्च को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में सभी गैर सरकारी स्कूल प्रशासनिक अधिकारियों के बैठक किया गया।

बैठक में डीटीओ वंदना सेजवलकर ने सभी स्कूल प्रबंधक को स्कूल बस की सेफ्टी एवं यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित वाहन चलाने, ओवरलोड और वाहनों के कागजात सही तरीके से रखने का सख्त निर्देश दिया। बैठक के दौरान जो अनुपस्थित स्कूल प्रबन्धक नहीं आ पाए उन्हें स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर ने बताया कि वाहन चलाने के लिए लाइसेंस होना आवश्यक है। जब तक लाइसेंस नहीं बन जाता है तब तक वाहन नहीं चलना चाहिए। साथ ही वाहन का बीमा एवं रजिस्ट्रेशन होना भी आवश्यक है। उन्होंने आगे बताया कि वाहन चालक को रोड साइन एवं रोड मार्किंग का ज्ञान होना भी आवश्यक है।

जैसे दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने से दुर्घटना में मृत्यु की संभावना कम रहती है। इसी प्रकार चौपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना भी आवश्यक है।

पूर्व सांसद के पौत्र ने आईटी कंपनी के ऑफिस में चलाई गोली

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आईटी कंपनी के ऑफिस में गुरुवार रात पूर्व सांसद के पौत्र ने हंगामा किया। नशे में धुत आरोपी ने फायरिंग की और एक कर्मचारी के सिर पर बंदूक की बट मारकर घायल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

गोमतीनगर के विपुलखंड में आईटी कंपनी वैष्णवी इंटरप्राइसेज का ऑफिस है। गुरुवार नशे में धुत विवेक भदौरिया ऑफिस में पहुंचा और कर्मचारियों से मारपीट करने लगा। विरोध करने पर फायरिंग कर दी। इस दौरान विरोध करने पर कर्मचारी अंतेश श्रीवास्तव के सिर पर पिस्टल की बट मार दी।

सदन में फफक-फफक कर रोने लगीं जेडीयू एमएलसी रीना यादव

पटना (एजेंसी): जेडीयू एमएलसी रीना यादव आज सदन में भावुक हो गईं. दरअसल, बिहार विधान परिषद सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि महिला दिवस के मौके पर सदन की महिलाओं को खास तौर पर बोलने का मौका मिलना चाहिए. जिसके बाद जेडीयू एमएलसी रीना यादव महिलाओं के लिए सीएम नीतीश कुमार के द्वारा किए गए कामों को सदन में बतानी लगीं. इसी दौरान रीना यादव ने जब बोलना शुरू किया, तो तो आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने उन्हें चापलूस कह दिया. जिसके बाद रीना यादव बोलते-बोलते ही भावुक हो गईं.

इसको लेकर मीडिया से बातचीत में जेडीयू एमएलसी ने कहा कि 'आज जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब हमारे सभापति ने कहा कि महिला दिवस के मौके पर महिलाओं को बोलने का मौका मिलना चाहिए. इसी क्रम में महिलाओं की सूची में मेरा भी प्रश्न आया'.

इसके आगे रीना देवी ने कहा कि 'हमने महिला दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शुभकामनाएं दी. महिलाओं के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बहुत सारे काम किए हैं, पूरा देश जानता है कि पंचायत में जिस तरीके से ५०% आरक्षण दिया है. शिक्षक बहाली में भी ५०% आरक्षण दिया. रोजगार में ३५% का आरक्षण दिया. पुलिस की बहालियों में आरक्षण दिया गया. बहुत सारी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है'.

इतना ही नहीं इसके आगे मीडिया से बातचीत में जेडीयू एमएलसी रीना यादव ने कहा- 'यह पूरा देश देख रहा है पहले महिलाओं का क्या हाल था. सब कोई जानता है घरों से बाहर नहीं निकाल पाते थे, महिला अब आराम से बाहर निकलती है. रोजगार करती है, नौकरियां करती हैं. रात में १२:०० बजे १:०० बजे घर पहुंचती हैं. कोई परेशानी नहीं होती है'. इसके बाद उन्होंने सदन में भावुक होने को लेकर कहा- 'मैं सदन में इसलिए भावुक हो गई, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए अपनी संवेदना, अपनी बातें रख रही थी. तभी विपक्ष के नेता को ये बातें अच्छी नहीं लग रही थी. उनको यह बातें चापलूसी लग रही थी, उन्होंने इसका मजाक उड़ाया. मैंने उन लम्हों को देखा है, जब १९९५ में मैट्रिक में एग्जाम पास किया था, तब हमारे पिताजी ने हमारी पढ़ाई को रुकवा दिया था. घर से निकलना अच्छी बात नहीं है, ज्यादा दूर बेटियों को पढ़ने नहीं भेज सकते हैं, क्योंकि उसे समय माहौल ठीक नहीं था'.

रीना यादव आगे कहा कि 'जब मैं स्कूल जाती थी तो लड़कियों की झुंड में जाया करती थी, ताकि हम लोग सुरक्षित रह सकें. कोई हम पर कमेंट ना करें, इसलिए हम लोग साथ मिलकर चला करते थे. विपक्ष के नेताओं द्वारा इस तरीके का बयान देने से मुझे चोट पहुंची इसलिए मैं भावुक हो गई'.

नाबालिग से गैंगरेप पुलिस ने 2 को दबोचा

पटना (एजेंसी): बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. मनियारी थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग छात्रा के साथ आधा दर्जन युवकों ने गैंगरेप किया. यह घटना १ मार्च की रात को हुई थी, लेकिन पीड़िता और उसके परिवार ने इसकी शिकायत पुलिस को ६ मार्च को दी.

पीड़िता ने बताया कि उसकी मां उस दिन डॉक्टर के पास गई थी और वह घर पर अकेली थी. इसी दौरान गांव का एक युवक, जिससे उसकी पहले से बातचीत होती थी, उसे बहाने से खेत में ले गया. वहां पांच अन्य युवक भी आ गए और सभी ने मिलकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया. पीड़िता के अनुसार, इन युवकों ने न सिर्फ उसके साथ जबरदस्ती की, बल्कि इस घटना का वीडियो भी बनाया. घटना के बाद कई दिनों तक गांव में इसे पंचायत के जरिए सुलझाने की कोशिश हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला.

पेंटीकॉस्टल असेंबली स्कूल ने किया नवागंतुकों का स्वागत

बोकारो (ससे): दी पेंटीकॉस्टल असेंबली स्कूल में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को संस्थान की संरचना, नियमों, पाठ्यक्रम एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराना था ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक निदेशक रेवरेंड डॉ. डी.एन प्रसाद एवं शैक्षणिक अधिकारी श्रीमती रीता प्रसाद द्वारा ईश्वर स्तुति के साथ हुई । तत्पश्चात विद्यालय की माननीय प्राधानाचार्या डॉ. करुणा प्रसाद ने सभागार में उपस्थित अभिभावकों एवं नवागंतुको का स्वागत करते हुए विद्यालय की ३५ वर्षों की प्रगतिशील शिक्षा पद्धति को साझा किया, साथ ही उन्होंने अभिभावकगणों के साथ सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं का परिचय कराते हुए, संबंधित विषयों की जानकारी दी ।

मंच पर नन्हे नन्हे बच्चों के साथ शिक्षिकाओं ने प्रार्थना-गान गया । अभिभावकों को विद्यालय के इतिहास से रूबरू कराते हुए शिक्षा पद्धति की झलक दिखाई गई। इसके बाद अभिभावकों एवं छात्रों को पाठ्यक्रम, परीक्षा-प्रणाली, रचनात्मक गतिविधियां, प्रतियोगिताओं, पुरस्कारों एवं अन्य गतिविधियों से अवगत कराया गया। कक्षा पंचम के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति से सभागार को रोचक बना दिये ।

नवागंतुको को उनकी कक्षाओं में ले जाया गया, जहां उन्होंने शिक्षिकाओं के निरीक्षण में कई रचनात्मक क्रियाएं की । बच्चों को रीडिंग रूम, ए.वी रूम, प्ले रूम, मैथ्स लैब, फिजिक्स लैब, केमिस्ट्री लैब, ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, प्लेग्राउंड आदि स्थान की सैर कराते हुए उनके कक्षा संबंधित शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं से परिचय कराया गया।

इस अवसर पर अभिभावकों के ढेरों प्रश्नों के उत्तर, शिक्षकों द्वारा देकर उनकी जिज्ञासा को संतुष्ट किया गया । अभिभावकों एवं नवागंतुकों के चेहरों की खुशी व उत्साह से पूरे भवन में उमंग भर गई। बच्चों ने विद्यालय के पार्क में झूला, सिसो, मिकी माउस, मेरी गो राउंड इत्यादि पर खेल कर बहुत खुश हुए। अपने बच्चों के चेहरे पर खुशी देखकर अभिभावक भी बहुत प्रसन्न दिखाई दे रहे थे। नई - नई चीजों को देखकर बच्चों में उत्साह भरा था। सेल्फी पॉइंट पर जाकर बच्चों ने हंसते हुए अपनी तस्वीरें खिंचवाई। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों का सकारात्मक नजरिया देखने को मिला।

पूरा विद्यालय परिषद बच्चों की किलकारियों से गूंज रहा था। नए छात्रों ने इस कार्यक्रम को बहुत ही लाभकारी बताया। उन्हें संस्थान की समग्र व्यवस्था को समझने का अवसर मिला और वे अपने नए सफर के लिए उत्साहित महसूस कर रहे थे। विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी श्री माइकल डेनियल प्रसाद के कुशल नेतृत्व में संपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

मोतिहारी में सेना का शौर्य वेदनम मेला

मोतिहारी (एजेंसी): मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भारतीय सेना द्वारा आयोजित शौर्य वेदनम कार्यक्रम ने लोगों को सेना के सामर्थ्य और पराक्रम से रूबरू कराया. इस दो दिवसीय मेले का उद्घाटन बिहार के राज्यपाल, रक्षा संबंधी स्थायी समिति के सभापति और सांसद राधा मोहन सिंह तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया. वहीं, दूसरे दिन इस कार्यक्रम में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल होंगे.

गांधी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने सेना के लाइव ऑपरेशन देखे, जिनमें दुश्मनों पर हमले का प्रदर्शन भी शामिल था. सबसे खास आकर्षण *रोबोटिक आर्मी रही, जिसने दुश्मनों को पहचानकर अपने टारगेट को फिक्स किया और हमला कर उसे खत्म किया. इस आधुनिक तकनीक को देख दर्शक रोमांचित हो उठे और भारतीय सेना के अत्याधुनिक स्वरूप से परिचित हुए.इस मेले में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले अत्याधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी भी लगाई गई. लोगों ने बोफोर्स तोप, टी-९० टैंक, एके-४७, बोफोर्स गन जैसे खतरनाक अस्त्र-शस्त्रों को करीब से देखा और उनकी क्षमताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की. प्रदर्शनी आम जनता के लिए पूरी तरह खुली थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा सके.सेना के इस कार्यक्रम में रोमांचक प्रदर्शनों की भी झलक देखने को मिली. डॉग शो, रोबोटिक मल्स, मार्शल आर्ट, मोटरसाइकिल डिस्प्ले, ऑपरेशनल डेमो जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों को रोमांचित किया. सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में छऊ नृत्य, भांगड़ा, खुकरी डांस आदि शामिल थे, जिन्होंने देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाया.

इस मेले में बड़ी संख्या में युवा पहुंचे, जो भारतीय सेना की वीरता और उनके उपयोग किए जाने वाले हथियारों को देखकर उत्साहित नजर आए. युवाओं ने सेना के समर्थन में जोरदार नारे लगाए और इस कार्यक्रम को एक प्रेरणादायक अनुभव बताया. मेले में बॉर्डर जैसी बंकर संरचनाएँ भी बनाई गई थीं, जिससे युवाओं को वास्तविक युद्ध परिस्थितियों का अनुभव मिला. ज़ी मीडिया संवाददाता पंकज कुमार ने इन बंकरों का जायजा लिया और युवाओं के जोश को कैमरे में कैद किया.

हाथरस में पॉलीथिन के प्लांट में लगी आग, मौत

हाथरस (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुए अवाक्षेपणीय घटना में एक पॉलीथिन प्लाँट में भीषण आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पॉलीथिन प्लाँट में आग लगने की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई थी। कई गाड़ियां मौके पर पहुंची गईं और आग को काबू करने में सफल रहीं। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाबा बागेश्वर पर उठे सवालों का मनोज तिवारी ने किया बचाव

पटना (एजेंसी): राजधानी पटना से बड़ी खबर आ रही है, जहां बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने बाबा बागेश्वर धाम, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और सनातन धर्म को लेकर अपनी बात रखी है. उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि बाबा बागेश्वर सिर्फ सनातन का प्रचार करते हैं, न कि चुनाव का प्रचार कर रहे. साथ ही मनोज तिवारी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग बाबा के प्रवचन और सनातन का विरोध करते हैं, उन्हें मानसिक समस्या है. मनोज तिवारी ने तेजस्वी यादव के 'ताड़ी बैन हटाने' के बयान पर भी पलटवार किया और विपक्षी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि 'बीजेपी के नेताओं का ५६ इंच का सीना है, जबकि बाकी नेताओं की सिर्फ ५६ इंच की जीभ है.'

हिंदी पर स्टालिन के बयान को लेकर उन्होंने तेजस्वी यादव से जवाब देने की मांग की और कहा कि जो पार्टी हिंदी का विरोध कर रही है, उससे राजद को गठबंधन तोड़ देना चाहिए. इतना ही नहीं, मनोज तिवारी ने औरंगजेब पर चल रही बहस को लेकर भी कहा कि औरंगजेब जैसा नृशंस शासक जिसने संभाजी महाराज को ४० दिनों तक यातनाएं दीं, उसके समर्थकों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए.

इसके अलावा, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में होली नहीं मनाने के मामले पर भी उन्होंने सख्त प्रतिक्रिया दी और कहा कि वहां के व्यवस्थापक जल्द ही अपने फैसले की सजा भुगतेंगे. बताते चलें कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ६ मार्च, २०२५ दिन गुरुवार को बिहार के गोपालगंज पहुंचे. यहां उनकी पांच दिवसीय कथा शुरू हो गई है. जो कि १० मार्च तक चलेगी. ८ मार्च को यहां दिव्य दरबार का आयोजन होगा और भक्तों का पर्चा निकलेगा.

रामनगर स्थित श्रीराम जानकी मठ में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम यहां अपने लिए नहीं, देश के हिंदुओं को जगाने आए हैं. हमारी कोई निजी लड़ाई नहीं है, हम इस दुनिया में रहने वाले १५० करोड़ हिंदुओं की लड़ाई लड़ रहे हैं. हमारे मन में पीड़ा चलती है, इसी के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं.

इयसके साथ ही बाबा ने अपने विरोधियों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि मैं यहीं पर अगले ५ दिनों तक कथा करूंगा और ८ मार्च को यहां दिव्य दरबार का आयोजन होगा, जिसको जो करना है कर लें.

संगठन सृजन पर परिचर्चा में शामिल हुए कांग्रेसी

डुमरी (ससे): बोकारो में कांग्रेस पार्टी की गिरिडीह,धनबाद व बोकारो जिला के प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष का संगठन सृजन पर परिचर्चा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू प्रदेश अध्यक्ष कमलेश महतो केशव मुख्य रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम में गिरिडीह जिला कांग्रेस अध्यक्ष धनंजय सिंह कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया डुमरी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नागेश्वर मण्डल पूर्वी भाग मण्डल अध्यक्ष सह अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष इमरान अंसारी दक्षिणी भाग मण्डल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा उतरी भाग मण्डल अध्यक्ष ताजहसन अंसारी पश्चिमी मण्डल अध्यक्ष नौशाद अंसारी ने कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रभारी ने सभी को आश्वस्त किया गया कि प्रखण्ड अध्यक्ष,मण्डल अध्यक्ष की विचार को प्राथमिकता दिया जाएगा। सरकार में समुचित भागीदारी सुनिश्चित किया जाएगा। सभी बुथ कमिटी को मजबूत बनाएं।

पुलिस ने साइबर ठगों से वापस दिलवाए 26 करोड़

नोएडा,(ईएमएस): पुलिस ने १४ महीने में साइबर ठगी के २५ करोड़ ९६ लाख से ज्यादा की ठगी गई रकम पीड़ितों को वापस दिलाई है। जनवरी २०२४ से फरवरी २०२५ तक साइबर क्राइम में शामिल ५५३ साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी साइबर सुरक्षा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हाल के वर्षों में साइबर क्राइम की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके बाद पुलिस ने इस पर शिकंजा कसना शुरू किया। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर केवाईसी अपडेट करने, बिजली बिल छूट आदि से जुड़ी साइबर जालसाजी में शामिल ५५३ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

साइबर क्राइम पुलिस व साइबर सेल ने १४ महीने में डिजिटल अरेस्ट, निवेश व केवाईसी फ्रॉड के ८७ मामले और आईटी एक्ट में ४६६ जालसाजों को दबोचा है। इस दौरान कई साइबर अपराधों से संबंधित घटनाओं से संबंधित १० करोड़ ३२ लाख २८ हजार २३१ रुपए लोगों को वापस कराए। वहीं डिजिटल अरेस्ट के १ करोड़ ३१ लाख ६७ हजार ८७४ रुपए, आईटी एक्ट के तहत १ करोड़ ८ लाख ९४ हजार ६६६ रुपए वापस दिलावाए हैं।

वहीं एनसीआरपी पोर्टल पर प्राप्त हुई २९०४८ शिकायतों से संबंधित १३ करोड़ २३ लाख ६० हजार ५८१ रुपए पीड़ितों को वापस दिलवाए। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने १० हजार से ज्यादा संदिग्ध मोबाइल नंबरों को भी बंद करवा दिया है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

बारातियों को कार ने कुचला

पटना (एजेंसी): कहने को तो बिहार में पूर्ण शराबबंदी है, लेकिन इसकी जमीनी हकीकत क्या है?. इसकी बानगी वहां से मिलने वाली खबरें देते रहती हैं. हाल ही राजधानी पटना से बेहद करीब दानापुर में शराब तस्करों का तांडव देखने को मिला है. बताया जा रहा है कि होली से पहले शराब की बड़ी खेप बिहार लाई जा रही है. जिस पर पुलिस का शिकंजा कस गया है. हालांकि जब तब पुलिस तस्करों तक पहुंची, उससे पहले शराब माफिया की गाड़ी ने शहर में तांडव मचा दिया था. दरअसल, जिस गाड़ी से शराब लाई जा रही थी, उस गाड़ी ने एम्स गोलंबर से पास ५ बारातियों को कुचल दिया.

बता दें कि होली को लेकर शराब माफिया बिहार में शराब की बड़ी खेप लाने में जुट गए हैं. इसी दौरान पटना के फुलवारी शरीफ में शराब तस्करों की बेलगाम रफ्तार ने एक बड़ा हादसा कर दिया. दरअसल, देर रात पटना एम्स गोलंबर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बारातियों को कुचल दिया, जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार का पीछा कर उसे पकड़ लिया.

बताया जाता है कि कार में दो नंबर प्लेट हैं, जिसमें एक बिहार और एक झारखंड का नंबर प्लेट है. जांच में पाता चला कि कार में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी. हालांकि पुलिस ने गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर लिया,

पति डूबे तो पत्नी को सौंप दी कुर्सी : नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार विधान परिषद में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्षी महिला सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई. यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की विधान पार्षद उर्मिला ठाकुर ने अपने क्षेत्र में लड़कियों की शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को सदन में उठाया. उन्होंने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार द्वारा दिए गए जवाब पर असंतोष जताते हुए कहा कि बिहार के कई गांवों में लड़कियों के लिए पर्याप्त स्कूल नहीं हैं. उन्होंने बेगूसराय जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की छात्राओं को स्कूल जाने के लिए चार से पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो अक्सर अपनी सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की सराहना करते हैं, इस टिप्पणी पर भड़क गए. उन्होंने अपनी सीट से ही कहा, क्या आप जानती हैं कि हमने लड़कियों की शिक्षा के लिए क्या किया है?

जब तक हमारी सरकार नहीं आई थी, तब तक गांवों की लड़कियां स्कूल भी नहीं जाती थीं. इस पर उर्मिला ठाकुर ने जवाब दिया, सर, कृपया ऐसा मत कहिए. मैं भी एक गांव से हूं और मैंने अपनी पढ़ाई पूरी की है.

राजद की एक और महिला सदस्य, मुन्नी देवी रजक, भी इस बहस में शामिल हो गईं. उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा, हमें सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है और आपको जवाब देना चाहिए. जब माहौल गरमाने लगा, तो उर्मिला ठाकुर ने मुन्नी देवी से शांत रहने की अपील की. हालांकि, मुख्यमंत्री इस बहस में और आक्रामक हो गए और विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा, आपकी पार्टी ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया. आप कुछ नहीं जानतीं.

मुख्यमंत्री ने इस दौरान विपक्ष की नेता और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर भी तीखा प्रहार किया. उन्होंने कहा, जब इनके पति (लालू प्रसाद यादव) डूबने लगे, तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया. उनका इशारा उस समय की ओर था जब चारा घोटाले में फंसने के बाद लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राबड़ी देवी को सत्ता सौंप दी थी.

नीतीश कुमार के इस बयान पर राजद के विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह ने आपत्ति जताई और इस टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की. उन्होंने कहा कि राबड़ी देवी के पति एक बड़े नेता हैं, जिन्हें सभी जानते हैं. मुख्यमंत्री का इस तरह का बयान अनुचित है. हालांकि, सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इस टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने से इनकार कर दिया और कहा कि इसमें कुछ भी असंसदीय नहीं था.

मुख्यमंत्री के बाहर जाने के बाद, सदन में माहौल शांत हुआ, लेकिन यह मुद्दा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है. विपक्ष का कहना है कि सरकार को उनके सवालों के जवाब देने चाहिए, न कि विपक्ष पर हमला करना चाहिए.

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा करमाटांड़–विद्यासागर स्टेशन के बीच **LC NO. 14-A/T** पर प्रस्तावित **ROB** निमार्ण कार्य हेतु ग्राम–बाबुडीह, थाना–करमाटांड़, थाना संख्या–28, अंचल– करमाटांड़, जिला–जामताड़ा में कुल– 0.135 एकड़ यानि–0.054 हे0 भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश 0.135 एकड़ यानि–0.054 हेक्टेयर है और जो ग्राम–बाबुडीह, थाना–करमाटांड़, थाना संख्या–28, अंचल–करमाटांड़, जिला–जामताड़ा में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है–

क्रम सं0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड संख्या) उ0	द0	पू0	प0
1	6	1	रैयती	धानी–III	0.085	कैलाश सिंह (आर0टी0) वंशजः– जोगेन्द्र सिंह वो गुड्डु सिंह वो लिला देवी पिता– स्व0 कटी सिंह वो उमा देवी वो सुगा देवी वो सुमित्रा देवी वो तीरता देवी पिता–स्व0 छोटु सिंह वो प्रकाश सिंह वो छोटेलाल सिंह वो सुनिता देवी वो पिंकी देवी माता–स्व0 ममनिया देवी।	डुमरिया	काशीटांड़	2	1
2	6	2	रैयती	धानी–III	0.005	भण्डारी सिंह दिगर (आर0टी0) वंशजः– गिरिजा देवी पति–स्व0 जंतत्र सिंह वो उर्मिला देवी पति–स्व0 गुलेजर सिंह वो लेहिदा सिंह (आर0टी0)।	डुमरिया	1	2	1
3	8	7	रैयती	धानी–III	0.045	गोवर मियाँ (आर0टी0) वंशजः–	1	काशीटाड़	7	काशीटाड़

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

ग्राम–बाबुडीह, थाना–करमाटांड़, थाना संख्या–28, अंचल–करमाटांड़, जिला–जामताड़ा में क्षेत्रफल 0.135 एकड़ यानि–0.054 हे0 जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी जामताड़ा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

PR.NO.348040 Jamtara(24-25):D — उपायुक्त, जामताड़ा।

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय),या, समाहर्त्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा **करमाटांड़–विद्यासागर स्टेशन के बीच LC NO. 14-A/T** पर प्रस्तावित **ROB निमार्ण कार्य** हेतु **ग्राम–कांशीटाड़, थाना–करमाटाँड़, थाना संख्या–26, अंचल– करमाटाँड, जिला–जामताड़ा में कुल– 0.685 एकड़ यानि–0.277** हे0 भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से **कमोवेश 0.685 एकड़ यानि–0.277 हेक्टेयर** है और जो **ग्राम–कांशीटाड़, थाना–करमाटाँड़, थाना संख्या–26, अंचल–करमाटाँड, जिला–जामताड़ा** में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है–

क्रम सं0	खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड संख्या) उ0	द0	पू0	प0
1	53	981	रैयती	धानी–III	0.27	लेघा मंडल (आर0टी0) वंशजः– प्रदीप मंडल वो बासु मंडल वो महेन्द्र मंडल पिता–स्व0 गुड़ा मंडल वो शान्ति देवी वो प्रमीला देवी पिता–स्व0 गुड़ा मंडल वो कमलेश मंडल वो संतोष मंडल वो बाबु मंडल वो मालती देवी वो सुमा देवी पिता–स्व0 हरि मंडल वो सुधीर मंडल वो नरेष मंडल वो परेष मंडल वो अशोक मंडल वो मुकेश मंडल पिता–स्व0 बुधन मंडल वो हिरालाल मंडल वो इन्द्र मंडल वो गौरीशंकर मंडल वो गोपाल मंडल वो चन्द्रवती देवी वो तरवा देवी वो भगवती देवी वो जलेष्वरी देवी पिता–स्व0 भुवनेश्वर मंडल वो लिलवा देवी माता–स्व0 रूपिया देवी।	डुमरिया	987	अंश	अंश
2	35	982	रैयती	धानी–III	0.025	भिखो मंडल दि0 (आर0टी0) वंशजः– मधुसूदन मंडल वो वासुदेव मंडल पिता–स्व0 लटु मंडल वो आनन्द मंडल वो पिन्टु मंडल वो अमित मंडल वो पथवा देवी वो जिरवा देवी वो पुरनी देवी पिता–स्व0 किसन मंडल वो इन्द्र मंडल पोष्य पुत्र वो मुखिया देवी वो हुरूवा देवी वो कलेश्वरी देवी पिता–स्व0 साहेब मंडल वो जितन मंडल पिता–स्व0 भांगो मंडल वो जहलू मंडल वो शंभू मंडल पिता–स्व0 सुकर मंडल वो सुभाष मंडल वो तिलमी देवी वो पुतुल देवी वो निरासी देवी वो तुमवा देवी पिता–स्व0 बलदेव मंडल वो समर मंडल वो बीरबल मंडल वो अरबिन्द मंडल वो छटु मंडल पिता–स्व0 बंधु मंडल वो सोना मंडल वो मैनेजर मंडल वो अकल मंडल वो जगेश्वर मंडल पिता–स्व0 रामधन मंडल वो नरेष मंडल वो विशेश्वर मंडल पिता–स्व0 जगदीष मंडल वो महादेव मंडल पिता –स्व0 एतवारी मंडल वो राजेश मंडल वो बोबी देवी वो राहुल मंडल वो फुलकेशिया देवी वो मनीषा देवी पिता– स्व0 बासुदेव मंडल वो धनेश्वर मंडल वो सुभाष मंडल माता–स्व0 लिलावती देवी वो फुलिया देवी पति–स्व0 श्यामलाल मंडल वो सुकी मंडल पिता–स्व0 लालजी वो पार्वती देवी वो बसंती देवी पिता–स्व0 कारू मंडल वो लक्ष्मण मंडल पिता–स्व0 झुनिया मडल वो अर्जुन मंडल वो मुड़ला मंडल वो राहुल मंडल पिता–स्व0 सरजु मंडल वो विदेशी मंडल पिता–स्व0 झुनिया मंडल वो सरस्वती देवी पिता–स्व0 मोती मंडल वो ठाकुर मंडल वो चन्द्रदेव मंडल वो राजु मंडल वो विछवा देवी वो चिखिया देवी वो पिलिंग देवी पिता–स्व0 गुलु मंडल।	981	983	981	अंश
3	38	983	रैयती	धानी–III	0.06	मंगरू राय (आर0टी0) वंषजः– नन्दलाल राय वो कमल राय वो संतोष राय पिता–स्व0 भिखू राय।	982	984	987	अंश
4	17	984	रैयती	धानी–III	0.08	दिनु मंडल (आर0टी0) वंशजः– मुक्ति देवी पति–स्व0 प्रभु मंडल वो हिरिया देवी वो कमली देवी पिता–स्व0 अन्दुवा मंडल वो भिखुवा मंडल नावल्द मृत पिता –स्व0 तलवा मंडल वो धनराषि मंडल वो दशरथ मंडल वो फुलमनी देवी वो निलाम्बर मंडल पिता–स्व0 जगरीष मंडल वो जगरनाथ मंडल नावल्द मृत पिता–स्व0 भातु मंडल वो पुरण मंडल वो षांति देवी पिता –स्व0 गोदा मंडल वो सोनु मंडल वो गुनुवा देवी पिता–स्व0 गोबिन्द मंडल वो आकाष मंडल वो किरण देवी पिता–स्व0 विनोद मंडल वो विशेश्वर मंडल वो सुवेश्वर मंडल वो नारायण मंडल वो सुरेष मंडल पिता–स्व0 अयोध्या मंडल वो जगदीश मंडल वो सुरज मंडल वो ललित मंडल वो फुलकुमारी देवी पिता–स्व0 राम किषुन मंडल।	983	986	987	अंश
5	52	986	रैयती	धानी–III	0.015	लाडू राय (आर0टी0) वंशजः– उमा देवी पिता–शम्भु राय वो मुनीका देवी पिता–स्व0 कार्तिक राय वो गिरिश राय वो विनोद राय वो मनोज राय वो दुलारी देवी माता–स्व0 झलिया देवी वो मलिया देवी पिता–स्व0 विदेशी राय वो लालु राय मृत माता–स्व0 सारदा देवी उर्फ सवा देवी वो बुधन राय वो सुधन राय वो बादल राय माता–स्व0 मालती देवी।	984	990	987	अंश
6	49	990	रैयती	धानी–III	0.05	लखु राय (आर0टी0) दिगर वंशजः– लखु राय नावल्द मृत (आर0टी0) वो कल्पना देवी पति–स्व0 प्रसादी राय वो विशु राय नावल्द मृत (आर0टी0)।	986	991	989	सड़क
7	53	991	रैयती	धानी–III	0.01	लेघा मंडल दि0 (आर0टी0) वंशजः– हेमलाल मंडल पिता–स्व0 जिया मडल वो गिराज मंडल पिता–स्व0 दुली मंडल वो रामलाल मंडल वो रधिया देवी पिता–स्व0 हरि मंडल वो पुजन मंडल वो फुलमनी देवी पिता–स्व0 जगेश्वर मंडल वो दिगिया मंडलाईन (आर0टी0) वो तेनिया मंडलाईन नावल्द मृत(आर0टी0) वो प्रदीप मंडल वो बासु मंडल वो महेन्द्र मंडल पिता–स्व0 गुड़ा मंडल वो शान्ति देवी वो प्रमीला देवी पिता–स्व0 गुड़ा मंडल वो कमलेश मंडल वो संतोष मंडल वो बाबु मंडल वो मालती देवी वो सुमा देवी पिता–स्व0 हरि मंडल वो सुधीर मंडल वो नरेश मंडल वो परेश मंडल वो अशोक मंडल वो मुकेश मंडल पिता–स्व0 बुधन मंडल वो हिरालाल मंडल वो इन्द्र मंडल वो गौरीशंकर मंडल वो गोपाल मंडल वो चन्द्रवती देवी वो तरवा देवी वो भगवती देवी वो जलेश्वरी देवी पिता–स्व0 भुवनेष्वर मंडल वो लिलवा देवी माता–स्व0 रूपिया देवी।	990	993	992	अंश
8	38	989	रैयती	धानी–III	0.055	मंगरू राय (आर0टी0) वंशजः– नन्दलाल राय वो कमल राय वो संतोष राय पिता–स्व0 भिखू राय।	988	992	अंश	990
9	51	988	रैयती	धानी–III	0.05	नारायणचन्द मंडल दिगर (आर0टी0)	987	989	अंश	990
10	44	987	रैयती	धानी–III	0.06	राजु राय (आर0टी0) वंशजः– सोमरी देवी पति–स्व0 बकु राय वो जानकी देवी पति–स्व0 विजय राय वो राजेन्द्र राय पिता–स्व0 गोवी राय वो भुजा राय नावल्द मृत वो कुंती देवी पति–स्व0 दिनु राय।	अंश	अंश	अंश	986
11	55	1226	रैयती	धानी–III	0.01	श्याम गोडायत दिगर (आर0टी0) वंशजः– दिलिप मिर्धा वो नवगोपाल मिर्धा पिता–स्व0 आयन मिर्धा वो अनिल मिर्धा वो पवन मिर्धा वो कारू तुरी पिता–स्व0 सहदेव मिर्धा वो गौरी देवी पति–स्व0 सुनिल मिर्धा वो वनमाली मिर्धा वो सुबोध मिर्धा वो निर्मल मिर्धा वो मृत्युन्जय मिर्धा वो मनोज मिर्धा वो भरत मिर्धा पिता–स्व0 खुसरा मिर्धा वो लखी देवी पति– स्व0 परिमल मिर्धा वो नारायण मिर्धा वो बलराम मिर्धा पिता–स्व0 नकुल मिर्धा।	987	987	987	984

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

ग्राम–कांशीटाड़, थाना–करमाटाँड़, थाना संख्या–26, अंचल– करमाटाँड, जिला–जामताड़ा में **क्षेत्रफल 0.685 एकड़ यानि–0.277 हे0** जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी जामताड़ा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

उपायुक्त,
जामताड़ा

PR 348044 Jamtara(24-25)#D

बेगूसराय में दिनदहाड़े युवक की हत्या, सड़क जाम

पटना (एजेंसी): बेगूसराय में अपराधियों के बेखौफ मंसूबे एक बार फिर सामने आए, जब दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना के बाद मृतक के परिजन और स्थानीय लोग उग्र हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे. शुक्रवार को गुस्साए लोगों ने पिपरा चौक पर शव रखकर एनएच-२८ को जाम कर दिया. इस दौरान लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हत्यारे की जल्द गिरफ्तारी की मांग की.

बरौनी थाना क्षेत्र के पिपरा देवस गांव के रहने वाले छोटू कुमार को बुधवार को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी थी. गोली लगने से छोटू गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

बिहार में सनातन की त्रिमूर्ति जगा रहे हिंदुत्व की अलख

पटना (एजेंसी): बिहार में इसी साल विधानसभा का चुनाव होना है. इसको लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है. इसी बीच सनातन के त्रिमूर्ति का आगमन बिहार में हुआ. इसके बाद से सनातन की चर्चा पूरे राज्य में जोरों पर होने लगी है.

एक तरफ पटना के गांधी मैदान में आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर का भव्य सत्संग शुरू होगा. दूसरी तरफ गोपालगंज में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पांच दिवसीय कथा चल रही है. वहीं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बिहार की धरती पर हिंदुत्व की चमक बिखेर रहे हैं. आइए पूरी स्टारी को जानते हैं.

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ६ मार्च, २०२५ दिन गुरुवार को बिहार के गोपालगंज पहुंचे. यहां उनकी पांच दिवसीय कथा गुरुवार शाम शुरू हो गई. रामनगर स्थित श्रीराम जानकी मठ में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम यहां अपने लिए नहीं, देश के हिंदुओं को जगाने आए हैं.

हमारी कोई निजी लड़ाई नहीं है, हम इस दुनिया में रहने वाले १५० करोड़ हिंदुओं की लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारे मन में पीड़ा चलती है, इसी के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं. उन्होंने कहा कि दुनिया में १५० करोड़ हिंदुओं को उन देशों से निकाला जाएगा तो हिंदू कहां जाएंगे? सबकी व्यवस्था है, लेकिन हमारे हिंदू भाइयों की व्यवस्था कहां है? जिनको हमारे बिहार आने से दिक्कत है, पहली बात तो यह कि हम एक रोटी खाए हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने पांच दिवसीय बिहार दौरे पर मुजफ्फरपुर में हैं. सरसंघ चालक मोहन भागवत मुजफ्फरपुर प्रवास के दौरान ७ मार्च, २०२५ दिन शुक्रवार की सुबह-सुबह आरडीएस कॉलेज मैदान में शाखा लगाया. शाखा में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में व्यायाम और प्रैक्टिस लोग कर रहे हैं. मोहन भागवत के शाखा के दौरान भारी संख्या में पुलिस बलों और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ५ मार्च की देर शाम में मुजफ्फरपुर पहुंचे थे और ६ मार्च को सुपौल गए थे, फिर सुपौल से देर शाम मुजफ्फरपुर लौट गये थे. मुजफ्फरपुर के कलमबाग स्थित प्रांत कार्यालय मधुकर निकेतन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ठहरे हैं. आज इस कार्यालय में तमाम आरएसएस के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे. फिर ८ मार्च को भी मोहन भागवत शाखा में शामिल होंगे, फिर बैठक करेंगे और फिर ९ मार्च को नागपुर के लिए रवाना हो जाएंगे.

बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में ७ मार्च, २०२५ दिन शुक्रवार से आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर का भव्य सत्संग शुरू होगा. इसमें राज्य के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु पहुंचे. सबसे बड़ी बात ये है कि इस सत्संग में १००० साल पुराना पवित्र शिवलिंग भी होगा. इस दौरान श्री श्री रविशंकर मानसिक शांति और प्राणायाम की महत्ता पर प्रवचन देने वाले हैं.

साथ ही सत्संग में भक्ति संगीत की गूंज से भक्तिमय वातावरण बनेगा. वहीं, श्रद्धालु पहली बार उस प्राचीन शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे, जिसे महमूद गजनवी ने १०२६ ईस्वी में खंडित किया था. ६ मार्च, २०२५ गुरुवार की देर शाम श्री श्री रविशंकर ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से पटना में मुलाकात की.

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला समाज कल्याण शाखा)
ई-मेल :- dswgiridih2324@gmail.com

आँगनबाड़ी सेविका/सहायिका के रिक्त पदों पर चयन हेतु सूची

क्र0 सं0	परियोजना का नाम	ऑगनबाड़ी केन्द्र का नाम	चयनित पद	चयन की तिथि	समय	चयन स्थल
01	तिसरी	चिलगिलि	सहायिका	25.03.2025	10:30AM	आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
02		पलमरूवा पूर्वी	सहायिका		02:00AM	पंचायत सचिवालय (पलमरूवा)
03		सागबारी	सहायिका	26.03.2025	10:30PM	आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
04		कर्णपूरा खटपोंक	सहायिका		02:00AM	आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर
05		लपडियार	सहायिका	27.03.2025	10:30PM	आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
गिरिडीह

PR 348017 Social Welfare,Women and Child Development (24-25)_D

कार्यालय, चास नगर निगम
चास, बोकारो

3rd Call

-:: अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति ::-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर विकास व विकास विभाग, झारखंड सरकार द्वारा जुडको लि0, रांची के माध्यम से चेक पोस्ट के पास गरगा नदी के किनारे विद्युत शवदाह गृह (गैस चलित) का निर्माण कराया गया है, जो चास नगर निगम को हस्तांतरित किया गया है।

विद्युत शवदाह गृह का संचालन व संपोषण हेतु इच्छुक एन0जी0ओ0, ट्रस्ट, समिति, एस0एच0जी0 अथवा संस्था से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। उक्त प्रस्ताव चास नगर निगम कार्यालय में दिनांक 16.03.2025 को अपराह्न 2:00 बजे तक जमा कर सकते हैं, जिसका निष्पादन उसी दिन दिनांक 16.03.2025 को अपराह्न 03:00 बजे किया जायेगा। प्रस्ताव के साथ आवेदन पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, संस्था–एन0जी0ओ0, ट्रस्ट, समिति, निबंधन, GST रजिस्ट्रेशन संबंधित दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। साथ ही आवदेन के साथ 5000 रूपये का बैंक ड्राफ्ट, जो अपर नगर आयुक्त, चास नगर निगम के नाम से देय व भुगतेय चास पर होगा, जमा करना होगा। उक्त राशि वापस नहीं की जायेगी।

आवंटित संस्था को शवदाह गृह के संचालन के साथ–साथ इसके रख–रखाव, साफ–सफाई, सुरक्षा एवं शवदाह गृह से सबंधित सभी प्रकार व्यय स्वयं वहन करना होगा।

शेष नियम एवं शर्ते सूचना पट्ट अथवा www.bokaro.nic.in व www.chasmunicipalcorporation.com पर देखा जा सकता है।

प्रशासक –सह–
अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 348106 Urban Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा
Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण संख्या–RDD/SD/JAMTARA/RE/15/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	ग्राम	पंचायत	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	ऑगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, मुरगाटोना ऑगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, कुसीयारा	मुरगाटोना कुसीयारा	सिवलीबाड़ी सिवलीबाड़ी	जामताड़ा जामताड़ा	2216400.00	45000.00	5000.00	3 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक–08.03..2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–08.03.2025 से दिनांक–18.03.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान :– e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–20.03.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या :– 9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेंगा तथा निविदादाता को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नहीं होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/– कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा

PR 348026 Rural Work Department (24-25)_D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

ई–निविदा सूचना संख्या - (धनबाद) **07/2023-24** तिथि – **06.03.2025**

इस कार्यालय द्वारा विज्ञापित ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना संख्या–07/2023–24 PR No-321781 (Drinking Water and Sanitation) 23-24 (D) में प्रकाशित Construction of HYDT and Supply Installation Testing and Commissioning of Solar/ Electric based Submersible Pump set and its allied work at Women Government Polytechnic, Bokaro को अपरिहार्य कारणवश से रद्द किया जाता है।

(मयंक कुमार भगत)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमंडल,धनबाद

PR 348104 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा
(जिला सामान्य शाखा)
Email Id-generalsectionjamtara@gmail.com

–:संशोधित आम सूचना:–

जामताड़ा जिलान्तर्गत चौकीदार की सीधी एवं बैकलॉग भर्त्ती हेतु विज्ञापन संख्या–1/2025 का प्रकाशन किया गया है। पूर्व में कार्यालय ज्ञापांक–76/सा0, दिनांक–05.03.2025 के द्वारा आम सूचना के माध्यम से नियुक्ति की संपूर्ण प्रक्रिया का अनुमानित तिथि (Date Sheet) की विवरणी दी गई है, जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए निम्नवत संशोधित संभावित तिथि (Date Sheet) निर्धारित की जाती है, जो निम्नवत है:–

क्र0	नियुक्ति प्रक्रिया की कार्य विवरणी	सम्पादित किये जाने की संभावित तिथि
1	2	3
1	आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	04.03.2025
2	आवेदन की डाटा इन्ट्री, स्क्रुटनी कार्य एवं प्रवेश पत्र तैयार करना	12.03.2025
3	स्क्रुटनी उपरांत स्वीकृत/अस्वीकृत आवेदकों की सूची का वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि	17.03.2025
4	दावा आपत्ति प्राप्त करने की तिथि	19.03.2025
5	प्रवेश पत्र निर्गत करने की तिथि	21.03.2025
6	लिखित परीक्षा आयोजन की तिथि	23.03.2025
7	लिखित परीक्षाफल का प्रकाशन की तिथि	26.03.2025
8	शारीरिक जाँच की तिथि	27.03.2025 एवं 28.03.2025 सुरक्षित दिवस दिनांक–29.03.2025
9	अंतिम परीक्षाफल का प्रकाशन की तिथि	03.04.2025

आवश्यकतानुसार संभावित तिथि में संशोधन किया जा सकता है।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला सामान्य शाखा,
जामताड़ा

PR 348090 (District)24-25*D

महिला रेलकर्मियों के सम्मान में समारोह का आयोजन

हाजीपुर (सत्रे): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व मध्य रेल द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यालय मुख्यालय, हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में महिला रेलकर्मियों के लिए सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया । महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह तथा पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सुनिता सिंह ने समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा पांचों मंडलों एवं मुख्यालय के रेलकर्मियों के उच्च तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहीं ४४६ चयनित पुत्रियों को कर्मचारी कल्याण निधि से छात्रवृत्ति के रूप में ८०.३० लाख रुपए की राशि वितरित की गयी।

इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामानएं देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ''आधी आबादी'' के संघर्षों को याद करने का भी दिन है जिसके कारण आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यथा-सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल में आज लगभग एक लाख महिलाएं कार्यरत हैं जिनमें लगभग ५००० महिलाएं पूर्व मध्य रेल में अधिकारी, डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, इंजीनियर, गार्ड, ट्रैक मेंटेनर, जैसे महत्वपूर्ण एवं संरक्षा से जुड़े पदों पर कार्य करते हुए रेल और देश के विकास में योगदान दे रहीं हैं।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सुनिता सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष महिलाओं की उपलब्धियों एवं लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमलोग अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्सव के तौर पर मनाते हैं। आज देश हीं नहीं, विश्व पटल पर महिलाओं के नेतृत्व की सराहना सर्वत्र हो रही है। जहां देश का नेतृत्व महिला के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के हाथों में है वहीं, भारतीय रेल भी इसमें पीछे नही है क्योंकि लगभग एक लाख महिलाएं भारतीय रेल को प्रगति के पथपर अग्रसर करने में अपना योगदान दे रहीं हैं।

इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज पूर्व मध्य रेल मुख्यालय में महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सुनिता सिंह के नेतृत्व में महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य जांच के लिए हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया । इस कैंप में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा ५४ महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गयी एवं उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गयी । इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा एवं कार्यकारी सदस्याएं भी उपस्थित थीं।

वीरेंद्र सहवाग के छोटे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया

मुंबई (ईएमएस): भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के परिवार पर संकट आ गया है। उनके छोटे भाई विनोद सहवाग को चंडीगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोर्ट की ओर से उन्हें भगौड़ा घोषित किया गया था जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया। यह मामला ७ करोड़ रुपये के चेक बाउंस से जुड़ा है, जिसमें वीरु के भाई विनोद सहवाग को अदालत में पेश होना था लेकिन वे पेश नहीं हुए।

सहवाग के भाई विनोद पर ७ करोड़ रुपये के चेक बाउंस का मामला चल रहा है। उन्हें अदालत में पेश होना था लेकिन बार-बार बुलाने के बावजूद वे नहीं आए। इस कारण कोर्ट ने उन्हें भगौड़ा घोषित कर दिया। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। इसके बाद अदालत ने विनोद सहवाग को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

औरंगजेब ने भारत को एकीकृत किया : विधायक अख्तरुल

पटना (एजेंसी): ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम बिहार के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान भी औरंगजेब विवाद में कूद गए. ईमान ने बीजेपी पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी के पास घृणा की राजनीति के जरिए राजनीतिक लाभ उठाने के अलावा कोई और काम नहीं है. अख्तरुल ईमान ने औरंगजेब का बचाव करते हुए उसे महान सम्राट कहा. उन्होंने कहा कि औरंगजेब एक महान सम्राट था. उसने टोपियां सिलकर आजीविका अर्जित की. उसने करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल खुद पर नहीं किया. उसे यहीं दफनाया गया था.

विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि औरंगजेब ने अंग्रेजों की तरह लूटपाट करके नहीं छोड़ा, बल्कि इस देश की सेवा की. उसने भारत को एकीकृत किया, इसे अफ़ग़ानिस्तान से बर्मा (म्यांमार) तक फैलाया और इसे 'अखंड भारत' बनाया. औरंगजेब ने मंदिरों और मस्जिदों दोनों को समान माना.

एआईएमआईएम विधायक ने औरंगजेब पर टिप्पणी को लेकर उठे विवाद की भी आलोचना की और सवाल किया. उन्होंने कहा कि इस तरह की बहस क्यों छेड़ी जा रही है. उन्होंने पूछा कि तो, इस तरह का विवाद क्यों भड़काया जा रहा है? उन्होंने अबू आज़मी के खिलाफ की गई कार्रवाई की निंदा की और इसे असंवैधानिक करार दिया. ईमान ने कहा कि अबू आज़मी के खिलाफ कार्रवाई असंवैधानिक है. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में स्वत: संज्ञान लेने का आग्रह किया.

इससे पहले ५ मार्च, २०२५ दिन बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी को मुगल बादशाह औरंगजेब पर उनकी टिप्पणी के लिए चल रहे बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित कर दिया था. आज़मी ने कहा था कि औरंगजेब एक क्रूर प्रशासक नहीं था और उसने कई मंदिर बनवाए थे. उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह और छत्रपति संभाजी महाराज के बीच लड़ाई राज्य प्रशासन के लिए थी, न कि हिंदू और मुस्लिम के लिए.

लोकतंत्र में जनता मालिक होती है : सांसद शांभवी

पटना (एजेंसी): आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के नीतीश कुमार को दो बार बिहार के मुख्यमंत्री बनाने वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है. ६ मार्च, २०२५ दिन गुरुवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से सांसद शांभवी चौधरी ने तेजस्वी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता मालिक होती है.

लोजपा सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव की सोच की समस्या है. वो बिहार में खुद एक नेता हैं. उन्हें ये चीज पता होना चाहिए कि लोकतंत्र की क्या ताकत होती है. नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने वाले वो या हम लोग कौन होते हैं. लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जनता मालिक होती, जनता ही चुनती और मुख्यमंत्री बनाती है. लेकिन तेजस्वी की समस्या है कि वो मैं, हम और मेरा परिवार के बीच में रह गए हैं.

उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी यादव को इस राजनीति से उठकर एक प्रोग्रेसिव राजनीति करना चाहिए. अपने आस-पास के लोगों से ऊपर उठकर उन्हें बिहार के विकास के बारे में बात करना चाहिए. हम उनसे पूछना चाहते हैं कि वो ऐसे कौन से प्रश्न उठा रहे हैं, जो प्रदेश के विकास से संबंधित है. तेजस्वी को 'हम' शब्द से ऊपर उठना चाहिए. आज बिहार आगे बढ़ चुका है और आगे बढ़ रहा है. उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी ऐसी बातें करके बिहार को गुमराह करने की कोशिश नहीं करे. आज हम सभी लोकतंत्र में हैं. लोकतंत्र में जनता मालिक होती है. हमारी कोई हैसियत नहीं है कि किसी को मुख्यमंत्री या मंत्री बना दें. जो जनादेश होता है, वो ही अंतिम होता है.

ध्यान दीजिए कि यह साल बिहार के लिए चुनावी साल है. ऐसे में प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तंज कसा था. उन्होंने कहा था कि वे ३४ साल के हैं और ७४ साल के नीतीश कुमार की बराबरी करना चाहते हैं. ७४ साल में नीतीश कुमार आज जो काम कर देंगे, वह ३४ साल के तेजस्वी यादव नहीं कर पाएंगे.

एक परिवार ने महाकुंभ में अकेले 30 करोड़ कमाए

प्रयागराज(ईएमएस) : प्रयागराज के अरैल इलाके में रहने वाले नाविक पिंटू महरा का परिवार महाकुंभ में नाव चलाकर करोड़पति हो गया। इसकी चर्चा खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की है। इस पर राजनीति शुरु हो गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा है कि सच सामने आना चाहिए। और जीएसटी कितना जमा किया इसका भी खुलासा होना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर किया। जिस पर लिखा था, महाकुंभ में नाव चलाकर ३० करोड़ कमाने वाला माफिया/हिस्ट्रीशीटर निकला! सीएम योगी ने विधानसभा में तारीफ की थी। साथ ही इसे लेकर अखिलेश ने योगी सरकार से सवाल भी किया। उन्होंने लिखा कि इस समाचार की सच्चाई की पड़ताल हो। अगर सच में एक परिवार ने महाकुंभ में अकेले ३० करोड़ कमाए हैं, तो जीएसटी कितना मिला ये भी तो बताएं। 'पातालखोजी' पहले पता कर लिया करें फिर महिमामंडन किया करें। पहले ठग से एमओयू कर लिया, अब नामज़द के नाम की सदन में बंद आंखों से तारीफ़ कर दी। अब तो आंखे खोलें। इन्हीं सब वजहों से ही भाजपा सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

दरअसल प्रदेश सरकार के मुताबिक, प्रयागराज के अरैल इलाके में रहने वाले नाविक पिंटू महरा का परिवार महाकुंभ में नाव चलाकर करोड़पति हो गया। पिंटू महरा का कहना है कि उन्होंने २०१९ के कुंभ में नाव चलाई थी और उन्हें अनुमान था कि इस बार महाकुंभ में बहुत भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ आने वाली है। पिंटू महरा के परिवार ने महाकुंभ के पहले ७० नावें खरीदीं।

मायावती ने की उत्तराखंड सरकार की आलोचना

लखनऊ (ईएमएस) : बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार की देहरादून में मदरसों को सील करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और इसे 'द्वेषपूर्ण' तथा 'गैर-धर्मनिरपेक्ष कदम' करार देते हुए सरकार से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले फैसलों से बचने की अपील की।

उनकी यह टिप्पणी देहरादून जिले में १५ मदरसों को सील किये जाने के बाद आई है। जिला प्रशासन ने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद से पंजीकरण के बिना चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली ऐसी द्वेषपूर्ण व गैर सेक्युलर कार्रवाईयों से जरूर बचे।''

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस नेता उदित राज पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''बहुजन समाज के हितों के प्रति समर्पित संगठनों ने बसपा और उसकी मजबूत नेतृत्व क्षमता के खिलाफ एक घमंडी और अहंकारी कांग्रेस नेता की निराधार टिप्पणी की निंदा की है। लोगों को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए।'' दरअसल, उदित राज ने बृहस्पतिवार को कहा था कि बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद तथा कांशीराम के आंदोलन से जुड़े सभी लोगों को कांग्रेस में शामिल होकर संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि आकाश आनंद को दो बार बसपा का राष्ट्रीय समन्वयक बनाना और फिर पार्टी से निकालना इस बात को दर्शाता है कि बसपा का संचालन भारतीय जनता पार्टी कर रही है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती (१५ मार्च) को मिशनरी भावना के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं मान्यवर कांशीराम जी की जयंती १५ मार्च को पूर्ण मिशनरी भावना से मनाने की अपील करती हूं। इसी संबंध में मैंने आज सुबह लखनऊ में 'बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र' और बसपा कार्यालय का दौरा किया।''

भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी

मुंबई (ईएमएस): भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी २०२५ में २५ प्रतिशत से बढ़कर २०३० तक ३५ प्रतिशत होने का अनुमान है। एक ताजा रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में भारत के २२०,००० मजबूत चिप डिजाइन और इंजीनियरिंग वर्कफोर्स में एक चौथाई महिलाएं हैं, लेकिन २०२७ तक यह आंकड़ा ३० प्रतिशत से अधिक हो सकता है। भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर सेक्टर के वित्त वर्ष ३१ तक ७९.२० बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। ग्लोबल इंडस्ट्री दशक के अंत तक एक ट्रिलियन डॉलर का बाजार बनने की ओर अग्रसर है। यह वृद्धि टैलेंट के लिए मौके पेश करती है, भारतीय सेमीकंडक्टर सेक्टर द्वारा २०२६ तक १ मिलियन नौकरियां पैदा करने का अनुमान है। हालांकि, इस पैमाने पर पहुंचने के लिए जरुरी वर्कफोर्स की जरूरत होती है क्योंकि यह इंडस्ट्री मेल-डोमिनेटेड फील्ड के रूप में अकेले नहीं पनप सकता। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मानसिकता और इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की जरूरत है। इसका मतलब है कि जेंडर-न्यूट्रल नीतियों और समान अवसरों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, श्रमिक आवास, स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं और कुशल परिवहन के रूप में इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव भी कुशल वर्कफोर्स को आकर्षित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग सुरक्षित, सस्टेनेबल और वर्कर-फ्रेंडली एनवायरनमेंट बनाने में महत्वपूर्ण होगा।

चिप सेमीकंडक्टर निर्माण में, पुरुष और महिला भागीदारी ६०:४० है। वहीं, चिप डिजाइन में यह भागीदारी ७०:३० है। एटीएमपी (असेंबली, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग) में पुरुष और महिला भागीदारी ८०:२० है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में एक सस्टेनेबल और डायवर्स सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लिए इस अंतर को कम करना जरुरी है।

दमन और दीव सिर्फ केन्द्र शासित प्रदेश नहीं हमारा गौरव और विरासत है : पीएम मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस): गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य से सटे केन्द्र शासित प्रदेश में रु. २५८७ करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। दीव में नए सर्किट हाउस का उद्घाटन भी पीएम मोदी ने किया। सायली में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दादरा और नगर हवेली दमन और दीव केवल केन्द्र शासित प्रदेश नहीं बल्कि हमारा गौरव और विरासत है। बता दें कि पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। पीएम मोदी के सूरत हवाई अड्डे पर पहुंचने पर केन्द्रीय जल मंत्री और गुजरात प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील समेत नेताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। सूरत से पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से सिलवासा पहुंचे। जहां ४५० बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन किया गया। साथ ही रोड शो कर लोगों का अभिनंदन किया। इस मौके पर विशाल

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज सिलवासा को एक नई पहचान मिली है। पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा। सेलवास में हर क्षेत्र के लोग रहते हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, दादरा और नगर हवेली दमन और दीव हमारे लिए सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश ही नहीं, हमारा गौरव भी हैं और हमारी विरासत भी हैं। यह क्षेत्र हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जाना जाएगा। विश्वस्तरीय संस्थानों के रूप में पहचाने जाएं। औद्योगिक प्रगति, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी के नये अवसर, सर्वांगीण विकास, प्रफुल्ल भाई पटेल की मेहनत और केंद्र सरकार की मदद, हम इससे दूर नहीं हैं। पिछले १० साल में तेजी से काम किया है। प्रत्येक सरकारी योजना का लाभ प्रत्येक लाभार्थी को मिल रहा है। एक समय था जब यहां के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता था, अब दमन सिलवासा शिक्षा का हब बन गया है। स्वास्थ्य संबंधी कई योजनाएं शुरू की गई हैं। केंद्र शासित प्रदेश वह क्षेत्र है जहां चार भाषाओं में शिक्षा प्रदान की जाती है। बच्चे स्मार्ट स्कूल में पढ़ते हैं। आज जन औषधि दिवस है, जन औषधि केंद्रों पर सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। हमारी सरकार आम आदमी की जरूरतों के प्रति संवेदनशील है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारा सिलवासा एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा सभी प्रकार के लोगों का निवास क्षेत्र बन गया है। दादरा नगर हवेली में नये अवसर विकसित हुए हैं।

थाने के सामने मां का शव पड़ा रहा और कलयुगी संतानें पैसों के लिए लड़ती रहीं

बेंगलुरु (ईएमएस): चिकाबल्लापुरा जिले के डोड्डाकुरुगु गांव में एक मां के ६ बच्चों ने पैसों के विवाद में उसका शव दफनाने से इनकार कर दिया। कोर्ट के आदेश के बावजूद झगड़ा जारी रहा, और शव को पुलिस थाने के सामने रखकर विरोध किया गया। ७५ वर्षीय अनंयम्मा की उम्र संबंधी बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उनके बैंक खाते में कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड से ९३.७५ लाख रुपये आए थे, जो जमीन अधिग्रहण के बदले दिए गए थे। लेकिन यह पैसा ही उनके परिवार के लिए झगड़े की वजह बन गया। लड़कों ने पूरा पैसा अपने खातों में ट्रांसफर कर लिया, जबकि अदालत ने फैसला सुनाया कि उनकी बहनों को भी ४० लाख रुपये मिलेंगे। इसी फैसले पर लड़कों ने आपत्ति जताई और मां का शव दफनाने से मना कर दिया।

बेटों ने साफ कह दिया कि जब तक उन्हें पूरा पैसा नहीं मिलेगा, तब तक वे अपनी मां का शव नहीं सौंपेंगे। बहनों ने इस फैसले का विरोध किया और मामला पुलिस तक पहुंच गया। हालात इतने बिगड़ गए कि बहनों ने पूरी रात पुलिस थाने के सामने गुजार दी।

बिहार में होली की सही तारीख को लेकर लोगों में भ्रम

पटना (एजेंसी): बिहार में होली २०२५ की सही तारीख को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है. कई लोग यह जानना चाहते हैं कि होलिका दहन और रंगों की होली किस दिन मनाई जाएगी. इस विषय पर पटना के विद्वान ब्राह्मण अशोक द्विवेदी ने विस्तृत जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि ऋषिकेश पंचांग और मिथिला पंचांग के अनुसार, इस बार होलिका दहन १३ मार्च की रात को होगा, जबकि रंगों वाली होली १५ मार्च को मनाई जाएगी.

पूर्णिमा तिथि और होलिका दहन का शुभ मुहूर्त

अशोक द्विवेदी के अनुसार, १३ मार्च को सुबह १०:०२ बजे के बाद पूर्णिमा तिथि प्रारंभ होगी, जबकि उससे पहले चतुर्दशी तिथि रहेगी. हिंदू धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है, और इस बार पूर्णिमा की उदया तिथि १४ मार्च को सुबह ११:११ बजे तक रहेगी. इस कारण स्नान, दान और पूजन का कार्य १४ मार्च को किया जाएगा.

होलिका दहन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण जानकारी यह भी है कि १३ मार्च को पूर्णिमा तिथि प्रवेश करने के बाद से ही भद्रा नक्षत्र प्रारंभ हो जाएगा, जो रात १०:३७ बजे तक रहेगा. शास्त्रों के अनुसार, भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है, इसलिए इस समय के दौरान होलिका दहन नहीं किया जाएगा. भद्रा समाप्त होने के बाद, १३ मार्च की रात में किसी भी समय होलिका दहन किया जा सकता है.

रंगों की होली कब खेली जाएगी?

रंगोत्सव यानी रंग खेलने की होली चैत्र माह के कृष्ण पक्ष प्रतिपदा (एकम) को मनाई जाती है. इस वर्ष यह तिथि १५ मार्च को दोपहर १२:५९ बजे तक रहेगी. इस कारण मिथिला पंचांग के अनुसार रंगोत्सव १५ मार्च को मनाया जाएगा.

पूरे मिथिलांचल में इसी तिथि को होली खेलने की परंपरा है. इस प्रकार, बिहार में इस बार होलिका दहन १३ मार्च की रात को और रंगों की होली १५ मार्च को खेली जाएगी.

भ्रम से बचने के लिए क्या करें?

होली की तिथि को लेकर बिहार के अलग-अलग हिस्सों में भिन्न परंपराएं हैं, लेकिन धार्मिक मान्यताओं और पंचांग के अनुसार होलिका दहन १३ मार्च की रात और रंगोत्सव १५ मार्च को होना तय है. अगर किसी को तिथि को लेकर कोई संदेह हो तो वे अपने स्थानीय पंडित या ज्योतिषाचार्य से सलाह लेकर सही निर्णय ले सकते हैं.

स्टालिन के हिंदी विरोध की आग कर्नाटक तक पहुंची, त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध की उठने लगी मांग

नई दिल्ली (ईएमएस): तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध की जो आग सुलगाई थी, उसका धुंआ अब दूसरे राज्यों में भी दिखने लगा है। अब कर्नाटक में भी त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध होने लगा है। कर्नाटक डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने राज्य के सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा है कि वे द्विभाषा नीति को ही लागू करें। अथॉरिटी प्रमुख पुरुषोत्तम बिलिमाले ने लिखा कि राज्य को दो भाषाओं की ही जरूरत है। इसमें हिंदी को शामिल नहीं करना चाहिए। कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल्स-२०१७ के अनुसार प्रदेश में पढ़ने वाले सभी बच्चों को दूसरी भाषा के तौर पर कन्नड़ सीखनी होगी। यही नहीं एक अधिकारी ने कहा कि देश में भाषाई असमानता की स्थिति है। क्षेत्रीय भाषाओं की गरिमा किसी भी तरह से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं सीएम सिद्धारमैया ने भी हिंदी भाषा थोपने के खिलाफ अपनी आवाज तेज करनी होगी। इस विवाद के बीच सीएम एमके स्टालिन ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आखिर हिंदी को शामिल नहीं करना चाहिए। अलावा अन्य किसी भाषा के लिए दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस के अलावा संविधान की ८वीं अनुसूची में शामिल अन्य २१ भाषाओं के लिए कोई दिवस निर्धारित क्यों नहीं है। डीएमके के कार्यकर्ताओं को स्टालिन ने एक पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, हम हमेशा हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। इसमें वे लिखते हैं कि क्या हिंदी की तरह अन्य २१ भाषाओं के लिए भी कोई सेलिब्रेशन डे है? आखिर हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साथ ऐसा पक्षपात क्यों हो रहा है।

आखिर करेंसी नोट में छपी सभी भाषाओं को देश की आधिकारिक भाषा घोषित करने में सरकार को किस चीज की हिचक है। स्टालिन ने अपने पत्र में लिखा कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के दिलों में तमिल के लिए जगह है, तब फिर तमिल को आधिकारिक भाषा क्यों नहीं घोषित किया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ का बिखराव सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं हुआ था। इसका एक कारण यह भी था कि देश पर रूसी भाषा थोपी जा रही थी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को नजरअंदाज किया गया। इसके चलते जब सोवियत संघ टूट गया। लेकिन आज वहीं रूसी लातविया जैसे देश में रूसी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतिहास में इसतरह के कई उदाहरण हैं, जब लोगों पर भाषा थोपने के कारण खिंचराव हो गया। उन्होंने कहा कि मैं इसतरह के कई उदाहरण गिना सकता हूं, जब ऐसी नीतियों के चलते देश ही टूट गए। बता दें कि नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर बात कही गई है, जिसका विरोध शुरू हो गया है। सबसे पहले तमिलनाडु से ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी और अब कर्नाटक ने भी ऐसी ही राय जाहिर की है।

दिसानायके के निमंत्रण पर पीएम मोदी अगले माह जा सकते हैं श्रीलंका

नई दिल्ली,(ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी अप्रैल में श्रीलंका की यात्रा पर जा सकते हैं। श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह यात्रा श्रीलंका की राष्ट्रपति अरुणा दिसानायके की दिसंबर में दिल्ली यात्रा के बाद होगी। पीएम के तौर पर नरेंद्र मोदी २०१५, २०१७ और २०१९ में तीन बार श्रीलंका की यात्रा कर चुके हैं। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों पर चर्चा हो सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के तलाईमनेर के बीच नए नौका मार्ग पर चर्चा हो रही है। भारत और श्रीलंका के बीच नागापट्टिनम को त्रिंकोमाली से जोड़ने वाली बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन को आगे बढ़ने की संभावना है। इस परियोजना में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन प्रमुख भूमिका निभा रहा है। दिसानायके ने पीएम मोदी को दिसंबर में तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान अपनी सुविधानुसार जल्द से जल्द श्रीलंका की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था जो सितंबर २०२४ में पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। दिसानायके ने अपनी भारत यात्रा को काफी सफल बताया था और इस बात पर जोर दिया था कि यात्रा के दौरान भारतीय नेतृत्व और व्यापारिक समुदाय के साथ उनकी उत्पादक चर्चा हुई थी।

राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का मंत्री सुदिव्य सोनू ने किया उद्घाटन, कहा- देवघर को अग्रणी पर्यटन स्थल बनाया जाएगा

देवघर (एजेंसी): तीन दिवसीय राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव, २०२५ (०६, ०७ एवं ०८ मार्च) का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने किया।

इस अवसर पर दुमका सांसद नलीन सोरेन, देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी, संथाल परगना कमिश्नर लालचंद डाडेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि महाशिवरात्रि और शिवबारात के सफल आयोजन के बाद अब राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का आयोजन राज्य सरकार द्वारा बाबा बैद्यनाथ की नगरी में किया गया है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का प्रयास है कि देवघर को देश के अग्रणी पर्यटन स्थलों में शामिल किया जाए और इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि तीन दिवसीय महोत्सव को देवघर की जनता की भावना के अनुरूप पुनः शुरू किया

गया है और आने वाले दिनों में राजकीय श्रावणी मेला का और भी भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने मीडिया बंधुओं की सुविधा के लिए विशेष 'मीडिया गैलरी' का भी उद्घाटन किया।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने कहा कि भारत की समृद्ध लोक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह महोत्सव एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा, राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के माध्यम से पारंपरिक लोक नृत्य और लोक कलाओं को एक नया आयाम दिया जाएगा, जिससे स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि देवघर को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए आशा जताई कि यह महोत्सव नई ऊंचाइयों को छुएगा। महोत्सव के पहले दिन उपायुक्त विशाल सागर ने मंत्री सुदिव्य कुमार को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही, वरीय अधिकारियों द्वारा सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

महोत्सव की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद कई शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया:

सुमित दास की महादेव डमरू वादन प्रस्तुति

महालक्ष्मी देवी ग्रुप का कत्थक नृत्य

मानसी तिवारी की भजन प्रस्तुति

पल्लवी रॉय की भरतनाट्यम प्रस्तुति

चंदन तिवारी द्वारा भोजपुरी लोकनृत्य

छउ नृत्य कला केंद्र, सरायकेला की प्रस्तुति

बॉलीवुड रॉकस्टार रितुराज तिवारी का धमाकेदार परफॉर्मेंस

०६ से ०८ मार्च तक चलने वाले इस महोत्सव में स्थानीय, राज्यस्तरीय और बॉलीवुड कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

मार्च 2027 तक देश भर में 25,000 जन औषधि केंद्र हो जाएंगे : आदित्य साहू

रांची (एजेंसी): केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के निर्देश पर आज भाजपा सांसदों ने जन औषधि केंद्रों का अवलोकन किया, लाभार्थियों से बातचीत की और सस्ती दवाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी प्राप्त की। सांसद दीपक प्रकाश ने बताया कि मोदी सरकार जनता को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पिछले १० वर्षों से जनता को जन औषधि केंद्रों पर सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ७ मार्च को जन औषधि दिवस घोषित किया है। रिम्स परिसर स्थित जन औषधि केंद्र का अवलोकन करते हुए सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देशभर में जनता लगातार जन औषधि केंद्रों से दवा खरीदने के प्रति जागरूक हो रही है, क्योंकि यहां सस्ती दवाएं उपलब्ध हैं। शुगर, बीपी, हृदय रोग, किडनी आदि की दवाएं सस्ते दामों में उपलब्ध होने से विशेष रूप से गरीबों को बड़ा लाभ मिल रहा है।

दीपक प्रकाश ने कहा कि १ से ७ मार्च तक पूरे देश में जन औषधि के प्रति जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में सांसद, विधायक और जन प्रतिनिधि जन औषधि केंद्रों पर जाकर जनता को जागरूक कर रहे हैं और विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

सांसद ने बताया कि जन औषधि केंद्रों पर २,०४७ जेनरिक और ३०० सर्जिकल उत्पाद ब्रांडेड कंपनियों की दवाओं की तुलना में ७०-८०% सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं, जिसका लाभ जनता को उठाना चाहिए। सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देश भर में हर वर्ष जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ रही है। फरवरी २०२५ तक देश भर में १५,००० जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं और मार्च २०२७ तक इनकी संख्या बढ़कर २५,००० हो जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जन औषधि केंद्रों ने पिछले दस वर्षों में देश का १०,००० करोड़ रुपये बचाया है।

बिजली उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका, प्रति यूनिट इतनी बढ़ेगी दर

रांची (एजेंसी): झारखंड के बिजली उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है। दरअसल झारखंड में बिजली की दर में बढ़ोतरी हो सकती है। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में बिजली टैरिफ निर्धारित करने को लेकर कार्यवाही शुरू हो गयी है। जानकारी के मुताबिक जेबीवीनएल ने घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली की दरों में प्रति यूनिट दो रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं का बिजली दर ६.६५ रुपये प्रति यूनिट है। दो रुपये बढ़ जाने से इसकी दर ८.६५ रुपये हो जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के बिजली उपभोक्ताओं की दर भी ६.३० से बढ़ाकर ८ रुपये करने का प्रस्ताव है।

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली टैरिफ पर जनसुनवाई की प्रक्रिया आरंभ करेगा। इसकी शुरुआत १९ मार्च को चाईबासा में होगी। इसके बाद २० को धनबाद, २१ मार्च को देवघर, २४ मार्च को डाल्टेनगंज और २५ मार्च को रांची में जनसुनवाई होगी। २६ मार्च को राज्य विद्युत सलाहकार समिति की बैठक में टैरिफ पर सहमति ली जाएगी। ३१ मार्च को नये टैरिफ की घोषणा संभव है, जो १ अप्रैल २०२५ से लागू हो जाएगी।

बिजली टैरिफ के अलावा फिक्सड चार्ज भी १०० रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर २०० रुपये करने का प्रस्ताव है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों का फिक्सड चार्ज भी ७५ रुपये से बढ़ाकर १५० रुपये करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा डीएस एचटी यानी कि आवासीय कॉलोनी या अपार्टमेंट का बिजली दर भी ६.२५ रुपये प्रति यूनिट से बढ़ाकर ९.५० रुपये करने का प्रस्ताव है. वहीं, फिक्सड चार्ज १५० से बढ़ाकर २५० रुपये होगा. वहीं, कमर्शियल उपभोक्ताओं की दर में भी ४.९० प्रति यूनिट की दर से बढ़ेगा

महिलाओं ने पारंपरिक धरोहर और लोकसंस्कृति को जीवंत बनाए रखा है:अंबा प्रसाद

रांची (एजेंसी): बड़कागांव की पूर्व विधायक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव, पश्चिम बंगाल सह प्रभारी अंबा प्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व संध्या पर महिलाओं के लिए शुभकामना संदेश दिया है।

अंबा प्रसाद ने महिलाओं को पारंपरिक धरोहर को जीवंत बनाए रखने का सूत्रधार बताते हुए कहा कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी लोकसंस्कृति को बचाने और उसे एक नए आयाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

झारखंड की लोक संस्कृति, जिसमें पारंपरिक लोककला, लोकगीत, नृत्य, हस्तशिल्प, खानपान और रीति-रिवाज शामिल हैं, को संरक्षित और संवर्धित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने न केवल अपनी पारंपरिक धरोहर को जीवंत बनाए रखा है, बल्कि उसे समकालीन संदर्भों में पुनर्परिभाषित भी किया है, जिससे यह आजीविका और स्वावलंबन का साधन बना है।

आगे उन्होंने कहा कि महिलाओं ने सोहराय, कोहबर, जादोपटिया, पिठोरा चित्रकला जैसी

पारंपरिक कलाओं को संजोया है और इन्हें नए माध्यमों पर प्रस्तुत कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। लाख की चूड़ियां, टसर सिल्क कढ़ाई, बांस और लकड़ी के हस्तशिल्प में उनका योगदान सराहनीय है।

महिलाओं ने लोकगीत और नृत्य की विरासत को जीवंत बनाए रखी

महिलाएं पारंपरिक करमा, सरहुल, फगुआ, सोहर जैसे लोकगीतों और झूमर, छऊ, पाइका जैसे लोकनृत्यों को संरक्षित कर रही हैं। इन सांस्कृतिक विधाओं को वे न केवल पारंपरिक आयोजनों में निभा रही हैं, बल्कि सांस्कृतिक महोत्सवों और मंचों पर भी प्रस्तुत कर रही हैं।

सरहुल, करमा, माघी, टुसु, सोहराय जैसे पारंपरिक पर्वों में महिलाओं की भागीदारी लोक संस्कृति को सहेजने में सहायक रही है। ये पर्व सामुदायिक एकजुटता और प्रकृति के प्रति सम्मान को दर्शाते हैं। महिलाओं ने धुसका, पिट्ठा, चिल्का, महुआ लड्डू, सत्तू पराठा जैसे पारंपरिक व्यंजनों को न केवल पारिवारिक स्तर पर बनाए रखा, बल्कि इनके व्यवसायीकरण के माध्यम से आजीविका भी अर्जित की है।

झारखंड की महिलाएं सरस मेला, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कला महोत्सवों में भाग लेकर अपनी संस्कृति को व्यापक पहचान दिला रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के तारीफों के पुलिंदे बांधते हुए कहा कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी लोक संस्कृति को बचाने और उसे एक नए आयाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह प्रयास न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संजोने में मददगार है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का भी माध्यम बन रहा है। इन पहलों को और प्रोत्साहन देकर झारखंड की समृद्ध परंपराओं को भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

2 रुपये के लिए 10वीं के छात्र की बेरहमी से हत्या

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सोनारी ग्वाला बस्ती के रहने वाले १०वीं के छात्र की चापड़ से काटकर हत्या कर दी गयी है। मृतक की पहचान शिवम कुमार सिंह (२०) के रूप में हुई है। उसका शव गुरुवार सुबह कपाली के कमारगोड़ा इलके की झाड़ियों में मिला है। बताया जा रहा है कि उसे सिर्फ २ रुपये के लिए चापड़ से बेरहमी से मार दिया गया।

सीएम हेमंत सोरेन से मिले सांसद शत्रुघ्न सिन्हा झारखंड में सिनेमा की संभावनाओं पर की चर्चा

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आज लोकसभा सांसद और भारतीय अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ उन्होंने झारखंड राज्य में फिल्मों के निर्माण एवं शूटिंग की संभावनाएं, स्थानीय कलाकारों को बेहतर

प्लेटफार्म उपलब्ध कराने समेत कई विषयों पर चर्चा की।

पुलिस चेकिंग देख भाग रहे 2 युवकों ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर के परसुडीह थाना से महज १०० मीटर की दूरी पर गुरुवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान बी. वेद स्वरण (६४ वर्ष) के रूप में हुई है, जो टिनप्लेट रोड नंबर १० के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, बी. वेद स्वरण वृद्धा पेंशन के काम से जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय गए थे। काम पूरा कर जब वे कार्यालय के मुख्य द्वार से बाहर निकल रहे थे, तभी करनडीह की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार २ युवकों ने अचानक परसुडीह थाना के पास पुलिस चेकिंग देखकर यू-टर्न ले लिया। इसी दौरान उनकी बाइक बी. वेद स्वरण की स्कूटी से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वेद स्वरण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। फिलहाल, इस मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं की गई है। हालांकि, पुलिस बाइक सवार युवकों की पहचान करने में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष चुने जाने पर इरफान अंसारी ने बाबूलाल मरांडी से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

रांची (एजेंसी): भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने और नेता प्रतिपक्ष बनने पर झारखंड के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने विधानसभा में बाबूलाल मरांडी से मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर इरफान अंसारी ने कहा, आपकी यह नई जिम्मेदारी लोकतंत्र और सशक्त विपक्ष को मज़बूत करने में सहायक सिद्ध हो, यह मेरी कामना है। साथ ही, राज्य हित में लिए गए फैसलों पर सत्ता पक्ष को विपक्ष का भरपूर सहयोग मिलेगा, ऐसी अपेक्षा करता हूं। उन्होंने बाबूलाल मरांडी के उज्वल कार्यकाल की कामना भी की और उम्मीद जताई कि उनकी नेतृत्व क्षमता से विधानसभा में सकारात्मक बहस और रचनात्मक विपक्ष की भूमिका देखने को मिलेगी।

जल्द लागू होगी पेसा नियमावली : दीपिका पांडेय सिंह

रांची (एजेंसी): ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विश्वास दिलाया है कि राज्य के जनजातीय इलाकों के लिए जल्द ही पेसा कानून लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि २०२२ में ही पेसा नियमावली बनायी गयी थी। उस पर कुल २६२ सुझाव आए। इनमें १४५ सुझावों को नियमावली में शामिल किया गया है। नियमावली को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के साथ विमर्श के बाद इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा और राज्य में पेसा कानून लागू हो जाएगा। दीपिका पांडेय सिंह शुक्रवार को सदन में ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज व वन एवं पर्यावरण विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा के बाद जवाब दे रही थी। विपक्ष के बहिष्कार के बीच ग्रामीण विकास विभाग का ९८४१ करोड़ ४१ लाख ६१००० रुपए की अनुदान मांग को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। दीपिका पांडेय सिंह ने ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों को शिडयुल रेट से कम पर लेकर पेटी कंट्रैक्ट के तहत काम कराए जाने की विकसित हो रही प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस आशय का प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में पास किया जाएगा। चर्चा के क्रम में सदस्यों का कहना था कि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर ले रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेषांश

महिला विधायकों ने की---

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरकार महिला सशक्तिकरण के नए आयाम स्थापित करने के लिए तत्पर है और महिलाओं की भागीदारी से झारखंड को एक मजबूत राज्य बनाने का संकल्प लिया गया।

होली से पहले केंद्र---

सातवें वेतन आयोग के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनर्स के लिए महंगाई राहत में ३ फीसदी की बढ़ोतरी की है। इससे डीए और डीआर दोनों ५३ फीसदी हो गए हैं। संशोधित दरें १ जुलाई, २०२४ से लागू होनी थीं। अब एक बार फिर बढ़ोतरी का इंतजार है। जनवरी २०२५ में केंद्र ने ८वें वेतन आयोग लाने का ऐलान किया था। अगले साल तक इसे लागू करने की उम्मीद है। ८वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा के बाद से, कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन और पेंशन में उछाल आ सकता है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि ८वां वेतन आयोग लागू होने के बाद सरकार पुराने भत्ते को खत्म करके नए भत्ते की शुरुआत कर सकती है। इससे कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ा लाभ हो सकता है।

हरियाणा में सेना का---

की सद्भाई जानने के लिए वायुसेना ने जांच का आदेश दे दिया है। वायु सेना की तरफ से पूरी घटना की गहन जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी कोई दुर्घटना न हो। ऐसे हालात में अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी जाती है और आगे किसी भी कार्रवाई के लिए जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

बाबा बैद्यनाथ धाम में 'हरिहर मिलन' की अनूठी परंपरा

देवघर (एजेंसी): झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में होली के अवसर पर एक विशेष धार्मिक परंपरा निभाई जाती है, जिसे 'हरिहर मिलन' के नाम से जाना जाता है। यह परंपरा द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से सर्वश्रेष्ठ माने जाने वाले बाबा बैद्यनाथ धाम में होली से पहले मनाई जाती है। 'हरि' का मतलब भगवान विष्णु और 'हर' का मतलब देवाधिदेव महादेव है।

मान्यता है कि 'हरिहर मिलन' के साथ ही देवघर और आसपास के इलाकों में होली का पावन पर्व शुरू हो जाता है। इस साल यह आयोजन १३ मार्च को होगा। 'हरिहर मिलन' का महत्व यह है कि पौराणिक धर्मग्रंथों और बाबा मंदिर के तीर्थ पुरोहितों के अनुसार, इस दिन ही बाबा बैद्यनाथ देवघर पधारे थे।

इसके पीछे एक पौराणिक कथा भी है। तीर्थ पुरोहित प्रभाकर शांडिल्य बताते हैं, हरिहर मिलन के दिन ही महादेव देवघर पधारे थे। इसके पीछे रावण से जुड़ी एक कथा है। रावण ने भगवान शिव से आग्रह

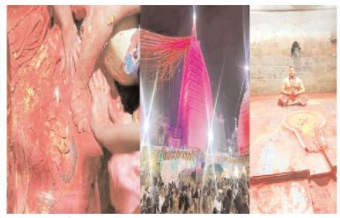

किया था कि वे लंका यात्रा पर उनके साथ चलें। भगवान शिव रावण की भक्ति से प्रसन्न हुए और शिवलिंग के रूप में लंका जाने के लिए तैयार हो गए, लेकिन शर्त यह थी कि रावण लंका यात्रा के दौरान कहीं भी शिवलिंग नहीं रखेगा। ऐसा करने पर शिवलिंग वहीं स्थापित हो जाएगा।

उन्होंने बताया, रावण शिवलिंग लेकर लंका जा रहे थे, इस दौरान भगवान विष्णु जी वृद्ध ब्राह्मण के रूप में नीचे खड़े थे। जब रावण को लघुशंका लगी, तो वह बैद्यनाथ धाम में उतरे। यहां माता सती का हृदय गिरा था, और भगवान विष्णु की योजना के कारण रावण को शिवलिंग को वहीं रखना पड़ा। भगवान विष्णु ने शिवलिंग को ग्रहण किया और उसे देवघर में स्थापित कर दिया। इसी कारण देवघर में महादेव और माता सती का मिलन हुआ।

'हरिहर मिलन' के दिन भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा एक बार बाहर निकलती है। वह बैजू मंदिर के पास जाकर झूला झूलते हैं और आनंदित होकर परमानंद महादेव के पास आते हैं। इसके बाद दोनों देवता एक साथ गुलाल खेलते हैं। प्रभाकर शांडिल्य ने बताया, इस दिन भगवान को भोग चढ़ाया जाता है, और खासतौर पर मालपुआ चढ़ाया जाता है। भक्त और दोनों देवता एक-दूसरे को गुलाल चढ़ाते हैं। इस दिन गुलाल को प्राकृतिक रंग माना जाता है, इसलिए भगवान को गुलाल समर्पित किया जाता है। हरिहर मिलन' के इस विशेष आयोजन से न केवल देवघर की धार्मिक महत्ता बढ़ती है, बल्कि यह पूजा परंपरा भी भक्तों के बीच एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव का कारण बनती है।

होटल से 3 अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार नेटवर्क और सहयोगियों को तलाश रही पुलिस

रांची (एजेंसी): पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बोरेया रोड स्थित मुंडा होटल परिसर में कुछ अपराधी हथियारों के साथ इकट्ठा हो रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने होटल को घेरकर छापेमारी की। इस दौरान होटल परिसर और उसके आस-पास से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान दीपक कुमार सिंह, अंकित कुमार सिंह और अंशु कुमार सिंह के रूप में हुई है। इनके पास से एक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, ५०,००० रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, तीनों अपराधी पूर्व में भी कई आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं और इनके खिलाफ विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। बरियातू थाना में इनके खिलाफ १४९/२२, २११/२२ और १७५/२३ जैसे संगीन अपराधों के केस दर्ज हैं। इस छापेमारी अभियान में संजय कुमार बेसरा (पुलिस उपाधीक्षक), मनोज कुमार पुराणिक (थाना प्रभारी बरियातू), अनुज तिग्गा, कंवर कुमार, अर्जुन कुमार सिंह और थाना सरहस बल के जवान शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों को ७ मार्च २०२५ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही है।

भारत-न्यूजीलैंड फाइनल

टीम इंडिया को इस 'गोल्फर' मचेल सैंटनर से सबसे बड़ा खतरा, गुच्छों में लेगा कई विकेट!

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस महामुकाबले में रोहित शर्मा की टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के एक ऐसे खिलाड़ी से सबसे ज्यादा खतरा होगा जो खुद को 'फुल टाइम गोल्फर' बताता है। यह कोई और नहीं बल्कि कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर हैं, जो अपनी फिरकी से भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मिचेल सैंटनर क्यों हैं भारत के लिए बड़ा खतरा?

न्यूजीलैंड के कप्तान और स्टार ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक 4 मैचों में 7 विकेट अपने नाम किए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है। खास बात यह है कि सैंटनर का भारत के खिलाफ रिकॉर्ड भी शानदार रहा है।

भारत के खिलाफ सैंटनर का दमदार प्रदर्शन

- ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ 31 गेंदों में 28 रन की अहम पारी खेली थी।
- गेंद से भी लगातार प्रभावी रहे हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट झटके हैं।
- सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन बड़े विकेट लेकर टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।
- दबाव में खेलना जानते हैं और फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में गेम पलटने का माद्दा रखते हैं।

रचिन और विलियमसन भी हैं फॉर्म में

न्यूजीलैंड की टीम में केवल सैंटनर ही नहीं बल्कि रचिन रविंद्र और केन विलियमसन भी शानदार लय में हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने टूर्नामेंट में कई शानदार पारियां खेली हैं और भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

भारत के लिए जीत की कुंजी

अगर टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी है तो न्यूजीलैंड के इन खिलाड़ियों को जल्द से जल्द पवेलियन भेजना होगा। खासतौर पर मिचेल सैंटनर को जल्दी आउट करना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि वह गेंद और बल्ले दोनों से मैच का रुख पलट सकते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के लिए खुशखबरी

दुबई स्टेडियम के आसपास भी नहीं दिखेगा ये 'पनौती-रिचर्ड केटलब्रो'

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच होना है। यह मुकाबला 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। आईसीसी ने इस मैच के लिए अंपायर्स की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के पॉल रीफेल और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए मैदानी अंपायर होंगे जबकि श्रीलंका के रंजन मदुगले मैच रेफरी होंगे।

धर्मसेना भी मैच का हिस्सा होंगे

58 साल के ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज रीफेल लाहौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के सेमीफाइनल के दौरान मैदानी अंपायरों में से एक थे। वेस्टइंडीज के जोएल विल्सन तीसरे अंपायर की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीलंका के कुमार धर्मसेना खिताबी मुकाबले में चौथे अंपायर होंगे। धर्मसेना एकमात्र क्रिकेटर हैं जो अंपायर और

खिलाड़ी के रूप में वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले का हिस्सा रह चुके हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर 61 वर्षीय इलिंगवर्थ दुबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के अंतिम-चार मुकाबले का हिस्सा थे। चार बार के 'आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर' रह चुके इलिंगवर्थ भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में भी अंपायर रहे थे। वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप मैच में भी अंपायर थे जिसमें भारत ने 44 रन से जीत दर्ज की थी।

रिचर्ड केटलब्रो से मिला छुटकारा - रिचर्ड केटलब्रो जब आईसीसी के नॉकआउट मुकाबलों में मैदान पर होते हैं तो भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं होता। वह 2014 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल, 2015 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2016 टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में मैदानी अंपायर थे। 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में वह मैदान पर नहीं थे। टीवी अंपायर की भूमिका में थे और टीम इंडिया जीती थी। इस बार तो वह स्टेडियम में ही नहीं होंगे।

मैच ऑफिसियल्स की सूची

मैदानी अंपायर - पॉल रीफेल और रिचर्ड इलिंगवर्थ
तीसरे अंपायर - जोएल विल्सन
चौथे अंपायर - कुमार धर्मसेना
मैच रेफरी - रंजन मदुगले।

केन विलियमसन बनाम भारतीय स्पिनर

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में रोचक होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। फॉर्म में चल रहे भारतीय स्पिनरों और न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज केन विलियमसन के मुकाबले पर भी चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में सभी की नजरें होंगी और यह मैच का निर्णायक पहलू भी साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी वर्ष 2000 में जीती थी जब भारत को चार विकेट से हराया था। इसके बाद से आईसीसी 50 ओवरों के खिताब के लिये टीम इंतजार कर रही है।

दूसरी ओर भारत ने 2013 के बाद से चैम्पियंस ट्रॉफी नहीं जीती है और इस मैच में टीम फिर चार स्पिनर उतार सकती है। फाइनल मैच दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की उसी पिच पर खेला जायेगा जिस पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच हुआ था। उसमें स्पिनरों को काफी मदद मिली थी। ऐसे में हालात के अनुकूल ढलने का विलियमसन का कौशल और तकनीकी महारत न्यूजीलैंड के लिये अहम होगी। भारत के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में 81 रन बनाकर वह इसे फिर साबित कर ही चुके हैं।

न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड का मानना है कि भारत का चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे खिलाफ शायद वह इसी रणनीति को अपनाएंगे लेकिन हमारे पास भी चार स्पिनर हैं। हमारी टीम संतुलित है लेकिन चौतरफा स्पिन आक्रमण चुनौतीपूर्ण होगा। उनके पास बेहतरीन स्पिनर हैं।

उन्होंने कहा, 'हमें हालात के अनुरूप ढलना होगा और हमारे सभी बल्लेबाज अपनी रणनीति बनाकर भारतीय स्पिनरों के सामने उतरेंगे। भारत के वरूण चक्रवर्ती के पास विविधता है जिसमें लेग ब्रेक और सीम लेती गेंदें शामिल हैं। उन्होंने मिचेल सेंटनेर को 113 किमी की रफ्तार वाली गेंद पर आउट किया था। ऐसे में स्टीड की रणनीति का अहम हिस्सा विलियमसन होंगे जिन्होंने वनडे क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ 47 की औसत से 2952 रन बनाये हैं।

स्टीड ने कहा, 'वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और कई बार न्यूजीलैंड के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है। क्रिकेट के खेल में रनों की गारंटी नहीं होती लेकिन मुझे पता है कि केन रन बनाने की पूरी कोशिश करेगा। वह दुनिया के चुनिंदा क्रिकेटरों में से है जिनमें विभिन्न पिचों के अनुरूप ढलने की कमाल की काबिलियत है।

सीनियर स्तर पर शानदार पदार्पण के बाद साक्षी की नजरें जूनियर विश्व कप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम के साथ सफल पदार्पण के बाद युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा अब अपनी रफ्तार पर काम कर रही है और उनकी नजरें चिली में इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन पर लगी है। सत्रह वर्ष की साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में गोल किया हालांकि भारत वह मुकाबला 3.4 से हार गया था।

साक्षी ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी लिहाजा इसे लेकर बहुत खुश हूं। मैं मैच से पहले इतनी नर्वस नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन किया और मुझे कहा कि तुम्हारे पहले मैच में कोई गलती नहीं है लिहाजा खुलकर खेलो।

उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लिया और जब हर कोई चिल्लाने लगा तो मुझे अहसास हुआ कि गोल हो गया है। साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे लगा कि रफ्तार कितनी अहम है। मुझे मैदान पर तेज रफ्तार रहना होगा चूंकि मैं फॉरवर्ड पंक्ति में हूं। अब मैं इस पर काम कर रही हूं।

साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि भारत को एक और पदक दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हूं।

डेविड मिलर ने उठाए चैंपियन्स ट्रॉफी के शैड्यूल पर सवाल, बोले- यह अच्छी बात नहीं

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान और दुबई के बीच दो बार यात्रा करने के कारण चैंपियन्स ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल के कार्यक्रम से निराश दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर अब भारत के खिलाफ टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मिलर ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के दौरान शानदार शतक जड़ा था। मिलर के कहा कि मैं आपके साथ ईमानदारी बरतूंगा। मुझे लगता है कि मैं न्यूजीलैंड का समर्थन करूंगा।

कराची में ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलने के तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम को अगली सुबह तड़के दुबई के लिए उड़ान पकड़नी पड़ी। हाइब्रिड मॉडल पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए ग्रुप चरण के मैच के परिणाम आने तक दुबई में डेरा डालना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहा था और भारत के ग्रुप ए में चोटी पर रहने के कारण उसे सेमीफाइनल खेलने के लिए वापस पाकिस्तान लौटना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की 50 रन की हार के दौरान शतक जड़ने वाले मिलर ने कहा कि कार्यक्रम आदर्श नहीं है।

मिलर ने कहा कि यह भले ही एक घंटे और 40 मिनट की उड़ान है लेकिन कहने का मतलब यह है कि हमें ऐसा करना पड़ा। मैच के तुरंत बाद अगली सुबह हमें तड़के विमान पकड़ना पड़ा ताकि हम सही समय पर दुबई पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि और सुबह 7.30 बजे हमें वापस आना पड़ा। यह अच्छी स्थिति नहीं थी। ऐसा नहीं है कि हमने 5 घंटे की उड़ान भरी और हमारे पास मैच के लिए पूरी तरह तैयार होने के लिए पर्याप्त समय था। लेकिन फिर भी यह कोई आदर्श स्थिति नहीं थी। फाइनल रविवार को दुबई में खेला जाएगा।

मिलर की यह टिप्पणी उनके साथी रासी वान डेर डुसेन के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने से भारत को फायदा होने का जिक्र किया था। मिलर चाहते हैं कि भारत के खिलाफ फाइनल को न्यूजीलैंड जीते लेकिन उन्हें इस मैच के काफी करीबी होने की उम्मीद है। मिलर ने कहा कि दोनों ही बहुत अच्छी टीम हैं। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि उनकी टीम कितनी अच्छी है। वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास वास्तव में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। यह शानदार मुकाबला होगा। दक्षिण अफ्रीका पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल में भारत से हार गया था और बुधवार को एक बार फिर नॉकआउट मैच में हारकर आईसीसी खिताब जीतने से महरूम रहा।

आज जीत के साथ अभियान खत्म करने आरसीबी के खिलाफ उतरेंगे यूपी वारियर्स

लखनऊ (एजेंसी)। टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर खड़ी यूपी वारियर्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ मैच में जीत के साथ महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र से विदा लेना चाहेगी और इसके लिये मध्यक्रम के उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यूपी की टीम ने कई मौके गंवाये और एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।

सात मैचों में महज चार अंक के साथ वह तालिका में सबसे नीचे है और तकनीकी दौर पर ही दौड़ में बनी हुई है। गत चैम्पियन आरसीबी के लिए भी यह सत्र कठिन रहा और उसके छह मैचों में चार ही अंक है। वह लगातार चार मैचों में पराजय झेल चुकी है। वैसे उनके पास अभी एक मैच और है जिससे प्लेआफ की उम्मीदें बनी हुई है।

स्मृति मंधाना की टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार की यादें अभी भी ताजा है और उनका लक्ष्य बदला चुकता करने का भी होगा। यूपी की टीम बार बार के बदलावों से उबर नहीं सकी और उसका बल्लेबाजी क्रम स्थिर नहीं हो पाया है। पिछले तीन मैचों में शीर्षक्रम में काफी बदलाव किये गए। उन्होंने कम से कम एक विदेशी बल्लेबाज से पारी का आगाज कराया लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

भारत की किरण नवगिरे शीर्ष तीन में हमेशा रही लेकिन मिली जुली सफलता मिली। ग्रेस हैरिस ने एक अहम पारी खेली और पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जॉर्जिया वोल चमकी। यूपी का मध्यक्रम हालांकि एक टीम के रूप में नाकाम रहा और ना तो बड़ा स्कोर बन सका और ना ही लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब रहे।

यूपी की कप्तान दीप्ति शर्मा ने कहा, 'हम मध्यक्रम में लगातार गलतियां कर रहे हैं। हमारा शीर्ष और निचला क्रम अच्छा खेल रहा है लेकिन मध्यक्रम पर फोकस करना होगा। उम्मीद है कि आखिरी मैच में वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। यूपी वारियर्स ने इस सत्र में सर्वोच्च स्कोर 180 रन आरसीबी के खिलाफ ही बनाए थे। उन्होंने सुपर ओवर में वह मैच जीता था।

दूसरी ओर आरसीबी ने लगातार दो जीत के साथ शुरूआत की थी लेकिन उसके बाद लय से भटक गई। बेंगलुरू में टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी। कप्तान मंधाना को उम्मीद होगी कि जगह बदलने से किस्मत भी बदलेगी। तालिका में चौथे स्थान पर काबिज आरसीबी के बल्लेबाज पिछले दो मैचों में नाकाम रहे और मंधाना का अपना फॉर्म चिंता का विषय है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 81 रन बनाने के बावजूद वह स्पिनरों के खिलाफ जूझती नजर आई। एलिसे पैरी भी लगातार अच्छा नहीं खेल सकी इसी तरह आरसीबी के गेंदबाज भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। उन्होंने पिछले मैच में सात गेंदबाजों को आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली।

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने टूर्नामेंट में अभी तक 10 विकेट लिए हैं जबकि स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने 9 विकेट चटकाए हैं। लेकिन दोनों सही लाइन और लैंग्थ से गेंदबाजी नहीं कर पाई हैं। स्पिनर एकता बिष्ट और कनिका आहूजा भी बीच के ओवरों में उतना प्रभावित नहीं कर पाई।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू - स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हीथर ग्राहम, वीजे जोशीथा, सब्बिनेनी मेघना, नजहत परवीन, जगरावी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेरेहम, डैनी व्याट-हॉज।

यूपी वारियर्स - दीप्ति शर्मा (कप्तान), अंजलि सरवानी, चमारी अथापथु, उमा छेत्री, सोफी एक्लेस्टोन, राजेश्वरी गायकवाड़, अरुशी गोयल, क्रांति गौड़, ग्रेस हैरिस, चिनेले हेनरी, पूनम खेमनार, अलाना किंग, ताहलिया मैकग्रा, किरण नवगिरे, श्वेता सहरावत, गौहर सुल्ताना, साइमा ठाकोर, दिनेश वृंदा।

अंपायर के फैसले पर असहमति जताना पड़ा भारी

मुंबई इंडियंस की कप्तान पर लगा जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर गुरुवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डब्ल्यूप्रीमियर लीग ने अपने बयान में कहा कि हरमनप्रीत ने अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। यह घटना अंतिम ओवर में हुई, जब मैदानी अंपायर ने नियम के अनुसार फील्डिंग प्रतिबंध लगाते हुए मुंबई को धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया। इसके लिए मुंबई को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन क्षेत्ररक्षक रखने थे। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत फैसले से स्पष्ट रूप से नाखुश थीं और उन्होंने अंपायर अजितेश अर्गल से इस फैसले को चुनौती देने के लिए कहा। इस बीच, अंतिम ओवर फेंकने वाली ऑलराउंडर अमेलिया केर भी इस फैसले से काफी परेशान दिखीं। जैसे ही स्थिति बदली नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़ी इंग्लैंड की क्रिकेटर सोफी एक्लेस्टोन ने अंपायर से अपनी राय जाहिर की। इस पर हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके दौरान रुष्ट कप्तान को उन पर उंगली उठाते हुए देखा गया।

रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना ??है कि रोहित शर्मा को सिर्फ 25-30 रन बनाकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए और लंबी पारी खेलने पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि क्रीज पर उनकी मौजूदगी भारत के लिए मैच का रूख बदलने वाला असर डाल सकती है।

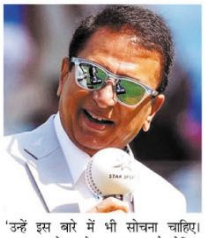

गावस्कर ने कहा, '(अगर) वह (रोहित शर्मा) 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180-200 रन के आसपास होगा। सोचिए कि अगर उन्होंने तब तक सिर्फ दो विकेट खो दिए तो जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं। वे 350 रन या इससे अधिक के स्कोर तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा,

'उन्हें इस बारे में भी सोचना चाहिए। आक्रामक होकर खेलना एक बात है, लेकिन 25-30 ओवर तक बल्लेबाजी करने का मौका देने के लिए थोड़ा संयम से खेलना चाहिए। अगर वह ऐसा करता है तो वह विपक्षी टीम से मैच छीन सकता है। इस तरह का असर मैच जीतने वाला होता है।

रोहित ने टूर्नामेंट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः 20, 15 और 28 रन बनाए हैं। गावस्कर ने कहा, 'साथ ही मुझे लगता है कि बतौर बल्लेबाज क्या आप 25-30 रन बनाकर खुश हैं? आपको खुश नहीं होना चाहिए! इसलिए मैं उनसे यही कहूंगा कि अगर आप सिर्फ सात से नौ ओवर के बजाय 25 ओवर तक बल्लेबाजी करते हैं तो इससे टीम पर काफी अच्छा असर पड़ेगा।

दुबई में ग्रुप ए का अंतिम मैच खेलने के बाद भारत और न्यूजीलैंड रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में फिर से आमने-सामने होंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने न्यूजीलैंड की जीत का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी टीम में कुछ ऐसे मजबूत क्रिकेटर हैं जो दबाव में नहीं आयेंगे। हुसैन ने कहा, 'वे दबाव में नहीं आएंगे। हम पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आरोन फिंच के साथ रात्रिभोज कर रहे थे और उन्होंने बहुत अच्छी बात कही कि न्यूजीलैंड कभी भी दबाव में लाकर खुद को हराने वाली टीम नहीं है। टीम शानदार प्रदर्शन करेगी।

रोहित को मोटा कहने वाली कांग्रेस नेता ने शमी के रोजा ना रखने पर समर्थन किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट स्टार रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रोजा ना रखने पर समर्थन किया है। शमी की भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से दौरान एनर्जी ड्रिंक पीने वाली फोटो वायरल हुई थी जिसके बाद यह सारा मामला सामने आया। विवाद तब शुरू हुआ जब ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मोहम्मद शमी को रोजा न रखने के लिए 'अपराधी' कह डाला।

इसके बाद शमी के परिवार वाले और कोच ने उनका समर्थन किया। अब शमी के समर्थन में उतरते हुए शमा मोहम्मद ने कहा कि इस्लाम में कोई भी इस बात पर जोर नहीं देता कि जब आप कोई खेल खेल रहे हों, तो आपको रोजा रखना ही होगा।

महिला दिवस पर सिर्फ एक दिन ही क्यों हो सम्मान...?

हर साल महिला दिवस के नाम पर एक दिवस आता है और हम खुद को समुचा उड़ेल देते हैं, नारों, भाषणों, सेमिनारों और आलेखों में। बड़े-बड़े दावे, बड़ी-बड़ी बातें, बड़ी-बड़ी कल्पनाएं। लेकिन इन बड़ी बातों के पीछे का यथार्थ इतना क्रूर, कि एक कोई घटना तमाचे की तरह गाल पर पड़ती है और हम फिर बेबस, असहाय, अकिंचन से हो जाते हैं । महिला दिवस हम सभी का अस्मिता दिवस है। गरिमा दिवस या जागरण दिवस कह लीजिए। उन जुझारू और जीवट महिलाओं की स्मृति में मनाया जाने वाला जो काम के घंटे कम किए जाने के लिए संघर्ष करती हुई शहीद हो गईं। इतिहास में महिलाओं द्वारा प्रखरता से दर्ज किया गया वह पहला संगठित विरोध था। फलतः 8 मार्च नियत हुआ महिलाओं की उस अदम्य इच्छाशक्ति और दृढ़ता को सम्मानित करने के लिए।

हर साल 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। मैं कहती हूं कि विश्वभर को महिला दिवस मनाने की आवश्यकता ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में देवी की पूजा नहीं होती है। भारत में कई रूपों में देवियों का पूजन किया जाता है। देवी दुर्गा, माता पार्वती, मां भगवती, मां बगलामुखी, माता कालिका या फिर अन्य कई देवियों का पूजन ही क्यों न हो? हमारा देश देवी को पूजता भी है और हमारे सम्माननीय नारियों और देवियों के लिए नतमस्तक भी है। लेकिन फिर भी हमें महिला दिवस नहीं मनाना चाहिए, क्योंकि जहां मां, पुत्री, बेटी, लड़की, महिला या स्त्री के शील धर्म की रक्षा नहीं की जा सकती, वहां महज एक दिन महिलाओं के प्रति वफादारी दिखाने का क्या औचित्य है?

बात सिर्फ इतनी ही नहीं है, जहां गर्भ में आते ही बेटियों को मार दिया जाता है, वो तो इस सबसे ऊपर बहुत अधिक भयावह और लज्जित होने वाली बात है। हमें इस बात के प्रति सजग होते हुए गर्भ में पल रहीं बेटियों की रक्षा करनी चाहिए ताकि आने वाले समय में भारत कहीं बेटियों के स्नेह और प्यार से वंचित न रह जाएं।

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आते ही सिर्फ एक दिन के लिए महिलाओं का गुणगान करके उन्हें सम्मान देना और दूसरी ओर उनको छलना, उनके साथ कपट भाव रखना, रास्ते चलते छेड़छाड़ करना, स्त्री को लज्जित करना, शराब पीकर महिलाओं के साथ मारपीट करना यह सब हमें शोभा नहीं देता। इससे अच्छा यही होगा कि हम महिला दिवस मनाना ही भूल जाएं।

अगर सच में हमारे मन में महिलाओं के प्रति आदर और सम्मान है, तो सबसे पहले हमें चाहिए कि हम उन मां, बहन, बेटियों, बहुओं और उन मासूम बच्चियों के प्रति अपना नजरिया बदलें और उन्हें हीन दृष्टि से देखना बंद करें। पराए घर की किसी महिला या लड़की को हम हमारी घर की बेटी समझकर उन्हें भी उसी नजरिए देखें, जो नजरिया हम अपनी मां और बहनों के लिए रखते करते हैं।

महिला दिवस मनाने का केवल यह मतलब नहीं है कि एक दिन तो बहुत ऊंचे स्थान पर बैठाकर मान-सम्मान दे दिया जाए और दूसरे ही दिन राह चलती लड़कियों से छेड़खानी शुरू कर दी जाए। यहां युवा तो युवा, बुजुर्ग भी इन मामलों में पीछे नहीं हैं। रास्ते चलते लड़कियों पर फब्तियां कसना इनकी आदत शुमार में है और सबसे ज्यादा शर्मनाक बात तो तब हो जाती है, जब हैवानों का दल 3-5 साल की मासूम बच्चियों को भी अपना निशाना बनाने में नहीं चूकते और मौका देखते ही उनका शीलहरण करके उन्हें नारकीय जीवन में पहुंचा देते हैं।

कभी टॉफी का लालच देकर तो कभी अन्य बहानों से बहला-फुसलाकर अपने गंदे नापाक इरादों को उन मासूमों पर थोप दिया जाता है। चाहे वो फिर अपने पड़ोसी की जान-पहचान की बच्ची हो या फिर कोई और उन्हें इस कदर रौंद दिया जाता है कि वे न जीने लायक बचती है और न ही समाज में अपना मुंह किसी को दिखाने लायक। हमारे प्रोफेशनल समाज को चाहिए कि वह इस तरह दरिंदगी का शिकार हुई बच्चियों और महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदले और उन्हें अपने घरों में बेटी या बहुओं का स्थान देने की पहल करें। महिला दिवस सिर्फ एक दिन मनाकर अपने कर्तव्य से इतिश्री न करें, महिला के मान-सम्मान के प्रति हर दिवस, हर पल सजग रहें ताकि किसी भी घर की बेटी, बहू या और कोई भी हो उसके साथ कुछ भी, कहीं भी गलत न हो सके। इसके लिए पुरुषों को इस मामले में ठोस कदम उठाना चाहिए, क्योंकि नारी सम्मान की बात घर से ही शुरू की जानी चाहिए ताकि बाकी भी इस सम्मान को बरकरार रखने में पूरी तरह सहयोग दे सकें।

आज महिलाएं, युवतियां घर की चहारदीवारी से बाहर निकलकर हर क्षेत्र में जहां अपना परचम बखूबी लहरा रही हैं, वहीं अगर पुरुष वर्ग भी उनके प्रति अपना नजरिया बदल देंगे तो निश्चित ही भारत की हर बेटी-बहू का मान-सम्मान, इज्जत-आबरू की रक्षा होगी। इतना ही नहीं, कोई भी उनके प्रति गलत भावना अपने मन में नहीं ला पाए, ऐसा अपने मन में सौ प्रतिशत निर्णय लेकर ही निश्चय करना होगा ताकि हम इस दिवस को मनाने के योग्य बन सकें।

क्या महिलाएं उतनी आजाद और निडर हैं जितनी वे नजर आती हैं?

पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाया जाएगा। लेकिन इस दिन के साथ ही यह सवाल भी मन में उभर आता है कि क्या महिलाएं उतनी जागरुक, स्वतंत्र और निडर हो पाई हैं, जितना दिखाई देता है। क्या वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। अदालत जाने में सक्षम हैं। क्या वे अपने लिए न्याय के लिए संघर्ष कर पाती हैं।

दरअसल, अदालत जैसे कई मामलों में महिलाएं आज भी फैसले लेने के लिए उतनी सक्षम नहीं हैं, जितना वे नजर आती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि महिलाएं खुद को इतना स्वतंत्र नहीं समझतीं कि इतना बड़ा कदम उठा सकें। उनके लिए कानून की पेंचीदा गलियों में भटकना आसान नहीं। उन्हें किसी का सहारा या समर्थन भी नहीं मिलता। जिससे उन्हें घर से लेकर बाहर तक विरोध का सामना करना पड़ता है।

समाज के इस नकारात्मक वातावरण की वजह से वे अन्याय सहना चुनती हैं। कानून होते हुए भी वे उसकी मदद नहीं ले पाती हैं। आमतौर पर लोग आज भी औरतों को दोयम दर्जे का नागरिक ही मानते हैं। कारण चाहे सामाजिक रहे हों या आर्थिक, परिणाम हमारे सामने है।

आज भी दहेज के लिए हमारे देश में हजारों लड़कियां जलाई जा रही हैं। रोज न जाने कितनी ही लड़कियों को यौन शोषण की शारीरिक और मानसिक यातना से गुजरना पड़ता है। कितनी ही महिलाएं अपनी संपत्ति से बेदखल होकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

तो सूची बहुत लंबी है महिला श्रमिकों का गांव से लेकर शहरों तक आर्थिक व दैहिक शोषण होना आम बात है। अगर इन अपराधों की सूची तैयार की जाए तो न जाने कितने पन्ने भर जाएंगे। ऐसा नहीं है कि सरकार को इन अत्याचारों की जानकारी नहीं है या फिर इनसे सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है। जानकारी भी है और कानून भी हैं, मगर महत्वपूर्ण यह है कि इन कानूनों के बारे में आम महिलाएं कितनी जागरूक हैं? वे अपने हक के लिए इन कानूनों का कितना उपयोग कर पाती हैं? संविधान ने महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में कहा गया है कि कानून के सामने स्त्री और पुरुष दोनों बराबर हैं। अनुच्छेद 15 के अंतर्गत महिलाओं को भेदभाव के विरुद्ध न्याय का अधिकार प्राप्त है। संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के अलावा भी समय-समय पर महिलाओं की अस्मिता और मान-सम्मान की रक्षा के लिए कानून बनाए गए हैं, मगर क्या महिलाएं अपने प्रति हो रहे अन्याय के खिलाफ न्यायालय के द्वार पर दस्तक दे पाती हैं? साक्षरता और जागरूकता के अभाव में महिलाएं अपने खिलाफ होने वाले अन्याय के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठा पातीं। शायद यही सच भी है। भारत में साक्षर महिलाओं का प्रतिशत 54 के आसपास है और गांवों में तो यह प्रतिशत और भी कम है। तिस पर जो साक्षर हैं, वे जागरूक भी हों, यह भी कोई जरूरी नहीं है। पुराने संस्कारों में जकड़ी महिलाएं अन्याय और अत्याचार को ही अपनी नियति मान लेती हैं और इसीलिए कानूनी मामलों में कम ही रुचि लेती हैं।

हमारी न्यायिक प्रक्रिया इतनी जटिल, लंबी और खर्चीली है कि आम आदमी इससे बचना चाहता है। अगर कोई महिला हिम्मत करके कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आती भी है, तो थोड़े ही दिनों में कानूनी प्रक्रिया की जटिलता के चलते उसका सारा उत्साह खत्म हो जाता है। लेकिन महिलाओं को यह बात समझना होगी कि जो अपनी मदद खुद नहीं करता, उसकी मदद ईश्वर भी नहीं करता। अत्याचार से छुटकारा पाने के लिए खुद महिलाओं को ही आगे आना होगा। उन्हें इस अत्याचार, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठानी होगी। उन्हें यह बात जोर देकर कहनी होगी कि वे भी इंसान हैं और एक इंसान के साथ जैसा व्यवहार होना चाहिए वैसा ही उनके साथ भी किया जाना अनिवार्य है।

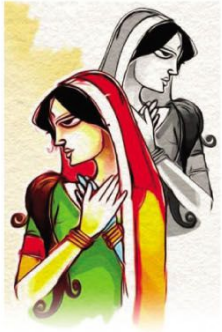

बदलते परिवेश में नारी

सदियों से नारी को एक वस्तु तथा पुरुष की संपत्ति समझा जाता रहा है। पुरुष नारी को पीट सकता है, उसके दिल और शरीर के साथ खेल सकता है, उसके मनोबल को तोड़कर रख सकता है, साथ ही उसकी जान भी ले सकता है। मानो कि उसे नारी के साथ यह सब करने का अधोषित अधिकार मिला हुआ है। मगर यह भी सच है कि अनेक नारियों ने हर प्रकार की विपरीत और कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए उन पर विजय प्राप्त की और इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। आज की बदली हुई तथा अपेक्षया अनुकूल परिस्थितियों में नारियां स्वयं को बदलने और पुरुष-प्रधान समाज द्वारा रचित बेड़ियों से स्वयं को आजाद करवाने हेतु कृतसंकल्प हैं। अब प्रश्न यह है कि नारी कितना बदले और क्यों?

वैदिक काल : वैदिक काल की नारियों ने पुरुषों के समकक्ष स्थिति का आनंद लिया। वैदिक काल की महिलाएं शिक्षित होती थीं। उनका विवाह परिपक्वता की वय में ही होता था तथा उन्हें अपने वर को चुनने की आजादी होती थी।

मध्यकाल : मध्यकाल में स्त्रियों की स्थिति में गिरावट आई। बाल विवाह, पुनर्विवाह पर रोक, बहुविवाह, राजपूत महिलाओं द्वारा जौहर, देवदासी प्रथा जैसी कुरीतियों के माध्यम से नारी जाति का शोषण आरंभ हो गया। नारियों को पर्दे के पीछे कैद कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक नारियों ने संघर्ष करते हुए राजनीति, साहित्य, शिक्षा और धर्म के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित कर सम्मान पाया। रजिया सुल्तान, गोंड रानी दुर्गावती, रानी नूरजहां, शिवाजी की माता जीजाबाई जैसी महिलाओं ने नारी जाति को गौरव प्रदान किया। मीराबाई ने भक्ति रस की धारा बहाई और वे इतिहास की एक किंवदंती बन गईं।

3.अंग्रेजी राज : अंग्रेजी राज में नारियों की स्थिति में धीमी गति से सुधार आना आरंभ हुआ। नारियों को शिक्षा पाने का अवसर मिला। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के उन्मूलन तो ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा विवाह के पक्ष में बड़ा योगदान दिया। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़कर उनके छक्के छुड़ा दिए। आजादी की लड़ाई में अनेक महिलाओं जैसे डॉ एनी बेसेंट, विजयलक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी और कस्तूरबा गांधी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सुभाष चंद्र बोस की सेना की एक कैप्टन लक्ष्मी सहगल थीं।

आजाद भारत : आजादी के बाद 1950 में जब देश को संविधान मिला तो उसमें स्त्रियों को सुरक्षा, सम्मान और पुरुषों के समान अवसर व अधिकार मिले किंतु अशिक्षा, पुरातनवादी सोच तथा कमजोर सामाजिक ढांचे के कारण नारी जाति उन अवसरों और अधिकारों का पूर्ण रूप से लाभ न उठा पाई। अपने बचपन में वह पिता, जवानी में पति तथा वृद्धावस्था में पुत्र पर निर्भर रही। पति के घर में प्रवेश करने के बाद उसकी अर्थी ही बाहर निकलती रही। मगर आजाद भारत के इतिहास को नारियों की गौरव गाथा से रीता नहीं रहना था। इंदिरा गांधी 1966 में देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं। सुचेता कृपलानी यूपी की मुख्यमंत्री, किरण बेदी प्रथम महिला आईपीएस, कमलजीत संधू एशियन गेम्स में प्रथम गोल्ड पदकधारी, बेछेंद्री पाल एवरेस्ट पर प्रथम भारतीय महिला, मदर टेरेसा को नोबेल पुरस्कार, फातिमा बीबी प्रथम महिला जज सुप्रीम कोर्ट, मेधा पाटकर सामाजिक कार्यकर्ता जैसी अनेक महिलाओं ने पुरुषवादी समाज की सोच को धता बताते हुए अपनी बुद्धिमत्ता, नेतृत्व क्षमता और सामरथ्य का परिचय दिया और इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित करवा दिया।

बदलाव की बयार : स्वतंत्रता की रजत जयंती के बाद का समय विकास का स्वर्ग साबित हुआ। देश में कम्प्यूटर तथा अन्य टेक्नोलॉजी के विकास, टीवी युग का प्रादुर्भाव, आधारभूत संरचना के साथ बड़े उद्योगों की स्थापना ने देश में विकास के कीर्तिमानों की नई इबारत लिख दी। बॉलीवुड, फैशन और मनोरंजन की दुनिया में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। नारियों तक इस नवविकास की बयार पहुंची और उनकी स्थिति में काफी महत्वपूर्ण बदलाव आया।

आज नारियां पुरुषों से किन्हीं भी मायनों में कम और घर की चहारदीवारी में कैद नहीं हैं। वे उच्च शिक्षित हैं, डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक व अंतरिक्ष यात्री हैं तथा हर तरह के उच्चतम पदों पर भी आसीन हैं। वे अपने वस्त्रों व जीवनशैली के साथ अपने जीवनसाथी का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र हैं। उनकी सुरक्षा एवं हित रक्षा के लिए संविधान में लगभग 34 एक्ट प्रभावी हैं। नारियों ने साबित कर दिया है कि वे पुरुषों के समकक्ष नहीं, बल्कि उनसे बेहतर हैं। आने वाले समय में नारी कितना बदले और क्यों? समाज की कुछ उच्च शिक्षित नारियां और उनके संगठन शायद यह समझते हैं कि मनचाहे कम वस्त्र पहनना, रोक-टोकरहित मुक्त जीवन जीना, मुक्त सेक्स की राह पर चलना ही वांछित बदलाव है। इस बदलाव का उनके पास कोई तर्कयुक्त जवाब उनके पास नहीं है सिवाय इसके कि सदियों से चले आ रहे रहन-सहन व आचार-व्यवहार के हर नियम को उन्हें बस चुनौती देना है। इस बात में कोई संशय नहीं है कि नारी अपने जीवन में घर के सीमित दायरे के लिए नहीं बनी है। फिर भी नारी को यह भूलना नहीं चाहिए कि घर ही उनका किला और सबसे बड़ा कार्यक्षेत्र है जिसकी कि वे अकेली आर्किटेक्ट हैं। नारी के द्वारा घर को घर जैसा बनाने रखने में किया प्रयास महान होता है जिसमें वह अपने बच्चों का पालन-पोषण कर उनका और देश का भविष्य संवारती है। घर की हर जिम्मेदारी को निभाकर वह अपने पति की धुरी और खुशहाल घर की नींव बनकर दिखाती है। ऐसे खुशहाल घरों से ही देश ताकतवर बनता है। हां, यह जरूरी नहीं कि घर संभालने में नारी अपने आपको इतना झोंक दे कि उसे अपने स्वास्थ्य, पोषण, खुशियों व अन्य सामान्य जरूरतों का ध्यान ही नहीं रहे। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसे घर में उतना ही सम्मान मिले जितना कि घर का पुरुष घर के बाहर काम करके अर्जित करता है। जरूरत पड़ने पर उसे इसके लिए कठोर बनकर भी दिखाना होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी बदलाव की बयार पहुंचने लगी है। मनोरंजन व संचार के साधन जैसे टीवी व मोबाइल गांवों में भी पहुंचने लगे हैं। गांवों की नारी अपने ससुराल आने से इसलिए मना कर रही है कि वहां शौचालय नहीं है। यह बड़ा बदलाव है और यह बयार और तेज होना चाहिए। एक बात और, समाज की जो भी रूढ़ियां, नियम या परंपराएं होती हैं, वे सारी की सारी गलत नहीं होती हैं। अतः जो भी बदलाव हों, वे तर्कसंगत होने चाहिए और उसमें दूसरों के हितों का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। नारी को समय, स्थान, अपने परिवार, अपनी परिस्थिति और क्षमता के अनुसार ही उपयुक्त बदलाव को अपनाना होगा और वह भी क्रमिक तरीके से ताकि अनावश्यक टकराव को टाला जा सके। नारी ने साबित कर दिया है कि जीवन की दौड़ में वह पुरुषों के समकक्ष ही नहीं, बल्कि उनसे बेहतर है। वही जीवन की असली कलाकार है और पुरुष उसके हाथों का मात्र रंग और कागज है। यह दुनिया पल-पल बदलती रहती है और नारियों को भी स्वयं को मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार लगातार बदलते रहना होगा। यह तय है कि नारी कोई वस्तु या दया की पात्र नहीं है। सभी को पता है कि मां के रूप में एक कमजोर दिखने वाली नारी को भी जब लगता है कि उसके बच्चों पर कोई खतरा है तो उनकी रक्षा करने के लिए वह रणचंडी का रूप धारण करने में कोई देर नहीं लगाती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका की रोक के बाद फ्रांस ने यूक्रेन को दी खुफिया मदद

पेरिस एजेंसी। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा कीव के साथ सूचना साझा करने पर रोक लगाने की घोषणा के बाद फ्रांस, यूक्रेन को सैन्य खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रहा है। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि उसने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया है, जिससे यूद्धग्रस्त देश को रूसी बल को निशाना बनाने में मिलने वाली महत्वपूर्ण जानकारी का प्रवाह बंद हो गया है। रूसी सैनिकों की गतिविधियों पर नजर रखने और लक्ष्यों का चयन करने के मद्देनजर यूक्रेन के लिए अमेरिकी खुफिया जानकारी महत्वपूर्ण है। बृहस्पतिवार को 'फ्रांस इंटर रेडियो' से बात करते हुए लेकोर्नू ने कहा कि फ्रांस अपनी खुफिया जानकारी यूक्रेन के साथ साझा कर रहा है। लेकोर्नू ने कहा, ''हमारे पास ऐसी खुफिया जानकारी है जिससे यूक्रेन को लाभ मिल सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यूक्रेन को सभी सैन्य सहायता निलंबित करने के अमेरिकी फैसले के बाद, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उनसे अमेरिकी सहायता की कमी की भरपाई के लिए ''विभिन्न फ्रांसीसी सहायता पैकेजों में तेजी लाने के लिए कहा है।

चीन के विदेश मंत्री ने अमेरिकी शुल्क की आलोचना की

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को अमेरिका पर 'अच्छाई का जवाब बुराई से देने' का आरोप लगाया। उन्होंने देश के वार्षिक संसदीय सत्र के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि चीन अमेरिका के 'मनमाने शुल्क' का जवाब देगा। वांग ने कहा कि अमेरिका को फेंटानिल संकट से निपटने में मदद करने के चीन के प्रयासों का जवाब दंडात्मक शुल्कों के रूप में दिया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो रहा है। वांग ने कहा, किसी भी देश को यह कल्पना नहीं करनी चाहिए कि वह चीन को दबा सकता है और साथ ही साथ चीन के साथ अच्छे संबंध भी बनाए रख सकता है। इस तरह के दोहरे कृत्य द्विपक्षीय संबंधों की स्थिरता या आपसी विश्वास के निर्माण के लिए अच्छे नहीं हैं।

असद समर्थकों ने घात लगाकर हमला किया, 13 पुलिस अधिकारियों की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बंदूकधारियों ने गुरुवार को एक तटीय शहर में सीरियाई पुलिस गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया। इसमें कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के तटीय क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के अल्पसंख्यक अलावी संप्रदाय और इस्लामी समूहों के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, लाताकिया शहर के पास जबलेह कस्बे में हुए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए।

चीनी वैज्ञानिकों ने हासिल की बड़ी सफलता

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विज्ञान अकादमी के थ्येनचिन औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी संस्थान ने हाल ही में एंजाइम उत्प्रेरक तंत्र के विश्लेषण में बड़ी सफलता हासिल की। यह सफलता गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित की गई। बताया जाता है कि रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन औषधि अणुओं के संश्लेषण का उत्प्रेरक है। इससे कृत्रिम रूप से कुशल जैव उत्प्रेरकों का डिजाइन करने के लिए नया रास्ता खोला गया। बायो फार्मास्युटिकल्स, हरित रसायन और नवीन ऊर्जा विकास आदि क्षेत्रों में इसके प्रयोग की बड़ी निहित शक्ति है। लंबे समय से रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन को स्वास्थ्य हत्यारा कहा जाता है। कोशिका चयापचय में पैदा रिएक्टिव ऑक्सीजन कण मनमाने ढंग से डीएनए को काटते हैं।

ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा को दी राहत, टैरिफ को कुछ दिनों के लिए टाला

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से बड़े टैरिफ से पहले कुछ उत्पादों के लिए मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ में कुछ समय के लिए छूट देने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने यह फैसला लिया.

उन्होंने कनाडा को उच्च टैरिफ राष्ट्र होने के लिए फटकार लगाई. एक अधिकारी के अनुसार, कनाडा और मेक्सिको के खिलाफ टैरिफ में संशोधन अमेरिकी कार निर्माताओं और अमेरिकी किसानों की रक्षा के लिए लाया जा रहा है. यह नोट किया गया कि इस तरह से अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते योग्य वस्तुओं को मौजूदा टैरिफ से बाहर रखा जाएगा. सीएनएन के अनुसार, यूएसएमसीए पर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान बातचीत की थी, जो तीन उत्तरी अमेरिकी देशों को एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है.

संशोधनों के बारे में बताते हुए, ट्रंप ने कहा कि इस अंतरिम अवधि के दौरान, अब से 2 अप्रैल के बीच, यह हमारे अमेरिकी कार निर्माताओं के लिए बहुत अधिक अनुकूल है. मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अपनी बातचीत के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैंने आज मेक्सिको की राष्ट्रपति, एक अद्भुत महिला से बात की, और हमने उन्हें अल्पकालिक टैरिफ से जुड़ी एक समस्या से निपटने में मदद की. हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही. साथ ही, हमने दवाओं पर भी चर्चा की, और वे हाल ही में बहुत मेहनत कर रहे हैं. हमने दोनों पर बहुत प्रगति की है.

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में बातचीत का विवरण भी साझा किया. उन्होंने लिखा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बात करने के बाद, मैं इस बात पर सहमत हो गया हूं कि मेक्सिको को यूएसएमसीए समझौते के तहत आने वाली किसी भी चीज पर टैरिफ का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी. यह समझौता 2 अप्रैल तक है.

उन्होंने कहा कि मैंने यह एक समझौते के रूप में और राष्ट्रपति शिनबाम के प्रति सम्मान के कारण किया. हमारे संबंध बहुत अच्छे रहे हैं. हम सीमा पर, अवैध विदेशियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए साथ मिलकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम फेंटेनाइल (प्रतिबंधित ड्रग) को रोकने के मामले में भी साथ में काम कर रहे हैं.

टैरिफ और कनाडा के बारे में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि वे अगले सप्ताह होने वाले हैं और सबसे बड़ा टैरिफ 2 अप्रैल को होगा. कनाडा एक उच्च टैरिफ वाला देश है. कनाडा हमारे दूध उत्पादों और अन्य उत्पादों के लिए हमसे 250 प्रतिशत शुल्क लेता है. लकड़ी और ऐसी ही अन्य चीजों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है. हमें उनकी लकड़ी की जरूरत नहीं है. हमारे पास उनकी तुलना में ज्यादा लकड़ी है. हमें कनाडा की लकड़ी की जरूरत नहीं है.

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इसलिए मैं जो करने जा रहा हूं, वह यह है कि मैं अपने जंगलों को मुक्त करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि हमें पेड़ों को काटने और बहुत सारा पैसा कमाने और फिर पेड़ों की कटाई करने की अनुमति मिल सके... हमें कनाडा से पेड़ों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से कारों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से ऊर्जा की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि हमें कनाडा से कुछ भी नहीं चाहिए... हम आत्मनिर्भर हो सकते हैं, जो कि ज्यादातर चीजों में है... मैं बहुत जल्द ही इसे मुक्त करने जा रहा हूं ताकि हमें लकड़ी खरीदने के लिए दूसरे देशों में न जाना पड़े. आप जानते हैं, हमें दूसरे देशों से लकड़ी क्यों खरीदनी चाहिए?

एलन मस्क का स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट हुआ क्रैश

वाशिंगटन एजेंसी। एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी को एक बड़ा झटका लगा है। उनकी सबसे पावरफुल स्टारशिप रॉकेट टेस्टिंग के दौरान क्रैश हो गया। रॉकेट के टुकड़े बहामास और फ्लोरिडा में गिरे जिसे लोगों ने अपनी आंखों से गिरते देखा। यह स्पेसएक्स का 8वां टेस्ट था जो असफल रहा। इस घटना से एलन मस्क की भविष्य की अंतरिक्ष योजनाओं को झटका लगा है। 7 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप को लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के बाद 7 मिनट में इसका बूस्टर सफलतापूर्वक लॉन्च पैड पर वापस आ गया लेकिन 8 मिनट बाद रॉकेट के ऊपरी हिस्से में लगे 6 इंजनों में से 4 इंजनों ने काम करना बंद कर दिया जिससे रॉकेट अपना संतुलन खो बैठा। इसके चलते ऑटोमेटेड अबॉर्ट सिस्टम एक्टिवेट हो गया और रॉकेट अंतरिक्ष में ही क्रैश हो गया।

स्टारशिप का सुपर हेवी बूस्टर जब वापस लॉन्च पैड की ओर लौट रहा था तब उसमें आग लग गई। हालांकि टेक्सास के स्टारबेस में बने मेकाजिला नामक लॉन्च पैड ने इसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया। अगर ऐसा नहीं होता तो बूस्टर भी क्रैश हो सकता था। इससे पहले 17 जनवरी को हुए 7वें टेस्ट में भी रॉकेट लॉन्चिंग के 8 मिनट बाद फेल हो गया था। तब ऑक्सीजन लीक के कारण स्टारशिप कैरिबियन सागर के ऊपर ब्लास्ट हो गया था। इसका मलबा तुर्क और कैकोस द्वीप पर गिरा था जिसे लोगों ने देखा था।

पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग

भारत ने दिया दो टूक जवाब- पहले चुराया पाक खाली करो

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलाप रहा है जिसका भारत ने दिया दो-टूक जवाब देकर उसकी बोलती बंद कर दी है। पाकिस्तान ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की कश्मीर पर दी गई टिप्पणी को ''बेबुनियाद करार देते हुए इसे खारिज कर दिया और कश्मीर के इस विवादित हिस्से का समाधान करने की मांग की। जयशंकर ने बुधवार को लंदन में चैथम हाउस थिंक-टैंक के एक सत्र में कहा था कि कश्मीर मुद्दे का समाधान ''कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है।''

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस टिप्पणी को नकारा और भारत से जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से को खाली करने की अपील की, जिस पर उसने कब्जा कर रखा है। खान ने कहा, ''हम पांच मार्च को लंदन के चैथम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री द्वारा जम्मू-कश्मीर के बारे में की गई टिप्पणी को खारिज करते हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''भारत को आजाद जम्मू-कश्मीर पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय, अपने कब्जे में रखे जम्मू-कश्मीर के एक बड़े हिस्से को खाली कर देना चाहिए, जो पिछले 77 वर्षों से उनके कब्जे में है।'' जयशंकर ने चैथम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में यह भी कहा था, ''अनुच्छेद-370 को हटाना पहला कदम था, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था, और चुनाव कराना तीसरा कदम था, जिसमें भारी मतदान हुआ।''

श्रीलंका में अपने ही चीफ को गिरफ्तार करने के लिए तलाश रही पुलिस

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में पुलिस अपने ही प्रमुख की तलाश कर रही है जिन्हें भगोड़ा माना जा रहा है। यह जानकारी पुलिस प्रवक्ता बुद्धिका मनथुंगा ने बृहस्पतिवार को यहां दी। देशबंधु तेन्नाकून सैद्धांतिक रूप से अब भी देश के पुलिस प्रमुख हैं। वह जुलाई 2024 से फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया गया है। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को उनका पता लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दक्षिणी शहर मतारा की मजिस्ट्रेट अदालत ने पिछले सप्ताह आदेश दिया था कि तेन्नाकून को 30 दिसंबर, 2023 को कोलंबो से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित दक्षिणी रिसॉर्ट शहर वेलिगामा में हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया जाए।

महानिरीक्षक के रूप में तेन्नाकून ने अवैध मादक पदार्थों के संबंध में ख़ूपेमारी के लिए कोलंबो अपराध प्रभाग (सीसीडी) के अधिकारियों को वेलिगामा स्थित रिसॉर्ट होटल में भेजा था। वेलिगामा पुलिस को हालांकि इस गुप्त अभियान के बारे में पता नहीं था, इसलिए उसने सीसीडी के वाहन पर गोलीबारी कर दी जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई। मनथुंगा ने संवाददाताओं को बताया कि अदालत ने फैसला सुनाया है कि यह गुप्त अभियान अवैध था और तेन्नाकून सहित आठ पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय द्वारा निलंबित किए गए तेन्नाकून फरार हैं और पिछले सप्ताह से उन स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं जहां उनके छिपे होने की संभावना है। नवंबर 2023 में तेन्नाकून को पुलिस प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा हिरासत में एक व्यक्ति को प्रताड़ित करने का दोषी पाए जाने के बावजूद पदोन्नत किया गया था। जुलाई 2024 में तेन्नाकून को न्यायालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था तथा उनकी नियुक्ति की वैधता पर सुनवाई का भी आदेश दिया गया था। तेन्नाकून के मामले का नतीजा आने तक पिछले साल नवंबर में एक कार्यवाहक पुलिस प्रमुख की नियुक्ति की गई थी।

जयशंकर ने कहा-ट्रंप का बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर कदम भारत के लिए फायदेमंद, चीन से संबंधों की नई राह पर भी की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो भारत के हितों के अनुकूल है। इसके साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर भी सहमति जताई है। चैथम हाउस थिंक-टैंक में बुधवार को आयोजित एक सत्र में विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में भारत की भूमिका, ब्रिक्स देशों की प्रगति, चीन के साथ संबंधों और अन्य विदेश नीति मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जयशंकर ने कहा, ''भारत उन कुछ देशों में से है जो रूस और यूक्रेन दोनों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित बातचीत करते रहे हैं। जहां भी यह महसूस हुआ कि भारत कुछ कर सकता है, हम हमेशा इसके बारे में खुले दिमाग से सोचते रहे है।''

अमेरिकी प्रशासन पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा, ''हम एक ऐसे राष्ट्रपति और प्रशासन को देख रहे हैं जो बहुध्रुवीयता की दिशा में बढ़ रहा है, और यह भारत के अनुकूल है।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप का दृष्टिकोण हमारे लिए एक बड़ा साझा उपक्रम 'छाता' के रूप में सामने आता है, जिसमें हर कोई अपना उचित हिस्सा देता है।'' 'छाता' में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। विदेश मंत्री ने अमेरिकी शुल्क नीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस समय वाशिंगटन में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बैठक की थी। जयशंकर ने कहा, ''हमने शुल्क के मुद्दे पर खुलकर चर्चा की, और इस बातचीत का परिणाम यह हुआ कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर सहमत हुए।''

ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर जयशंकर ने कहा कि यह एक जटिल प्रक्रिया है, लेकिन वह आशावादी है और उम्मीद करते हैं कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।

चीन के संबंधों पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और चीन के संबंध अनोखे हैं क्योंकि केवल दोनों देशों की जनसंख्या दो अरब से अधिक है। उन्होंने कहा, ''हम ऐसा संबंध चाहते हैं, जिसमें हमारे दोनों देशों के हितों का सम्मान हो और जो हम दोनों के लिए लाभकारी हो।'' कश्मीर मुद्दे पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, ''अनुच्छेद 370 को हटाना पहला कदम था, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था, और तीसरा कदम चुनाव कराना था जिसमें भारी मतदान हुआ।'' उन्होंने आश्वासन दिया कि जब कश्मीर के उस हिस्से को वापस लाया जाएगा जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है,

हमास ने ट्रंप को दिखाया ठेंगा कहा- अपनी शर्तों पर इजराइली बंधकों को देगा रिहाई

गाजा एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चेतावनी को खारिज कर दिया और दोहराया कि वह गाजा पट्टी में स्थायी युद्ध विराम के बदले में ही शेष इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। हमास ने ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याह पर जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते से पीछे हटने का आरोप लगाया है। इस समझौते में दूसरे चरण की बातचीत का आह्वान किया गया है, जिसमें इजराइली बंधकों को और अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले रिहा किया जाएगा, एक स्थायी युद्ध विराम और गाजा से इजराइल की वापसी शामिल है।

हमास के प्रवक्ता अब्देल लतीफ अल-कनौआ ने कहा कि शेष इजराइली बंधकों को मुक्त करने का सबसे अच्छा तरीका दूसरे चरण की बातचीत है, जिसे फरवरी की शुरुआत में शुरू किया जाना था। हालांकि, अब तक केवल सीमित प्रारंभिक बातें ही हुई हैं। बुधवार को ट्रंप ने आठ पूर्व बंधकों से मुलाकात के बाद हमास को ''आखिरी चेतावनी दी। इस बीच, व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि उसने हमास के साथ अप्रत्यक्ष सीधी बातचीत की है, जिसे इजराइल और पश्चिमी देश आतंकवादी संगठन मानते हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ पर लिखा, ''सभी बंधकों को अभी रिहा करो और जिन लोगों की तुमने हत्या की है उनके शत्रों को तुरंत लौटाओ, नहीं तो तुम्हारा अंत हो जाएगा। माना जाता है कि हमास ने अब भी 24 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें इजराइली-अमेरिकी एडन अलेक्जेंडर भी शामिल हैं।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन से एक की मौत, 7 लापता

बेकासी, एजेंसी। इंडोनेशिया के कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बीच जावा द्वीप में एक की जान चली गई और 7 लोग लापता हो गए, ये तबाही बीते एक सप्ताह से राजधानी जकार्ता और आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से हुई है.

आपदा प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से ये बताया गया कि बीते एक सप्ताह से रह-रहकर हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से जकार्ता और आसपास के शहरों में तबाही मची हुई है. बाढ़ और पानी में फंसे हजारों लोगों की मुसीबत से बचाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. इस बचाव कार्य में अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है.

बाढ़ की विनाश लीला के बीच गुरुवार को वेस्ट जावा प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश से सुकाभूमि जिले के अधिकांश हिस्से में घरों, अस्पतालों और स्कूलों को भारी नुकसान पहुंचा है. लोकल डिजैस्टर एजेंसी के मुताबिक भारी बारिश से एक बच्चे की मौत हो गई और तीन अलग-अलग जिलों में 7 लोगों के लापता होने की खबर है. स्थानीय आपदा एजेंसी के प्रवक्ता पड़ी सेतियावन ने एएफपी न्यूज एजेंसी को बताया कि लंबे समय से खराब मौसम और मूसलाधार बारिश के कारण ये विकराल समस्या खड़ी हुई है.

लगभग 5 फीसदी का वृद्धि लक्ष्य : चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक कदम

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार द्वारा समीक्षा के लिए चीनी राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा (एनपीसी) को सौंपी गई सरकारी कार्य रिपोर्ट-2025 ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि चीन ने इस वर्ष के लिए अपना जीडीपी विकास पूर्वानुमान लक्ष्य लगभग 5 फीसदी निर्धारित किया है। कुछ विदेशी मीडिया ने बताया कि यह लक्ष्य बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह न केवल चीन सरकार के व्यावहारिक रवैये को दर्शाता है, बल्कि चीनी अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास और ताकत को भी दर्शाता है। यह विकास दर पिछले दो वर्षों के अनुरूप बनी हुई है, जो रोजगार को स्थिर करने, जोखिमों को रोकने और लोगों की आजीविका में सुधार करने के चीन के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है।

इस लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि चीन के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने की एक ठोस अभिव्यक्ति भी है। उपभोग को बढ़ावा देने और घरेलू मांग के विस्तार के संदर्भ में चीन सरकार ने अपने नागरिकों की आय बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति बढ़ाने और उपभोग वातावरण में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपभोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। उपायों की इस श्रृंखला से जीडीपी में उपभोग और सेवा उद्योगों के अनुपात में और वृद्धि होने और निरंतर आर्थिक विकास में नई गति आने की उम्मीद है। विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य तकनीकी नवाचार में भी परिलक्षित होता है। चीन सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उच्च तकनीक उद्योगों के विकास का पुरजोर समर्थन करती है और सरकारी कार्य रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार बड़े मॉडलों के व्यापक अनुप्रयोग का समर्थन करेगी और बुद्धिमान जुड़े नई ऊर्जा वाहनों और बुद्धिमान रोबोट जैसे उभरते उद्योगों का विकास करेगी। ये उपाय न केवल वैश्विक औद्योगिक नवाचार परिदृश्य को नया आकार देंगे, बल्कि दुनिया को चीन की वैज्ञानिक और तकनीकी विकास उपलब्धियों को साझा करने की भी अनुमति देंगे। साथ ही, चीन सरकार की खुली मानसिकता भी प्रभावशाली है। कई क्षेत्रों में खुलेपन पायलटों को बढ़ावा देने से लेकर बेल्ट एंड रोड के उच्च-गुणवत्ता वाले संयुक्त निर्माण तक और उच्च-मानक मुक्त व्यापार क्षेत्रों के वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करने तक, ये खुलेपन के उपाय दुनियाभर के देशों के साथ साझी जीत वाले सहयोग के लिए चीन की ईमानदारी और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हैं। चीन के लिए 2025 एक महत्वपूर्ण वर्ष है, यानी 14वीं पंचवर्षीय योजना समाप्त हो जाएगी और 15वीं पंचवर्षीय योजना तैयार की जाएगी। यह कार्य बहुत कठिन है। विभिन्न विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं है और इसके लिए बहुत मुश्किल प्रयासों की आवश्यकता होती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रक्रिया में चीन विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली में अधिक आत्मविश्वास और ताकत लाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
विशेष

महिलाओं के सम्मान हेतु अनवरत कार्य कर रही अबुआ सरकार...

घर, परिवार, समाज की धुरी महिला को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने का सीधा अर्थ है देश और राज्य का स्वत: सुदृढ़ हो जाना। झारखण्ड के परिप्रेक्ष में देखें तो झारखण्ड सरकार ने इस गणित को समझा और कई सफल योजनायें बनाकर चरणबद्ध तरीके से आधी आबादी को आर्थिक स्वावलंबन देने का प्रयास कर रही है। महिलाएं अगर आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो, तो वह अपने घर, समाज, प्रदेश को उन्नति के रास्ते पर ले जा सकती हैं। झारखण्ड की ग्रामीण आदिवासी महिलाएं आदिकाल से बहुत मेहनती रही हैं और लंबे समय से आर्थिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं। हेमन्त सरकार ने झारखण्ड की महिलाओं के इस कार्यशैली को और बेहतर करने का फैसला लिया और पिछले 5 सालों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई सफल योजनाओं को धरातल पर उतारा है। सरकार की ओर से राज्य और राज्य के बाहर व्यापार में भागीदारी को सुनिश्चित करने, बालिका शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, महिलाओं को पेंशन के जरिए आर्थिक मजबूती देने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अभी सरकार द्वारा चलायी जा रही आधा दर्जन योजनाएं सिर्फ और सिर्फ महिलाओं की समृद्धि पर केंद्रित है।

बेटियों को मिल रही सपनों की उड़ान

किशोरियों की आर्थिक

जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से हेमन्त सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा है। ग्रामीण परिवेश की किशोरियों का स्कूल ड्राप आउट कई बार छोटी-छोटी आर्थिक जरूरत के पूरी ना होने की वजह से हो जाती थी। हेमन्त सरकार ने इस मामले को समझा और किशोरियों की आर्थिक जरूरत के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का उपहार दिया। महिला प्रोत्साहन और उनकी शिक्षा में बेहतरी के प्रयास के रूप में इस योजना को देखा जा रहा है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से 10 लाख किशोरियों को जोड़ा गया है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत सरकार की ओर से कुल 5 बार में ₹40000 तक आर्थिक सहायता दी जाती है। यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ हो कर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूली छात्रा को कक्षा आठ में 2,500, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, ग्यारहवीं में 5,000 और बारहवीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है। जब किशोरी की उम्र 18 होने और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20,000 रुपये दिया जाता है, ताकि छात्राएं उन रुपयों से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण ले कर स्वावलंबी बन सकें।

महिलाओं को मिल रहा सम्मान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) हेमन्त सरकार का आधी आबादी के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है जिसमें 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को उनके रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ₹2500 प्रतिमाह की आर्थिक सम्मान राशी दी जा रही है। योजना ने ग्रामीण इलाके के वित्तीय ढांचे को खूब मजबूती दी है। सरकार के इस सम्मान राशि का उपयोग ग्रामीण परिवेश के छोटे व्यवसाय के लेनदेन में खूब हो रहा है। इस योजना के लिए अगस्त 2024 में पूरे राज्य में कैम्प लगाकर आवेदन लेने का कार्य किया गया था। आवेदन फॉर्म और प्रक्रिया निःशुल्क थी। योजना से राज्य की बहन-बेटियाँ स्वावलंबी और सशक्त बन रहीं हैं। झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना के लिए 2025-26 में ₹13 हजार 363 करोड़ 35 लाख का बजट रखा गया है।

> यह सुखद अनुभव है कि मेरी लाखों बहनों को मंईयां सम्मान योजना का सम्मान मिल रहा है। इस सम्मान के लिए यह भाई हमेशा आपके साथ है।

महिलाओं के लिए स्वरोजगार के द्वार खुले

स्वयं सहायता समूहों को पलाश ब्रांड से जोड़कर उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल दिये हैं। कोविड काल में विश्वव्यापी आर्थिक संकट का असर झारखण्ड पर भी पड़ा था लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण पलाश ब्रांड है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दिशा निर्देश पर क्रियान्वित किये जा रहे सफल प्रयास पलाश ब्रांडिंग एवं विपणन रणनीति के माध्यम से अब तक 50 विभिन्न प्रकार के उत्पादों को खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग चार वर्ष से कम अवधी में लगभग 40 करोड़ से अधिक रुपए की सकल बिक्री की जा चुकी है। पलाश ब्रांड में अपने कृषि उत्पादों की आपूर्ति तथा अन्य प्रसंस्करण, पैकजिंग एवं बिक्री के कार्यों से अब तक राज्य के स्वयं सहायता समूहों की दो लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ कर अपने आय में वृद्धि कर रहीं हैं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हुए इसे मूलधारा से जोड़ रहीं हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों की पहचान बन चुकी पलाश ब्रांड को विशुद्ध व्यवसायिक परिचालन हेतु "पलाश इंटरप्राइजेज कंपनी" का गठन किया जा रहा है। इस पूरी योजना का मूल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी लाने का लक्ष्य है। इन योजनाओं से झारखण्ड की लाखों महिलाओं को लाभ मिल रहा है पिछले 5 सालों में कोरोना काल के बावजूद महिलाएं आर्थिक मामलों में काफी समृद्ध हुई है।

2019 से अब तक ₹10,111 करोड़ का क्रेडिट लिंकेज। अब तक 2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा गया

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में

ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व 09 वर्ष में सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में मिला। यही नहीं सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक एसाचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई।

ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31,861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान की शुरुआत वर्ष 2020 में की गई है, इस अभियान का उद्देश्य महिलाएं जो मजबूरीवश दारु -हड़िया की बिक्री और निर्माण कार्य से जुड़ी थीं, उन्हें आजीविका के सम्मानजनक साधनों से जोड़ना था। इस कार्य में राज्य सरकार को सफलता मिली। इस अभियान से जुड़कर महिलाओं ने सम्मान जनक आजीविका को अपनाया।

अभियान से 36 हजार से अधिक महिलाएँ वैकल्पिक आजीविका से अपना जीवन यापन कर रहीं हैं। हमारी सरकार महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के लिए 50 हजार रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।

भारत सरकार द्वारा समाज कल्याण मंत्रालय को 1.18% का बजट आबंटित किया गया

झारखण्ड महिला एवं बाल विकास के लिए कुल बजट का व्यय करेगा **14%**

एवं अन्य राज्यों का आबंटित बजट

उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	छत्तीसगढ़
6.20%	2.77%	2.31%	1.06%

झारखण्ड ने बजट में आधी आबादी का रखा ध्यान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना ₹13,363 करोड़

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना/मुख्यमंत्री कन्यादान योजना ₹310 करोड़

मातृ किट वितरण योजना ₹60 करोड़

गर्भवती महिला की देखभाल के लिए ₹60 करोड़

पलाश मार्ट ₹30 करोड़

PR 348117 (IPRD) 24-25